रांची, सोमवार
14.09.2026
वर्ष : 11, अंक : 283, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

ब्रिक्स समाधानों का पारिस्थितिकी तंत्र, दुनिया को बड़ी अपेक्षाएं: प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समापन सत्र में सभी देशों की सक्रिय भागीदारी और महत्वपूर्ण योगदान के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों की चचाओं ने इस विश्वास को और मजबूत किया है कि ब्रिक्स केवल देशों का समूह नहीं बल्कि समाधानों का एक पारिस्थितिकी तंत्र है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सम्मेलन में अपनाई गई ह्लनई दिल्ली घोषणाह्व साझा दृष्टिकोण और भविष्य के सहयोग को स्पष्ट दिशा देगी। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स में हुई चचाओं और तय परिणामों को समयबद्ध कार्रवाई और अंतिम स्तर तक प्रभाव से जोड़ना होगा।

उन्होंने कहा, ह्लब्रिक्स अपने तीसरे दशक में प्रवेश करने जा रहा है। दुनिया अब हमसे केवल विचारों और प्रतिबद्धताओं की ही नहीं बल्कि ठोस परिणामों की भी अपेक्षा करती है। मुझे विश्वास है कि हमारे साझा प्रयासों से हम निश्चित रूप से इन अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे।ह्व

उन्होंने ब्रिक्स के अगले मेजबान के रूप में चीन को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के ढांचे को केवल फाइलों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि जमीन पर वास्तविक बदलाव और प्रभाव दिखाई देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी देश मिलकर इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिभागियों के विचारों और सुझावों ने सहयोग को व्यापक और गहरा बनाने में योगदान दिया है। उनकी उपस्थिति ब्रिक्स की बढ़ती प्रासंगिकता, खुलेपन और समावेशिता को दशार्ती है।

ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक सुधार और ग्लोबल साउथ के प्रतिनिधित्व पर जोर

नई दिल्ली। भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन रविवार को दो दिनों की गहन चचाओं और बैठकों के बाद सम्पन्न हो गया। सम्मेलन में वैश्विक सुधार और ग्लोबल साउथ को प्रतिनिधित्व देने पर जोर रहा। इस दौरान भारत के इस केंद्रीय प्रस्ताव पर व्यापक सहमति बनी कि ब्रिक्स को केवल घोषणात्मक होने के बजाय व्यावहारिक, कार्रवाई योग्य और जन-केंद्रित होना चाहिए। इसके अलावा ब्रिक्स में स्पष्ट शब्दों में आतंकवाद की निंदा की गई और स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और आपदा से निपटने की क्षमता जैसे क्षेत्रों में सहयोग पक्का किया गया।

भारत ने अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता का उपयोग भागीदारी को सीमित करने के बजाय व्यापक बनाने के लिए किया। भारत की अध्यक्षता परिणामों पर केंद्रित रही। शिखर सम्मेलन ने चार प्राथमिकता स्तंभों में परिणामों के महत्वपूर्ण पैकेज को मंजूरी दी। विभिन्न विषयगत क्षेत्रों में 50 से अधिक ठोस परिणाम समाने आए। ब्रिक्स में दुर्लभ खनिजों को भी सहयोग का महत्वपूर्ण क्षेत्र माना गया।

विदेश मंत्रालय का कहना है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान हुई चर्चा में ग्लोबल साउथ को केंद्र में रखकर विचार विमर्श किया गया। इसी को प्रधानमंत्री ने अपने हस्तक्षेप में कहा ह्लहमें ग्लोबल साउथ की उम्मीद के बारे में बहुत अच्छी तरह से पता होना चाहिए और तभी हम उन उम्मीदों को पूरा करने के लिए उन्हें वैश्विक मंच पर असरदार तरीके से बता सकते हैं।ह्व

ब्रिक्स शिखर वार्ता के समापन के बाद विदेश मंत्रालय की ओर से रविवार को प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसमें मंत्रालय में सचिव (आर्थिक संबंध) और ब्रिक्स के शेरपा सुधाकर दलेला, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल और मल्टीलेटरल इकोनामिक रिलेशंस के जॉइंट सेक्रेटरी शंभू हक्की मौजूद रहे।

शेरपा सुधाकर दलेला ने बताया कि समावेशी विकास पर प्रधानमंत्री के केंद्रीय संदेश में कहा गया कि ब्रिक्स में विकसित समाधान केवल ब्रिक्स तक ही सीमित नहीं रहने चाहिए। इन्हें वैश्विक दक्षिण की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालना और सुलभ बनाना आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ब्रिक्स के तीसरे दशक में प्रवेश करने के साथ ही, दुनिया उससे न केवल विचारों और प्रतिबद्धताओं की, बल्कि ठोस परिणामों की भी अपेक्षा करती है।

दलेला ने कहा कि भारत ने अध्यक्षता के दौरान बातचीत से इतर ब्रिक्स को लोगों, खासकर युवाओं से जोड़ने पर जोर दिया। गांधीनगर में युवा शिखर सम्मेलन और युवा परिषद आयोजित हुई। महिला सशक्तीकरण के लिए कार्यसमूह और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का डिजिटल संग्रह बनाया गया। खेलों के जरिए जन-जन संपर्क बढ़ाने के लिए खेल तकनीक कार्यसमूह, ब्रिक्स रन और पारंपरिक खेलों का आयोजन हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी की नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका और बुरुंडी के शीर्ष नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर अफ्रीकी महाद्वीप के तीन प्रमुख नेता नाइजीरिया के उपराष्ट्रपति काशिम शेट्टिमा मुस्तफा, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और अफ्रीकी संघ (एयू) के अध्यक्ष व बुरुंडी के राष्ट्रपति एवारेस्टे नदाइशिमिये के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन बैठकों में व्यापार, निवेश, रक्षा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग तथा 'ग्लोबल साउथ' की प्राथमिकताओं को मजबूती से उठाने पर सहमति बनी। साथ ही भारत-अफ्रीकी संघ साझेदारी को नई गति देने और चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन (आईएएफएस-क्ट) के जल्द आयोजन पर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नाइजीरियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे उपराष्ट्रपति काशिम शेट्टिमा मुस्तफा के साथ वार्ता में बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने व्यापार एवं निवेश, रक्षा एवं सुरक्षा, ऊर्जा साझेदारी, कृषि, स्वास्थ्य और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग को और गहरा करने पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने अधिक प्रतिनिधि, समावेशी और बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था के निर्माण के लिए बहुपक्षीय मंचों पर तालमेल बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। नाइजीरियाई उपराष्ट्रपति ने देश में क्षमता निर्माण और आर्थिक विकास में भारत के योगदान की सराहना की। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा के साथ बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की और ऐतिहासिक संघर्षों व सांस्कृतिक निकटता पर आधारित संबंधों को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों नेताओं ने वैश्विक मुद्दों पर करीबी समन्वय बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। दक्षिण अफ्रीका से भारत में चीतों के सफल पुनर्वास के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी ने दक्षिण अफ्रीका को 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' (आईबीसीए) में शामिल होने का निमंत्रण दिया। राष्ट्रपति रामाफोसा ने शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन और आतिथ्य के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। इसके अलावा, अफ्रीकी संघ (एयू) के अध्यक्ष एवं बुरुंडी के राष्ट्रपति एवारेस्टे नदाइशिमिये के साथ बैठक में वर्ष 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्यता दिलाने की ऐतिहासिक पहल को याद किया गया। दोनों नेताओं ने भारत-अफ्रीकी संघ साझेदारी को 'ग्लोबल साउथ' का प्रमुख स्तंभ बताते हुए परस्पर सुविधाजनक तिथि पर चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन के शीघ्र आयोजन पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने इबोला प्रकोप से निपटने में एयू के नेतृत्व की सराहना की, जबकि एयू अध्यक्ष ने प्रकोप की रोकथाम के लिए अफ्रीका सीडीसी को भारत द्वारा दी गई चिकित्सा सहायता के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही भारत-बुरुंडी संबंधों के तहत आर्थिक सहयोग, कृषि आधुनिकीकरण, स्वास्थ्य और क्षमता निर्माण की समीक्षा की गई।

भारत ने चीन को 1-0 से हराकर जीता महिला जूनियर हॉकी एशिया कप, लगातार तीसरी बार बना चैंपियन

एजेंसी

मोकी (चीन)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने रविवार को मेजबान चीन को 1-0 से हराकर एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने लगातार तीसरी बार महिला जूनियर एशिया कप का खिताब जीतकर खिताबी हैट्रिक पूरी की। साथ ही भारतीय टीम ने एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया।

भारत की जीत की नायिका सानिका चंद्रकांत माने रहीं, जिन्होंने मैच के 17वें मिनट में शानदार गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। उनका यह गोल अंत तक निर्णायक साबित हुआ। भारतीय टीम की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हॉकी इंडिया ने भी इनाम की घोषणा की है। टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 3 लाख रुपये, जबकि सपोर्ट स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 1.5 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

फाइनल मुकाबले की शुरूआत बेहद सतर्क अंदाज में हुई। दोनों टीमों पर दबाव साफ नजर आया। चीन की जूनियर महिला हॉकी टीम ने गेंद पर ज्यादा कब्जा रखते हुए भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंस ने शानदार संयम दिखाया। पहले क्वार्टर में स्कोर 0-0 रहा।

दूसरे क्वार्टर की शुरूआत में ही भारत ने बढ़त हासिल कर ली। 17वें मिनट में सानिका ने शानदार गोल कर भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। चीन को बराबरी का सबसे बड़ा मौका मैच के एकमात्र पेनल्टी कॉर्नर पर मिला, लेकिन उसका प्रयास गोल में बदल नहीं सका। हाफ टाइम तक भारत 1-0 से आगे रहा।

तीसरे क्वार्टर में चीन ने बराबरी के लिए आक्रामक शुरूआत की और गोल करने का प्रयास किया, लेकिन गोल नहीं कर पाया। अंतिम क्वार्टर पूरी तरह भारतीय डिफेंस के नाम रहा। भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी सर्कल के आसपास बेहद अनुशासित और मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया। चीन ने लगातार बराबरी की कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंस को भेदने में नाकाम रहा। आखिरी सीटी बजते ही भारत ने 1-0 की शानदार जीत के साथ ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

भारत ने पूरे टूनार्मेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया। टीम ने एलीट पूल में तीन जीत और एक ड्रॉ के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराया और फाइनल में चीन को 1-0 से मात देकर खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर देश और विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने भगवान गणेश को बुद्धि, समृद्धि और शुभारंभ का प्रतीक बताते हुए लोगों के जीवन में सुख, शांति, अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार, उन्होंने अपने संदेश में कहा कि गणेश चतुर्थी का पर्व जीवन में ऊर्जा, ज्ञान और सकारात्मकता लेकर आता है। यह पवित्र पर्व लोगों को नए संकल्पों के साथ प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

विधायक के बेटे के अपहरण और मारपीट मामले में पांच आरोपित कोलकाता से गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। रांची स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी के बाहर से चतरा विधायक जनार्दन पासवान के बेटे सौरभ कुमार के अपहरण और मारपीट के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले में शामिल पांच आरोपितों को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रौनक सिंह राजपूत, प्रकाश गुप्ता, आयुष कुमार, प्रीतम और ज्ञानदीप के रूप में हुई है।

घटना सात सितंबर की है। पुलिस के अनुसार, विधायक के बेटे सौरभ कुमार यूनिवर्सिटी गेट के पास अपने दोस्तों अमरदीप दुबे, अनमोल और रविशंकर के साथ खड़े थे। इसी दौरान अमरदीप की किसी बात को लेकर जूनियर छात्र लक्की राज से विवाद हो गया। आरोप है कि इसके बाद लक्की राज ने फोन कर कुछ बाहरी युवकों को मौके पर बुला लिया।

कुछ देर बाद दो काले रंग की स्कॉर्पियो से करीब 10-12 युवक वहां पहुंचे और मारपीट शुरू कर दी। सौरभ की शिकायत के अनुसार, आरोपितों ने उनके दोस्त अनमोल को धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया और सौरभ को जबरन स्कॉर्पियो में बैठाकर वहां से ले गए। सौरभ ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया कि चलती गाड़ी में उनके साथ मारपीट की गई और उनका गला दबाने की कोशिश की गई। आरोपितों ने उनका मोबाइल फोन और करीब 20 ग्राम वजन की सोने की चेन भी छीन ली।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी। यूनिवर्सिटी परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने घटना के करीब दो घंटे के भीतर सौरभ कुमार को सकुशल बरामद कर लिया था।

इसके बाद पुलिस ने आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की। जांच के क्रम में पांच आरोपितों को कोलकाता से गिरफ्तार किया गया। पुलिस उनसे पूछताछ कर घटना में शामिल अन्य लोगों और पूरे घटनाक्रम के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

चेंबर चुनाव में टीम तुलसी पटेल ने मारी बाजी, 13-8 से जीत

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड चेंबर की 21 सदस्यीय कार्यकारिणी के रविवार को हुए चुनाव में टीम तुलसी पटेल ने 13-8 से जीत दर्ज की। टीम तुलसी पटेल के 13 प्रत्याशी विजयी रहे, जबकि टीम मुकेश अग्रवाल के आठ प्रत्याशियों ने जीत हासिल की। तीसरी टीम पी-21 का खाता नहीं खुल सका। इस तरह 21 सदस्यीय कार्यकारिणी में तुलसी पटेल की टीम को स्पष्ट बहुमत मिला है। अध्यक्ष पद के लिए तुलसी पटेल के नाम की आधिकारिक घोषणा चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद की जाएगी।

चुनाव परिणाम की घोषणा चुनाव पदाधिकारी अंचल किंगर और पवन शर्मा ने की।

चेंबर के कुल 4214 मतदाताओं में से 2860 ने मतदान किया। चुनाव मैदान में कुल 65 प्रत्याशी थे। 09 महिला प्रत्याशियों ने भी चुनाव लड़ा, जिनमें छह ने जीत दर्ज की। वहीं, मनीष जैन ने पहली बार चुनाव लड़ते हुए जीत हासिल की।

मुकेश अग्रवाल को सर्वाधिक 1827 वोट

मतगणना में टीम मुकेश अग्रवाल के मुकेश अग्रवाल सर्वाधिक 1827 वोट हासिल कर पहले स्थान पर रहे। डॉ अभिषेक रामाधीन 1742 वोट के साथ दूसरे, प्रवीण लोहिया 1725 वोट के साथ तीसरे, तुलसी पटेल 1622 वोट के साथ चौथे और विनीता सिंघानिया 1597 वोट के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

व्यापारियों के विश्वास की जीत : तुलसी पटेल

जीत के बाद तुलसी पटेल ने कहा कि यह व्यापारियों और उद्यमियों के विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की सुरक्षा, सरल कारोबारी व्यवस्था, कानून-व्यवस्था में सुधार और आधारभूत संरचना को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता होगी।

ये 21 प्रत्याशी जीते

मुकेश अग्रवाल 1827, डॉ अभिषेक रामाधीन 1742, प्रवीण लोहिया 1725, तुलसी पटेल 1622, विनीता सिंघानिया 1597, ज्योति कुमार 1535, राम बांगड 1506, मनीष जैन 1497, नवजोत अलंग 1496, निधि झुनझुनवाला 1450, आस्था किरण 1441, अमित अग्रवाल 1424, राहुल साबू 1418, रोहित पोद्दार 1384, अनिल अग्रवाल 1360, अमित शर्मा 1348, रोहित अग्रवाल 1347, अमित किशोर अग्रवाल 1344, विकास विजयवर्गीय 1305, मोनिका गोयनका 1300 और पूजा ढाढा 1288 वोट के साथ विजयी रही।

प्रधानमंत्री मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन पर देशभर में चलेगा सेवा संकल्प अभियान: अमित शाह

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मुंबई में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के अवसर पर देशभर में सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पत्रकारों को बताया कि यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित किया जाएगा। नेशन फर्स्ट की भावना, जन सेवा ही प्रभु सेवा के मंत्र और 2047 तक जनभागीदारी के माध्यम से विकसित भारत के लक्ष्य को केंद्र में रखते हुए आयोजित किए जा रहे इस अभियान में भाजपा, उसके सहयोगी दलों, एनडीए परिवार, स्वयंसेवी संस्थाओं और आम लोगों की भागीदारी होगी। अमित शाह ने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन है, जबकि 7 अक्टूबर को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगातार 25 वर्षों तक संवैधानिक पदों पर रहते हुए जनता की सेवा करना और बार-बार चुनावी कसौटी पर लोगों का विश्वास हासिल करना एक बड़ी उपलब्धि है। इसी को ध्यान में रखते हुए सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान को देश के हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश, जिले, लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र से लेकर बूथ स्तर तक ले जाया जाएगा। इसके तहत देशभर में 12 प्रमुख कार्यक्रमों के साथ बूथ, मंडल और जिला स्तर पर सैकड़ों कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने स्वयं को प्रधान सेवक के रूप में प्रस्तुत किया और संवैधानिक शक्तियों का इस्तेमाल गरीबों के जीवन स्तर में सुधार, देश की आर्थिक मजबूती, सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा लंबे समय से लंबित समस्याओं के समाधान के लिए किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प देश की 140 करोड़ जनता के सामने रखा है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन, उनकी उपलब्धियों, लक्ष्यों और आने वाले समय के संकल्पों को जनता तक पहुंचाया जाएगा।

सेवा दिवस के तहत रक्तदान शिविर, दीप प्रज्वलन और नागरिकों के सम्मान जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसे प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन के लिए जनता की ओर से आभार व्यक्त करने के अवसर के रूप में मनाया जाएगा। माई ड्रीम इंडिया थीम पर देशभर में पेंटिंग और भाषण प्रतियोगिताएं होंगी। इनमें बच्चे, किशोर और युवा हिस्सा लेंगे। आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के तहत आंगनवाड़ी कार्यकताओं और आशा कार्यकताओं को सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान बच्चों और माताओं से जुड़ी पोषण, स्वास्थ्य और महिला कल्याण योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। सेवा कथा कार्यक्रम में उन लोगों की वास्तविक कहानियां सामने लाई जाएंगी, जिनके जीवन में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के कारण सकारात्मक बदलाव आया है। सेवा ज्योति कलश यात्रा के माध्यम से विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इसका उद्देश्य विभिन्न गांवों और क्षेत्रों को जोड ?ा, प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन के लिए आभार व्यक्त करना और लोगों को विकसित भारत 2047 के लक्ष्य से जोड ?ा है। वडनगर-वाराणसी सेवा यात्रा के तहत वडनगर से वाराणसी और वाराणसी से वडनगर के लिए 10-10 समूह बनाए जाएंगे। इन यात्राओं का उद्देश्य विभिन्न पवित्र नदियों के जल से वडनगर स्थित हाटकेश्वर महादेव और वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ का जलाभिषेक करना होगा। यात्रा के दौरान अलग-अलग स्थानों पर सेवा से जुड़े 25 विषयों पर गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी।

झारखंड में 17 सितंबर तक गरज-चमक के साथ बारिश के आसार, येलो अलर्ट

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में 17 सितंबर तक गरज के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसे लेकर रविवार को येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त की तरह सितंबर में भी राज्य के विभिन्न हिस्सों में अच्छी बारिश हो रही है। इससे राज्य में बारिश की कमी में काफी सुधार हुआ है। एक जून से 13 सितंबर तक झारखंड में 869.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य से महज चार प्रतिशत कम है। मौसम विभाग के अनुसार यह स्थिति सामान्य मानी जाती है। पिछले 24 घंटों के दौरान जामताड़ा जिले के नारायणपुर में सबसे अधिक 31.6 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। इस दौरान पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा में राज्य का सर्वाधिक तापमान 35.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि लातेहार में न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह मौसम साफ रहा और धूप खिली रही। दोपहर बाद आसमान में बादल छाए रहे। दिनभर गर्मी और उमस से लोग परेशान रहे। रांची में अधिकतम तापमान 29.6 डिग्री और न्यूनतम 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राज्य के प्रमुख शहरों में जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 30.4 और न्यूनतम 25.2 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 33.2 और न्यूनतम 24.5 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 32.1 और न्यूनतम 25.2 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 32.4 और न्यूनतम 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बिरसानगर पीएमआवास का विधायक ने किया निरीक्षण, कहा

जल-जमाव, गंदगी, टूटी सड़क और असुरक्षा से त्रस्त हैं लोग : सरयू राय

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने रविवार को बिरसानगर स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएम आवास) परिसर का औचक निरीक्षण किया। परिसर की दयनीय और बदहाल स्थिति को देखकर उन्होंने नगर विकास विभाग और झारखंड अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी (जुडको) की कार्यशैली पर कड़ा आक्रोश जताया। उन्होंने सीधे तौर पर आरोप लगाया कि विभाग ने गरीबों को पक्का मकान देने के नाम पर नरकीय स्थिति में धकेल दिया है।

विधायक ने बताया कि एक दिन पहले पीएम आवास के करीब 50 लाभुकों ने उनसे मुलाकात कर अपनी व्यथा सुनाई थी और मौके पर आकर स्थिति देखने का आग्रह किया था। निरीक्षण के दौरान ब्लॉक संख्या 8 और 32 में जल निकासी की भारी अव्यवस्था सामने आई। बारिश का पानी भूतल (ग्राउंड फ्लोर), सीढ़ियों और लिफ्ट के इर्द-गिर्द इस कदर भर गया है कि लोगों का चलना दूभर हो गया है। पूरे परिसर में मुश्किल से 20 प्रतिशत नाले का निर्माण हुआ है। साफ-सफाई की निगरानी न होने से मच्छरों की भरमार है, जिससे डेंगू व अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने की गंभीर आशंका बनी हुई है।

सरयू राय ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आधे-अधूरे पड़े निर्माणाधीन ब्लॉकों में शाम ढलते ही असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लग जाता है। वहां खुलेआम शराबखोरी होती है, जिससे पूरे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है और स्थानीय परिवारों की सुरक्षा खतरे में है।

विधायक ने स्पष्ट किया कि केवल कागजों पर मकान आवंटित कर देने से जिम्मेदारी पूरी नहीं होती; सड़क, नाली, बिजली, पानी, सफाई और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं अनिवार्य हैं। उन्होंने कहा कि वे नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव और जुडको को पत्र लिखकर तुरंत कार्रवाई की मांग करेंगे। इसके साथ ही 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर वे स्वयं प्रधानमंत्री को लिखित अनुरोध भेजेंगे, ताकि बिरसानगर पीएम आवास की जमीनी हकीकत पर संज्ञान लेकर इसे तत्काल रहने योग्य बनाया जा सके।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

रांची। बिरसा मुंडा सेवा संस्थान की ओर से रविवार को मेसरा स्थित संस्थान के नूतन परिसर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर बिरसा मुंडा सेवा संस्थान एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, रांची महानगर के संयुक्त तत्वावधान में आइआरएस हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित हुआ। शिविर में स्थानीय लोगों ने पहुंचकर अपनी आंखों की जांच कराई। अनुभवी चिकित्सकों और चिकित्सा दल ने नेत्र संबंधी विभिन्न समस्याओं की जांच की एवं आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। जरूरतमंद मरीजों को आगे के उपचार के संबंध में भी उचित चिकित्सकीय सलाह दी गई। इस अवसर पर आयोजकों ने कहा कि समाज के जरूरतमंद और वंचित लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना संस्थान का प्रमुख उद्देश्य है। ऐसे स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से समय पर जांच और उचित चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने का प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

रक्तदान महादान, किसी जरूरतमंद को मिल सकती है नई जिंदगी : संजीव सरदार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर/पोटका। प्रखंड अंतर्गत सोहदा पंचायत के बालीजुड़ी पंचायत भवन में आदिवासी बहुउद्देशीय उत्थान सरकारी समिति लिमिटेड की ओर से एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर मे विधायक संजीव सरदार शामिल हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया और कुल 80 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। संजीव सरदार ने शिविर में रक्तदान करने वाले लोगों से आत्मीय मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बिना किसी स्वार्थ के किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने के लिए रक्तदान करना मानव सेवा का सबसे पुनीत कार्य है। रक्तदान महादान है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि समाज के अधिक से अधिक लोगों, विशेषकर युवाओं को आगे आकर नियमित रूप से रक्तदान जैसे जनसेवा के कार्यों में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए।

रक्तदाताओं को हेलमेट देकर किया सम्मानित

शिविर के आयोजक आदिवासी बहुउद्देशीय उत्थान सरकारी समिति लिमिटेड की ओर से रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए हेलमेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। रक्तदान के प्रति लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। शिविर के आयोजन में समिति के संजय मुर्मू, रघुनाथ हांसदा, सीमा बास्के, सरस्वती मुर्मू, सुमित्रा हेंब्रम, रघुनाथ मुर्मू और आकाश बांद्रा सहित ब्लडमैन राजेश मार्डी, हितेश मार्डी, रेटा मार्डी और बिशु मार्डी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में नई जिंदगी परिवार तथा आ ये एफ ग्लोबल फील्ड ऑफिस, पोटका की ओर से भी सहयोग किया गया।

संक्षिप्त खबरें

पाड़हा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए बारीडीह में विशेष बैठक

बेड़ो/बारीडीह(बिभा)। रविवार को ऐतिहासिक पाड़हा जतरा मैदान, बारीडीह में 8 पाड़हा, 12 पाड़हा एवं 21 पाड़हा के संयुक्त तत्वावधान में विशेष पाड़हा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता 12 पाड़हा राजा श्री विशाल उरांव ने की। इसमें तीनों पाड़हा के पाड़हा प्रेमी एवं सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक में पाड़हा व्यवस्था को व्यवस्थित एवं सुदृढ़ तरीके से संचालित करने को लेकर सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे। पाड़हा व्यवस्था की परंपरा, उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली के संबंध में ग्रामीणों को विस्तृत जानकारी देने के लिए गांव-गांव जाकर पारंपरिक ग्राम सभा का गठन करने का निर्णय लिया गया। पाड़हा व्यवस्था की गतिविधियों को गति देने तथा विभिन्न गांवों में संपर्क बढ़ाने के लिए एक कमेटी का गठन किया गया। कमेटी में लिपिक विभाग, संगठन सशक्तिकरण एवं संपर्क विभाग, प्रचार-प्रसार विभाग तथा सरकारी समन्वय विभाग सहित विभिन्न जिम्मेदारियां तय की गईं। सरकारी समन्वय विभाग के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाओं की संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर पाड़हा समाज के लोगों तक पहुंचाने एवं योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में कार्य करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सभी पाड़हा गांवों के ग्राम प्रधानों को पत्र के माध्यम से पाड़हा बैठक में शामिल होने की सूचना दी जाएगी। इसके बाद ऐतिहासिक पाड़हा जतरा मैदान, बारीडीह में एक निर्धारित तिथि को ग्राम प्रधानों की बैठक आयोजित कर पाड़हा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से 21 पाड़हा राजा महादेव कुजूर, 8 पाड़हा राजा चरवा उरांव, 12 पाड़हा राजा विशाल उरांव, मीडिया प्रभारी चरवा उरांव, दीवान बिरूवा खेस, धनंजय कुमार राय, जुगेश उरांव, सुका उरांव, जगरनाथ उरांव, एतवा उरांव, पीटर तिर्की, सुका भगत, मंगु पुजार, मंगरू मुंडा, हालू उरांव, लगना उरांव, सनिका मुंडा एवं खुशी उराईन सहित बड़ी संख्या में पाड़हा प्रेमी उपस्थित थे।

खेलो इंडिया अस्मिता ट्रैक साइकिलिंग स्टेट लीग संपन्न

रांची(बिभा): भारतीय खेल प्राधिकरण एवं साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में झारखंड साइकिलिंग संघ द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'खेलो इंडिया अस्मिता ट्रैक साइकिलिंग स्टेट लीग-2026' का खेलगांव स्थित सिद्धो-कान्हू वेलोड्रोम स्टेडियम में शानदार समापन हुआ। इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में झारखंड के 15 जिलों से आई बालिका एवं महिला साइकिल चालकों ने विभिन्न ट्रैक स्पधाओं में अपनी रफ्तार और प्रतिभा का लोहा मनवाया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष शुभेंदु दुबे, झारखंड रोइंग संघ के अध्यक्ष सुरेश कुमार एवं झारखंड वुशु संघ के अध्यक्ष चंचल भट्टाचार्य उपस्थित रहे। झारखंड साइकिलिंग संघ के कोषाध्यक्ष रणवीर सिंह ने अतिथियों को अंगवस्त्र एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। अतिथियों ने विभिन्न स्पधाओं के विजेताओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर बधाई दी। उन्होंने कहा कि अस्मिता लीग जैसी प्रतियोगिताएं महिला और बालिका एथलीटों को राष्ट्रीय पटल पर चमकने के लिए एक बेहतरीन मंच और आत्मविश्वास प्रदान करती हैं। प्रतियोगिता के दूसरे दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। कैरिन (वूमेन जूनियर) स्पर्धा में निकिता सोरेंग ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि सीमा उरांव को रजत और अनीता उरांव को कांस्य पदक मिला। कैरिन (वूमेन एलीट) वर्ग में सबीना कुमारी ने बाजी मारते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया, वहीं सिंधु लता हेंब्रम ने रजत और श्वेता कुमारी ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। इंडिविजुअल परस्यूट (वूमेन जूनियर) में शीला बांरा ने स्वर्ण, मरियम हेम्ब्रम ने रजत तथा बुदनी समर ने कांस्य पदक जीता। वहीं स्क्रैच रेस (वूमेन एलीट) स्पर्धा में सिंधु लता हेंब्रम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि श्वेता कुमारी को रजत और पुष्प कुमारी को कांस्य पदक मिला। इस आयोजन को सफल बनाने में उत्क्रद्वारा नियुक्त पीसीपी अभिजीत सेठ, झारखंड साइकिलिंग संघ के महासचिव शैलेंद्र पाठक, कोषाध्यक्ष रणवीर सिंह, सतविंदर कौर, आशीष कुमार, चंद्र बहादुर सिंह, राजकुमार मेहता, जितेंद्र महतो, दिलीप कुमार गुप्ता, नरेश कुमार, राम कुमार भट्ट और कृष्ण कुमार सहित तकनीकी अधिकारियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही।

पूर्वी सिंहभूम सेंट्रल दुर्गा पूजा समिति के दुलाल भुइयां पुनः अध्यक्ष और ललन यादव बने महासचिव

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम सेंट्रल दुर्गा पूजा समिति की वार्षिक आम सभा साकची पुराना कोर्ट के बगल स्थित पर्यटन सूचना केंद्र के सभागार में समिति के अध्यक्ष सह झारखण्ड सरकार के पूर्व भू -राजस्व मंत्री दुलाल भुइयां की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

कार्यक्रम के आरंभ में आशीष गुप्ता ने अध्यक्ष एवं महासचिव पद के लिए पुनः दुलाल भुइयां एवं ललन यादव के नाम का प्रस्ताव सदस्यों के बीच रखा जिसे सभी सदस्यों ने समर्थन दिया । इसके बाद महासचिव ललन यादव ने पूरी समिति के विस्तार से संबंधित सदस्यों ओर पदाधिकारियों की सूची को पढ़कर समिति के विस्तार की घोषणा की । इस आम सभा में जमशेदपुर के दो अनुमंडलो और 11

प्रखंडो के कोने -कोने से आये 350 दुर्गा पूजा कमिटियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

आम सभा को संबोधित करते हुए दुलाल भुइयां ने कहा की पूर्वी सिंहभूम जिला में शहरी के साथ -साथ सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित होने वाले दुर्गा पूजा समारोहों को सफलतापूर्वक आयोजित करवाते हुए उनका शांतिपूर्ण ढंग से समापन ही समिति का मूल उद्देश्य है ' इस बार हमारा मुख्य फोकस लंबित अनुज्ञप्तियों को निर्गत करवाने में रहेगा।

11 सदस्यीय कोर कमिटी का भी गठन किया गया है जिसका काम रहेगा प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करके पूजा कमिटियों की समस्याओं का निराकरण करना 'बैठक को समिति के वरीय उपाध्यक्ष जिला परिषद् सदस्य खगेन चन्द्र महतो, बलदेव सिंह मेहरा ने भी संबोधित किया ' स्वागत भाषण वरीय उपाध्यक्ष अधिवक्ता विनीता मिश्रा ने कार्यक्रम का सञ्चालन संयुक्त सचिव डॉ० श्याम शर्मा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष बिरेन्द्र सिंह ने किया।

इस मौके पर सचिव हर्ष यादव,कोषाध्यक्ष,जीतेंद्र कुमार, कार्यालय सचिव कमल राम यादव, निमाई मंडल, मन्नू मंडल,कुञ्ज विभोर,देवदर्शिनी बोस,स्वेता प्रसाद , राजकुमार राय, पवन कुमार उपाध्याय , सुशांतो मल्लिक, राकेश साहू, तापस चटर्जी नंदकिशोर ठाकुर ,दामोदर शनि महाराज,रामबाबू यादव,रामस्वरूप यादव,भोला लोहार,अनिरुद्ध कुमार गिरी, सन्नी यादव, विशाल यादव,अभय कुमार सिंह,संतोष सिंह , प्रोफेसर मनोज किशोर, अंजली तिवारी सहित सभी पूजा कमिटियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

महापौर ने किया जिम का उद्घाटन

रांची(बिभा)। रांची के कोकर स्थित टुनकी टोली में रविवार को वोल्टेज यूनिसेक्स जिम का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रांची की महापौर रोशनी खलखो, भैरव सिंह, हिंदू जागरण मंच के प्रांत संयोजक विक्रम शर्मा उपस्थित थे। इस अवसर पर वार्ड पार्षद अर्जुन यादव और युवा मोर्चा के गुड्डू राय, महावीर लकड़ा सहित क्षेत्र के गणमान्य मौजूद थे। समारोह में स्थानीय लोग एवं युवा भी मौजूद थे। इस अवसर पर जिम के संचालक धीरज राय ने कहा कि वोल्टेज यूनिसेक्स जिम शुरू करने का हमारा उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं एवं आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। आज के व्यस्त जीवन में शारीरिक फिटनेस बेहद जरूरी है। हमारा प्रयास रहेगा कि सभी आयु वर्ग के लोगों को सुरक्षित, अनुशासित और सकारात्मक वातावरण में व्यायाम की सुविधा मिले।

कस्तूरबा विद्यालय बेड़ो में छज्जा टूटने से तीन छात्राएं घायल, बंधु तिर्की ने लिया जायजा

बिभा संवाददाता

बेड़ो। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, बेड़ो के छात्रावास में रविवार को बड़ा हादसा होते-होते टल गया। छात्रावास की खिड़की के बाहर लगे छज्जे पर चार छात्राएं खड़ी थीं। इसी दौरान अचानक छज्जा टूटकर नीचे गिर गया, जिससे तीन बालिकाएं घायल हो गईं। इनमें एक बालिका के हाथ में चोट आने से हाथ टूटने की बात बताई जा रही है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पूर्व मंत्री सह कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की कस्तूरबा विद्यालय पहुंचे और घटना का जायजा लिया। उन्होंने छात्राओं एवं विद्यालय प्रबंधन से घटना की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की जर्जर स्थिति को लेकर उन्होंने नाराजगी जताई तथा वार्डन एवं विद्यालय प्रबंधन को फटकार लगाते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की बात कही। बंधु तिर्की ने कहा कि घटना हुई है, लेकिन सौभाग्य से कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि विद्यालय भवन जर्जर अवस्था में है, जिस पर शिक्षा विभाग को गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। वार्डन एवं प्राचार्य को भी विद्यालय की स्थिति पर नजर रखनी चाहिए और किसी भी तरह की कमी या खतरे की जानकारी विभाग को लिखित रूप से देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय में और भी कई चीजें हैं, जिनकी जांच की जाएगी। उन्होंने विद्यालय परिसर में निर्माणाधीन भवन की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाया। बंधु तिर्की ने कहा कि निर्माण कार्य कई जगह टेढ़ा-मेढ़ा दिखाई दे रहा है और गुणवत्ता भी संतोषजनक नहीं है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता समेत अन्य सभी मामलों की जांच कराई जाएगी। वार्डन प्रभारी को भी विद्यालय की सुरक्षा एवं व्यवस्था पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है।

इसके बाद हाजी परवेज आलम ने कहा कि विद्यालय में हुई घटना काफी गंभीर है। छात्राओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। विद्यालय भवन की जर्जर स्थिति और निर्माणाधीन भवन की गुणवत्ता की जांच आवश्यक है। भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो, इसके लिए विद्यालय प्रबंधन एवं संबंधित विभाग को आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

मौके पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, हाजी परवेज आलम, सोमरा लोहरा, तौकीर आलम सहित विद्यालय के शिक्षकगण, वार्डन एवं छात्राएं मौजूद थीं।

गांव की प्रतिभाओं को मिल रहा खेल के जरिए आगे बढ़ने का अवसर

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। पोटका विधानसभा अंतर्गत मानपुर पंचायत के सावनाडीह में आदिवासी स्टील स्पोर्टिंग क्लब की ओर से आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट का भव्य आगाज हुआ। लगातार 33वें वर्ष आयोजित हो रहे इस टूनार्मेंट में कुल 32 टीमें हिस्सा ले रही हैं। उद्घाटन अवसर पर पोटका विधायक संजीव सरदार मुख्य रूप से शामिल हुए और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। विधायक संजीव सरदार ने मैदान में खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि खेल में जीत के साथ-साथ अनुशासन, मेहनत, समर्पण और खेल भावना का विशेष महत्व है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की

कोई कमी नहीं है। जरूरत है तो उन्हें सही मंच और लगातार अवसर देने की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी खिलाड़ियों के उत्थान और ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। सरकार की विभिन्न खेल योजनाओं और पहलों के माध्यम से गांवों के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, संसाधन और अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि गांव के मैदानों से ही भविष्य के बड़े खिलाड़ी निकल सकते हैं, इसलिए ऐसे स्थानीय टूनार्मेंट खेल प्रतिभाओं को पहचान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आदिवासी स्टील स्पोर्टिंग क्लब द्वारा आयोजित यह फुटबॉल टूनार्मेंट इस वर्ष 33वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। लगातार इतने वर्षों से प्रतियोगिता का आयोजन क्षेत्र में फुटबॉल के प्रति ग्रामीणों और युवाओं के जुनून को दशार्ता है। दो दिवसीय प्रतियोगिता में 32 टीमों की भागीदारी से खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। मौके पर माझी बाबा मतकमडीह राजेश मुर्मू, माझी बाबा सावनडीह मंगल मुर्मू, कालिकापुर पंचायत के मुखिया बागराय सोरेन, सालखान सोरेन, राजीव सोरेन, रोंजोई हेंब्रम, गुराई मुर्मू, मेगलाल मुर्मू, गगन मुर्मू, दिकू मुर्मू, संखो मुर्मू, सुखदेव मुर्मू, राजेश मुर्मू समेत सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण और खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

मानगो में एसआईआर कर्मी बनकर महिला को बंधक बनाकर लूटने का खुलासा, चार गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। मानगो थाना क्षेत्र के जवाहर नगर रोड नंबर 15 स्थित श्रीकृष्णा एलेक्स में एस आई आर कर्मी बनकर महिला के फ्लैट में घुसकर उसे बंधक बनाने और सोने के आभूषण लूटने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में राकेश बहादुर उर्फ राकू, अभिषेक कुमार दास, तबस्सुम खातून और समरेश पॉल उर्फ नान्टु पॉल शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर लूटे गए करीब 20 ग्राम सोने को भी बरामद किया है

रविवार को सीटी एसपी ललित मीणा ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि 31 अगस्त को महिला लावती अम्मा के फ्लैट में बदमाश रक्क्रकर्मी बनकर पहुंचे थे। फ्लैट में प्रवेश करने के बाद आरोपियों ने महिला को बंधक बना लिया और उसके शरीर पर पहने सोने के आभूषण लूट लिए। पीड़िता के आवेदन पर 2 सितंबर को मानगो थाना कांड संख्या 186/2026 दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक नगर की निगरानी तथा सहायक पुलिस अधीक्षक मुख्यालय-1 ऋषभ त्रिवेदी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और मानवीय सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने में सफलता मिली और चारों को गिरफ्तार कर लिया गया

पुलिस जांच में राकेश बहादुर उर्फ राकू का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ बागबेड़ा और जुगसलाई थानों में लूट, डकैती की तैयारी, अवैध हथियार और रंगदारी समेत कई मामले दर्ज हैं। समरेश पॉल उर्फ नान्टु पॉल के खिलाफ परसुडीह थाना में लूट का मामला दर्ज है, जबकि अभिषेक कुमार दास के खिलाफ सिदगोड़ा थाना में मामला दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है और लूट की साजिश में शामिल अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने नरकोपी में ग्रामीणों संग की बैठक

बिभा संवाददाता

बेड़ोः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री बंधु तिर्की रविवार को नरकोपी पहुंचे। यहां उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनका कुशलक्षेम जाना और क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में बंधु तिर्की ने ग्रामीणों से विशेष रूप से बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर सजग रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि नरकोपी में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी काफी सुधार की आवश्यकता है। इसके लिए ग्रामीणों को सामूहिक रूप से आगे आना होगा, क्योंकि इन दोनों क्षेत्रों की बेहतरी के बिना क्षेत्र का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए वे अपने स्तर से हरसंभव प्रयास करेंगे और समस्याओं को संबंधित मंच तक पहुंचाकर उनका समाधान कराएंगे।

इस दौरान ग्रामीणों की सर्वसम्मति से करम पूजा के उपरांत क्षेत्र में एक भव्य फुटबॉल टूनार्मेंट के आयोजन का निर्णय लिया गया। इसका उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना तथा आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में नरकोपी थाना प्रभारी शैलेन्द्र कुमार टंडु, समाजसेवी शमशुद्दीन अंसारी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, युवा और ग्रामीण उपस्थित थे।

शिक्षण संस्थान इमारत से नहीं, शिक्षक और छात्रों से बनते हैं : अजय कुमार सिंह

बिभा संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में रविवार को पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रेन एसोसिएशन (पासवा) की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शिक्षा, तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और रोजगार जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान करीब ढाई हजार शिक्षकों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षक सिर्फ छात्रों को पढ़ाते नहीं हैं, बल्कि उनके भविष्य और देश के अच्छे नागरिक के रूप में निर्माण करते हैं। कोई भी शिक्षण संस्थान केवल ईंट-पत्थर की इमारत से नहीं, बल्कि वहां के शिक्षक और छात्रों से बनता है। उन्होंने कहा कि गुरु-शिष्य की परंपरा सदियों पुरानी है। शिक्षकों का समाज को दिशा देने में हमेशा महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। गांवों में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन मुख्यमंत्री स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के जरिए बेहतर शिक्षा पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने एआई के इस्तेमाल पर जोर देते हुए कहा कि यह एक उपयोगी साधन है, लेकिन शिक्षक की जगह नहीं ले सकता। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी की समस्याओं को समझना जरूरी है।

पासवा के मुख्य संरक्षक पूर्व मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि शिक्षक कुम्हार की तरह होते हैं, जो छात्रों के भविष्य को आकार देते हैं। उन्होंने शिक्षकों की सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि पासवा अब शिक्षा के साथ छात्रों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए भी अभियान चलाएगा।

डीजी रेल अनिल पालटा ने अपने स्कूली दिनों को याद करते हुए कहा कि शिक्षकों की डांट-फटकार भी छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए होती है। उन्होंने युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज बड़ी संख्या में पढ़े-लिखे युवा नौकरी की तलाश में हैं। उन्होंने छात्रों से अपील की कि परीक्षा में कम अंक आने पर निराश न हों। सफलता के लिए कई नए क्षेत्र और अवसर मौजूद हैं।

पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने कहा कि प्रत्येक वर्ष शिक्षकों को सम्मानित कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता है और आने वाले समय में इस अभियान को और व्यापक बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों का सम्मान पूरे समाज का सम्मान है। निजी विद्यालयों के शिक्षक सीमित संसाधनों में भी बेहतर परिणाम देने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। उनके योगदान को उचित सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक संरक्षण मिलना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने गढ़वा की छात्राओं को पत्र लिखकर दिया आशीर्वाद

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रक्षा बंधन के अवसर पर गढ़वा स्थित आर. के. सी.एम. स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की छात्राओं सुश्री काजल कुमारी एवं सुश्री महालक्ष्मी केशरी द्वारा भेजी गई हस्तनिर्मित राखियों का उत्तर पत्र भेजकर दिया है।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र के माध्यम से छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया और लिखा कि रक्षा बंधन भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और स्नेह का पावन पर्व है। आपके द्वारा भेजी गई राखी प्राप्त हुई। आपका यह आत्मीय स्नेह एवं अपनापन पाकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई, इसके लिए हृदय से धन्यवाद। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप एवं आपका समस्त परिवार सदैव सुखी, स्वस्थ एवं प्रसन्न रहे।

मुख्यमंत्री का पत्र प्राप्त होने पर विद्यालय की प्राचार्या ने सोशल मीडिया पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा छात्राओं की राखियों का मान रखना और उन्हें प्रोत्साहन देना पूरे विद्यालय एवं गढ़वा जिले के लिए प्रेरणादायी है। यह संदेश छात्राओं को शिक्षा और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

संक्षिप्त खबरें

दिवंगत नेता सुदिव्य सोनू के शोकाकुल परिजनों से मिले आदित्य साहू, व्यक्त की गहरी संवेदना

रांची(बिभा): भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने गिरिडीह के विधायक और झारखंड सरकार में पूर्व मंत्री रहे दिवंगत सुदिव्य कुमार सोनू के गिरिडीह स्थित आवास पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश अध्यक्ष ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया तथा इस अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक समय में शोकाकुल परिजनों से भेंट कर ढांढस बंधाया और अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। शोक व्यक्त करते हुए आदित्य साहू ने कहा कि सुदिव्य सोनू का आकस्मिक निधन अत्यंत दुखद है और यह झारखंड की राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोक संतप्त परिवार को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

150 करोड़ के कथित ट्रेजरी घोटाले पर भाजपा हमलावर, बोली- बड़ी मछलियों को बचाया जा रहा

रांची(बिभा): झारखंड में सामने आए बहुचर्चित कोषागार घोटाले (ट्रेजरी स्कैम) को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने हेमंत सोरेन सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने कहा कि राज्य के हजारीबाग, बोकारो, रांची, देवघर सहित करीब एक दर्जन जिलों के कोषागारों से 150 करोड़ रुपये से अधिक की कथित वित्तीय अनियमितता सामने आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पूरे मामले को दबाने और जांच के नाम पर केवल खानापूर्ति करने में जुटी है। इस महाघोटाले को महज कुछ छोटे पुलिसकर्मियों तक सीमित रखकर 'बड़ी मछलियों' को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। श्री साह ने कहा कि ट्रेजरी निकासी में डीडीओ यानी जिले के एसपी की अहम भूमिका होती है, लेकिन अब तक संबंधित जिलों के किसी भी एसपी पर कार्रवाई न होना जांच को संदेह के घेरे में खड़ा करता है। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जवाबदेही लेने के बजाय मंत्री केंद्र पर ठीकरा फोड़ रहे हैं। भाजपा ने मांग की है कि एसआईटी और सीआईडी केवल निचले स्तर के कर्मियों तक सीमित न रहकर उच्चाधिकारियों की भूमिका की जांच करे और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करे।

राजेंद्र सिंह बने राँची जिला दुर्गा पूजा समिति के नए अध्यक्ष, मुनचुन राय मुख्य संरक्षक

राँची(बिभा): राजधानी राँची में आगामी शारदीय नवरात्र और दुर्गा पूजा को भव्य, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से राँची जिला दुर्गा पूजा समिति की नई केंद्रीय कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। सर्वसम्मति से राजेंद्र सिंह को समिति का नया अध्यक्ष चुना गया है, जबकि मुनचुन राय को मुख्य संरक्षक का दायित्व सौंपा गया है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने घोषणा की है कि इस वर्ष राँची में दुर्गा पूजा का आयोजन अत्यंत भव्य होगा तथा दर्शनार्थियों की सुरक्षा एवं बुनियादी सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। जारी सूची के अनुसार समिति के मुख्य संरक्षकों में मुनचुन राय के साथ हीरालाल साहू, अशोक पुरोहित, अशोक चौधरी और विक्की यादव शामिल किए गए हैं। उदय प्रताप सिंह मुन्ना और मनोज पांडेय को मुख्य सलाहकार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आलोक साहू, रमेश गुप्ता, राजेश ठाकुर, पंकज साहू, हेम सिंह, मनोज ठाकुर, उमेश कामदार, लल्लु सिंह, रवि रोहतगी एवं कुणाल अजमानी संरक्षक बनाए गए हैं, जबकि विश्वजीत बॉस, शैलेस्वर दयाल सिंह और अजय गुप्ता सह संरक्षक होंगे। आयोजन समिति के संयोजक का दायित्व राहुल अग्रवाल को सौंपा गया है। कार्यकारिणी में मनोज गुप्ता को कार्यकारी अध्यक्ष, जबकि रमेश गोप और राहुल शर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। राजकुमार महतो को सदस्यता प्रभारी तथा पवन मुरारका को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। संगठन संचालन के लिए कुंदन सिंह और अरविंद साह को महामंत्री चुना गया है। संगठन मंत्री के रूप में शैलेंद्र यादव एवं आशुतोष सिंह, प्रवक्ता के रूप में मंटू लाला एवं आशुतोष वर्मा, मीडिया प्रभारी के रूप में साजन सिन्हा एवं विवेक सिंह तथा सह मीडिया प्रभारी के रूप में नीरज यादव, रिषभ अग्रवाल व स्वतंत्र गुप्ता दायित्व निभाएंगे। इसके अलावा दीपक गुप्ता, प्रकाश साहू, राजू यादव, मनीष सिंह, मुनीलाल साहू सहित 33 पदाधिकारियों को उपाध्यक्ष तथा आदर्श सिंह, सोनू सरदार, प्रमोद श्रीवास्तव सहित 43 सदस्यों को मंत्री मनोनीत किया गया है। वहीं किशन गोयल, ज्योति शंकर साहू और सुजाता भैया को कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है। नई कार्यकारिणी ने संकल्प लिया कि वे प्रशासन से समन्वय स्थापित कर पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की सुविधा, ट्रैफिक व्यवस्था और विधि-व्यवस्था के संधारण में पूरा सहयोग करेंगे।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का अंतिम मौका 15 सितंबर तक, 18 वर्ष पूर्ण कर चुके युवा अवश्य भरें फॉर्म-6: के. रवि

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने राज्य के सभी पात्र भारतीय नागरिकों, विशेषकर युवाओं से अपील की है कि जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची के ड्राफ्ट में शामिल नहीं हुआ है, वे 15 सितंबर तक फॉर्म-6 एवं घोषणा पत्र भरकर अपना नाम अवश्य जुड़वाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दावा-आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 सितंबर निर्धारित की गई है। ऐसे सभी नागरिक जो अर्हता तिथि 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं, वे एउक्ठएळ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन या अपने बीएलओ (इछड) से संपर्क कर फॉर्म-6 अनिवार्य रूप से जमा करें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत तैयार मतदाता सूची को एक स्थायी दस्तावेज के रूप में संधारित किया जाता है। यदि पात्र युवा समय पर फॉर्म-6 भरकर नहीं देंगे, तो उनका नाम इस सूची में शामिल नहीं हो सकेगा। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार 2003 के एसआईआर दस्तावेजों की मैपिंग के आधार पर आज मतदाताओं और उनके परिजनों को कई अन्य दस्तावेजों में छूट मिल रही है, उसी प्रकार वर्तमान एसआईआर का लाभ आने वाले समय में नागरिकों और उनकी अगली पीढ़ी को मिलेगा। अतः भविष्य की सहूलियत के लिए समय रहते मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना बेहद जरूरी है।

के. रवि कुमार ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए-2) को निर्देशित करें कि वे क्षेत्र के नए व युवा मतदाताओं को फॉर्म भरने के लिए प्रेरित करें और एउक्ठएळ या बीएलओ के माध्यम से सहायता उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और अद्यतन मतदाता सूची के निर्माण में राजनीतिक दल प्रमुख हिस्सेदार हैं, इसलिए उनका सहयोग अपेक्षित है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा 13 सितंबर 2026 तक प्राप्त आवेदनों की बूथवार समीक्षा में यह बात सामने आई कि राज्य के कुल 31,892 मतदान केंद्रों में से 75 बूथ ऐसे हैं, जहां अब तक फॉर्म-6 का एक भी आवेदन नहीं आया है। शून्य आवेदन वाले इन 75 बूथों में अकेले रांची जिले के सर्वाधिक 62 मतदान केंद्र शामिल हैं, जिनमें कांके (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र के 52 बूथ हैं।

इसके अलावा राज्यभर के 5,591 मतदान केंद्रों पर मात्र 1 से 5 आवेदन ही प्राप्त हुए हैं। इनमें रांची के 904, हजारीबाग के 628, गिरिडीह के 515, देवघर के 455 और चतरा के 369 मतदान केंद्र शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार 8,618 केंद्रों पर 6 से 10, 11,329 केंद्रों पर 11 से 20, 4,076 केंद्रों पर 21 से 30 तथा 2,203 मतदान केंद्रों पर 30 से अधिक आवेदन जमा किए गए हैं। निर्वाचन विभाग ने कम आवेदन वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतते हुए शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया है।

दुर्गा पूजा को लेकर युवा दस्ता की नई कार्यकारिणी गठित, राजेश गुप्ता छोटू बने अध्यक्ष

बिभा संवाददाता

रांची। युवा दस्ता रांची की बैठक रविवार को श्री दुर्गा मंदिर, बड़ा तालाब परिसर में अध्यक्ष राजेश गुप्ता छोटू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में वर्ष 2026 की दुगार्पूजा को सफल बनाने की तैयारियों और आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। आयोजन की रूपरेखा तैयार करने की जिम्मेदारी मुख्य सलाहकार समिति को सौंपी गई।

बैठक में किशोर साहू, गोपाल पारीक, उपेंद्र रजक, महेश चंद्र लंकेश सिंह, प्रकाश चंद्र, मनीष साहू, अभय सिंह और संदीप रजक को मुख्य सलाहकार समिति में शामिल किया गया। समिति की उपस्थिति में युवा दस्ता की वर्ष 2026 की नई कार्यकारिणी का चुनाव सर्वसम्मति से कराया गया।

नई कार्यकारिणी में राजेश गुप्ता छोटू को अध्यक्ष, राहुल सिंहा चंकी को संरक्षक और पीयूष आनंद को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। साहिल कुमार, टिंकू महतो, करण नायक, राजू सिंह और राकेश सिंह को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। मंटू दुबे और राकेश सिंह महामंत्री बनाए गए। सत्येंद्र पासवान, विकास राज और अरविंद जायसवाल को मंत्री, जबकि रवि पटवा, अमित केशरी और राजेश राम को सचिव नियुक्त किया गया। नवनीत पाण्डेय को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में युवा दस्ता के संस्थापक राजीव रंजन मिश्रा ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों से दुगार्पूजा आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक में संगठन के कई सदस्य मौजूद रहे।

एफएसएसएआई का बड़ा एक्शन! 115 खाद्य उत्पादों की बिक्री पर रोक, रांची में जांच तेज

बिभा संवाददाता

रांची: भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के निर्देश के बाद झारखंड में 115 खाद्य उत्पादों के स्टॉक की जांच और उन्हें बाजार से वापस मंगाने (रिकॉल) की व्यापक कार्रवाई शुरू हो गई है। इसी क्रम में राजधानी रांची में भी खाद्य सुरक्षा विभाग पूरी तरह मुस्तैद हो गया है और विभिन्न प्रतिष्ठानों, थोक वितरकों एवं खुदरा खाद्य कारोबारियों के ठिकानों पर जांच अभियान तेज कर दिया गया है।

चिन्हित किए गए उत्पादों की सूची में कई बड़े और नामी ब्रांड्स शामिल हैं। इनमें प्रमुख रूप से पतंजलि दूध बिस्कुट, किंडर जॉय, सफोला टोटल हार्ट प्रो, रेड बुल, स्टिंग, मॉन्स्टर, गेटोरेड और अमूल शुगर-फ्री आइसक्रीम जैसे चर्चित उत्पाद शामिल हैं।

एफएसएसएआई ने इन उत्पादों में भ्रामक दावों , लेबलिंग में गड़बड़ी और तय खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघनों को लेकर गंभीर आपत्तियां दर्ज की हैं। नियामक प्राधिकरण के आदेशानुसार, सभी संबंधित कारोबारियों और वितरकों को इन चिन्हित उत्पादों के स्टॉक की बिक्री तत्काल प्रभाव से रोकने तथा उपलब्ध माल को बाजार से वापस लेने का स्पष्ट निर्देश दिया गया है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कोई भी कारोबारी चिन्हित उत्पादों की बिक्री करते या नियमों की अनदेखी करते पाया गया, तो उसके खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग की इस कार्रवाई के बाद से खाद्य कारोबारियों और खुदरा विक्रेताओं में हड़कंप का माहौल है।

मुण्डारी भाषा की संवैधानिक पहचान के लिए समाज एकजुट, 8वीं अनुसूची में शामिल कराने का लिया संकल्प

आदिवासी पहचान और संस्कृति की रीढ़ है मुण्डारी: अर्जुन मुंडा

बिभा संवाददाता

रांची: मुण्डारी भाषा को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने की मांग को लेकर रविवार, 13 सितंबर 2026 को मोराबादी स्थित पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुण्डा शोध संस्थान में मुण्डारी भाषा समन्वय समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस महामंथन में झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और असम से आए 200 से अधिक प्रतिनिधियों, भाषाविदों, शोधार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकताओं एवं विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य मुण्डारी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलाने हेतु देशव्यापी स्तर पर एक संगठित और प्रभावी आंदोलन की रूपरेखा तैयार करना रहा।

बैठक में विशेष रूप से उपस्थित झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने भाषा की संवैधानिक मान्यता को अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि मुण्डारी भाषा केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की अस्मिता, समृद्ध संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहर का प्रतीक है। इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए सभी राज्यों के मुण्डा समाज को एकजुट होकर आगे आना होगा।

बैठक में मुण्डारी साहित्य परिषद राँची, भारत मुण्डा समाज, मुण्डा विकास समिति, झारखंड मुण्डा समाज बुंडू, रुम्बुल राँची, जोरंग टाटा, मुण्डा सभा, मुण्डा होड़ो उत्थान मंच, सरना सोतोः संगोम समिति खूंटी, सरना सोतों समिति डाउगड़ा, अखिल भारतीय सरना समिति खूंटी, आदिम जाति सेवा मंडल तथा मुण्डारी भाषा छात्र संघ के प्रतिनिधि शामिल हुए। छत्तीसगढ़ से शंकर राम बारला व मुनेश्वर भंगेल, ओडिशा से दिगंबर सिंह व सुरजन सिंह मुण्डा, पश्चिम बंगाल से हिमांशु सिंह मुण्डा तथा असम से अपूर्वा तमड़िया व एतवा मुण्डा ने अपने-अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए जमीनी स्थिति से अवगत कराया।

सभा को पूर्व आईएएस बालकिशन मुण्डा, अनिल ओडेया, पूर्व कुलपति डॉ. सत्यनारायण मुण्डा, पूर्व उपनिदेशक सोमा मुण्डा, पूर्व आयकर आयुक्त एतवा मुण्डा, झारखंड सरकार के शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव कुँवर सिंह पाहन, एएमसीएस के सचिव नवोज्योति ओडेया, पूर्व प्रोफेसर मानसिद्ध बड़ायुद तथा रविंद्र नाथ मुण्डा सहित कई प्रमुख वक्ताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि मुण्डारी भाषा मुण्डा समाज के लोकज्ञान, दर्शन और सामाजिक पहचान का मूल आधार है। बैठक के अंत में इस ऐतिहासिक भाषा को आठवीं अनुसूची में दर्ज कराने के लिए राष्ट्रव्यापी जनजागरण अभियान और पुरजोर आंदोलन छेड़ने का सर्वसम्मत संकल्प लिया गया।

दुर्गा पूजा : रांची जिला प्रशासन ने जारी की सख्त गाइडलाइन, रात 10 से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर पर रोक; सुरक्षा और विद्युत मानकों का पालन अनिवार्य

बिभा संवाददाता

रांची: आगामी दुर्गा पूजा 2026 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने सभी पूजा समितियों और आयोजकों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विधि-व्यवस्था बनाए रखने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आयोजकों को इन नियमों का अक्षरशः पालन करना होगा। लापरवाही बरतने या नियमों का उल्लंघन करने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दिशा-निर्देशों के अनुसार, पूजा पंडाल और तोरण द्वारों का निर्माण रिहायशी मकानों, गैस गोदामों, रेलवे लाइन, ट्रांसफार्मर और हाई-टेंशन विद्युत तारों से सुरक्षित दूरी पर ही किया जाएगा। पंडाल निर्माण में किसी भी तरह के ज्वलनशील अथवा सिंथेटिक कपड़ों के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। समितियों को भवन निर्माण विभाग के संबंधित अभियंता से पंडाल की मजबूती का प्रमाण-पत्र तथा अग्निशमन विभाग से अग्नि सुरक्षा संबंधी अनापत्ति प्रमाण-पत्र (ठडउ) प्राप्त करना अनिवार्य होगा। पंडाल परिसर में पर्याप्त संख्या में अग्निशामक यंत्र, पानी एवं बालू से भरी बाल्टियां और प्राथमिक उपचार की मुकम्मल व्यवस्था रखनी होगी।

पंडालों और विद्युत सजावट के लिए झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) से लोड स्वीकृत कराकर वैध अस्थायी कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। तारों की वायरिंग सुरक्षित तरीके से अर्थिंग के साथ की जाएगी तथा विद्युत विभाग से सुरक्षा प्रमाण-पत्र लेना होगा। आपात स्थिति के लिए बैकअप जेनरेटर को पंडाल से सुरक्षित दूरी पर रखा जाएगा। साथ ही, माननीय उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के तहत जेबीवीएनएल रांची अंचल द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया (रडढ) का कड़ाई से पालन करना होगा। शोभायात्रा व विसर्जन के दौरान बसों या वाहनों की छत पर किसी व्यक्ति के बैठने या 4 मीटर (13 फीट) से अधिक ऊंचे झंडे/सामग्री लगाने पर पूर्ण पाबंदी रहेगी।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महिला एवं पुरुष दर्शनार्थियों हेतु अलग-अलग प्रवेश व निकास द्वार बनाए जाएंगे, जिनकी चौड़ाई पर्याप्त होनी चाहिए। महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष दर्शन व्यवस्था तथा आपातकालीन निकास द्वार अनिवार्य किया गया है। पूरे पंडाल, मेला परिसर और आवागमन मार्गों पर पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिनकी नियमित मॉनिटरिंग होगी। पंडाल के बाहर समिति के पदाधिकारियों, स्थानीय पुलिस और आपातकालीन सेवाओं के संपर्क नंबर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने होंगे।

सभी पूजा समितियों को अपने स्तर से प्रशिक्षित स्वयंसेवक तैनात करने होंगे, जिन्हें परिचय पत्र जारी कर उनकी सूची संबंधित थाना प्रभारी को सौंपनी होगी। ध्वनि प्रदूषण नियमों और अदालत के आदेशों के तहत रात 10:00 बजे से सुबह 06:00 बजे तक लाउडस्पीकर का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही अत्यधिक तेज आवाज वाले साउंड सिस्टम वर्जित रहेंगे।

मेला और फूड स्टॉल पंडालों से सुरक्षित दूरी पर सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से ही लगाए जाएंगे, ताकि मुख्य मार्गों पर आवागमन बाधित न हो। आयोजकों को रांची नगर निगम के कर्मियों के साथ मिलकर स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखनी होगी। विसर्जन केवल प्रशासन द्वारा पूर्व निर्धारित तिथि, समय, मार्ग और चिन्हित जलस्त्रोतों/घाटों पर ही किया जाएगा। प्रशासन ने विशेष चेतावनी दी है कि व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी भी तरह की भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट शेयर न की जाए; किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को दी जाए।

उर्दू लाइब्रेरी के पास फायरिंग, जांच में जुटी पुलिस

रांची। रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र स्थित उर्दू लाइब्रेरी के पास रविवार रात अपराधियों ने फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। गोलीबारी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। जांच के क्रम में फायरिंग मामले में पुलिस को अहम जानकारियां मिली है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह फायरिंग आपसी रंजिश को लेकर हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए रांची पुलिस ने आरोपितों की धरपकड़ के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी है। पुलिस ने फायरिंग करने वालों की पहचान कर ली है। फायरिंग करने वालों की पहचान अफाक और संजर के रूप में की गई है। फायरिंग मामले में तफ्तीश के दौरान कई अहम सुराग हाथ लगे हैं। जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों पक्षों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। इससे पहले भी दोनों पक्षों के लोगों ने डोरंडा थाने में एक-दूसरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस मामले के सभी पहलुओं और बिंदुओं को ध्यान में रखकर गहनता से जांच कर रही है।

हत्या कर जंगल में दफनाया गया था महिला का शव, खुदाई कर पुलिस ने निकाला बाहर

बिभा संवाददाता

बोकारो। सेक्टर-12 थाना क्षेत्र से चार सितंबर को लापता हुई महिला केशोवती देवी का शव रविवार को पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के मोहनडीह बलियाबाद जंगल से बरामद किया गया। महिला की हत्या कर शव को जंगल में दफनाए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर जमीन की खुदाई कर क्षत-विक्षत शव को बाहर निकाला। मौके पर रांची से पहुंची एफएसएल की टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य और नमूने एकत्र किए।

जानकारी के अनुसार, डांगरा भट्ठा टोला निवासी 42 वर्षीय केशोवती देवी चार सितंबर को मजदूरी करने के लिए घर से निकली थी। देर शाम तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की। कोई सुराग नहीं मिलने पर उसके पुत्र ढुल्लू शर्मा ने सेक्टर-12 थाना में महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने जांच के दौरान महिला के साथ काम करने वाले दो मजदूरों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में मोहनडीह निवासी मुस्तकीम अंसारी ने हत्या की बात स्वीकार करते हुए शव को जंगल में दफनाने की जानकारी दी। उसकी निशानदेही पर पुलिस टीम मोहनडीह बलियाबाद जंगल पहुंची और जमीन की खुदाई कर शव बरामद किया।

सिटी डीएसपी राजीव रंजन के अनुसार, आरोपी ने पुलिस को बताया कि चार सितंबर को ही महिला की गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद शव को जंगल में छिपा दिया गया। सात सितंबर को आरोपी ने जमीन की खुदाई कर शव को दफना दिया। इस दौरान जंगली जानवरों द्वारा शव को नोंचे जाने के कारण वह क्षत-विक्षत अवस्था में मिला।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल पर पहुंची एफएसएल टीम ने भी वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

वहीं, मृतका के पुत्र ढुल्लू शर्मा ने बताया कि मां के घर नहीं लौटने पर उन्होंने थाने में गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराई थी। रविवार को पुलिस ने जंगल से उनकी मां का शव बरामद किया।

गेटबॉल के विकास में आईजीयू का अहम योगदान, अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का बढ़ाया मान

बिभा संवाददाता

बोकारो। सेक्टर-6 स्थित डीएवी स्कूल के विपरीत मैदान में रविवार को इंडियन गेटबॉल यूनियन (आईजीयू) की ओर से गेटबॉल खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान गेटबॉल के विकास, खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने तथा खेल को देशभर में लोकप्रिय बनाने पर चर्चा की गई।

इंडियन गेटबॉल यूनियन वर्ष 2009 से देश में गेटबॉल खेल के प्रचार-प्रसार और विकास के लिए लगातार कार्य कर रहा है। संगठन की स्थापना वर्ष 2009 में एक ट्रस्ट के रूप में हुई थी। इसमें श्री संजय पट्टनायक को मैनेजिंग ट्रस्टी तथा श्री गुरुप्रसाद त्रिपाठी को ट्रस्टी बनाया गया था।

स्थापना के बाद से आईजीयू ने देश के विभिन्न हिस्सों में राष्ट्रीय स्तर की गेटबॉल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया है। साथ ही भारतीय खिलाड़ियों ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय गेटबॉल चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। खिलाड़ियों के प्रदर्शन और संगठन के प्रयासों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गेटबॉल में भारत की पहचान मजबूत हुई है।

आईजीयू की प्रमुख उपलब्धियों में वर्ष 2010 में ऑस्ट्रेलिया में क्लासिक इवेंट में तीसरा स्थान, इंडोनेशिया में क्लासिक इवेंट में चैंपियन तथा ताइवान में 120 टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना शामिल है। वर्ष 2012 में थाईलैंड में भारत ने क्लासिक इवेंट का खिताब अपने नाम किया। वहीं वर्ष 2014 में जापान में आयोजित विश्व कप में आईजीयू ने भारत का प्रतिनिधित्व किया।

वर्ष 2018 में ताइवान में ट्रिपल्स इवेंट में भारत चैंपियन रहा। वर्ष 2019 में थाईलैंड में डबल्स इवेंट में भारत ने रनर-अप का स्थान हासिल किया। वर्ष 2023 में थाईलैंड में डबल्स इवेंट और मकाऊ में क्लासिक इवेंट में भारत चैंपियन बना, जबकि हांगकांग में क्लासिक इवेंट में भारत रनर-अप रहा। वर्ष 2024 में इंडोनेशिया में क्लासिक इवेंट में भारत ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं थाईलैंड में डबल्स और ट्रिपल्स इवेंट में भारतीय टीम तीसरे स्थान पर रही। वर्ष 2025 में थाईलैंड में ट्रिपल्स इवेंट में भारत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में पंकज तिवारी, प्रवीण एवं प्रकाश की सक्रिय सहभागिता रही। आयोजन संरक्षक चंदन कुमार सिंह के तत्वावधान में किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने गेटबॉल के विकास और खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर मंच उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास करने की बात कही।

संक्षिप्त खबरें

भीम आर्मी, बोकारो महानगर के नेतृत्व में संवैधानिक अधिकार जनहुंकार – महाआक्रोश यात्रा का आयोजन

बोकारो(बिभा): भीम आर्मी, बोकारो महानगर के अध्यक्ष अजय कुमार के नेतृत्व में रविवार को एक विशाल संवैधानिक अधिकार जनहुंकार – महाआक्रोश यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिराव फुले मैदान, सेक्टर 2 सी से प्रारंभ होकर बिरसा मुंडा चौक, नया मोड़ तक निकाली गई। इस यात्रा में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर भीम आर्मी, बोकारो महानगर के अध्यक्ष अजय कुमार ने कहा कि भारत की वर्तमान भाजपा सरकार एवं उसके सहयोगी संगठन लगातार संविधान और संवैधानिक अधिकारों पर पीछे के दरवाजे से कुठाराघात करने का प्रयास कर रही है। एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने की बात की जा रही है, जिस प्रकार ओबीसी आरक्षण में क्रीमी लेयर का प्रावधान लागू है। इन्हें संविधान का तनिक भी जानकारी नहीं है जिसमें आरक्षण का आधार स्पष्ट रूप से सामाजिक एवं शैक्षणिक पिछड़ापन रखा गया है। उन्होंने कहा, ह्लमैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूँ कि जो लोग, जो तथाकथित संगठन आरक्षण का विरोध कर रहे हैं।

बरमसिया और बनगड़िया ओपी का एएसपी ने किया निरीक्षण

बोकारो(बिभा)। सहायक पुलिस अधीक्षक वेदांत शंकर, चास-बोकारो ने निर्धारित कार्ययोजना के तहत बरमसिया ओपी एवं बनगड़िया ओपी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दोनों ओपी में संचालित पुलिस कार्यों की समीक्षा की और उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में ओपी में संधारित विभिन्न अभिलेखों एवं पंजियों का अवलोकन किया गया। लंबित अभिलेखों और पंजियों का संधारण शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा ओपी परिसर में रख-रखाव एवं साफ-सफाई का भी जायजा लिया गया तथा परिसर में स्वच्छता और बेहतर व्यवस्था बनाए रखने को कहा गया। एएसपी ने ओपी में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और कार्य संबंधी कठिनाइयों की जानकारी ली। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को आम जनता के साथ शिष्ट, विनम्र एवं सम्मानजनक व्यवहार करने तथा अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा, तत्परता और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने का निर्देश दिया। उन्होंने आम लोगों की शिकायतों एवं समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ त्वरित निराकरण करने तथा क्षेत्र में विधि-व्यवस्था बनाए रखने के साथ प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

सेल कर्मचारियों के 45 से अधिक मुद्दे लंबित, पांच से ज्यादा मामले कोर्ट में

बोकारो(बिभा): स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों के लंबे समय से लंबित रहने को लेकर बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) ने सेल प्रबंधन के मानव संसाधन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। यूनियन का आरोप है कि कर्मचारियों से संबंधित 45 से अधिक मामले सेल प्रबंधन के स्तर पर वर्षों से लंबित पड़े हैं, जबकि वेज रिवीजन-2017 में धांधली, बोनस फॉमूर्ला, एनजेसीएस में सुधार और बोकारो इस्पात संयंत्र में यूनियन चुनाव जैसे पांच बड़े मुद्दों को लेकर मामला न्यायालय में चल रहा है। इस गतिरोध को दूर करने के लिए बीएकेएस ने प्रधानमंत्री, केंद्रीय इस्पात मंत्री, इस्पात राज्य मंत्री, इस्पात सचिव, डीपीई सचिव, श्रम सचिव, मुख्य श्रम आयुक्त (केंद्रीय), सेल चेयरमैन और निदेशक (कार्मिक) को एक साथ संयुक्त पत्र भेजकर त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। यूनियन ने नए श्रम कानून-2026 को लागू करने, वाताकारी संघ के गठन, 2007 के इंसेंटिव फॉमूर्ले में संशोधन, स्टैगनेशन इंक्रीमेंट और आगामी वेज रिवीजन-2027 में ई-0 ग्रेड के पे-स्केल में वृद्धि की मांग रखी है। इसके अलावा आवास व वाहन ऋण, लैपटॉप व मोबाइल एडवांस, बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता, लीव बैंक की स्थापना, कार्यस्थल सुरक्षा, दुर्घटना मृत्यु अनुग्रह राशि में वृद्धि और एनपीएस में 9 प्रतिशत पेंशन अंशदान जैसे वित्तीय व नीतिगत मुद्दों के शीघ्र समाधान की अपील की गई है। बीएकेएस के महासचिव हरिओम कुमार ने सेल प्रबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि कंपनी ह्यमुद्दे अटकाने वाली व्यवस्थाह्न बनकर रह गई है। उन्होंने कहा कि ह्यग्रेट प्लेस टू वर्कह्न और ह्यग्रेट एम्प्लॉयरह्न का तमगा मिलने के बाद भी धरातल पर कर्मचारियों की जायज मांगें वर्षों से अनसुनी हैं। यूनियन ने केंद्र सरकार और सेल के शीर्ष अधिकारियों से मांग की है कि प्रबंधन को सभी लंबित समस्याओं के जल्द निपटारे के सख्त निर्देश दिए जाएं।

जैनामोड़-फुसरो सड़क के चौड़ीकरण कार्य का भूमि पूजन

15.90 किमी सड़क पर खर्च होंगे करीब 100 करोड़, एक साल में पूरा होगा काम

बिभा संवाददाता

जैनामोड़ (बोकारो)। जैनामोड़ चौक के समीप रविवार को जैनामोड़-फुसरो मुख्य मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का भूमि पूजन किया गया। बेरमो विधायक जयमंगल सिंह ने विधिवत पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। करीब 15.90 किलोमीटर लंबी इस सड़क के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण पर लगभग 100 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

इस अवसर पर विधायक जयमंगल सिंह ने कहा कि बेहतर सड़क, बेहतर सफर और बेहतर भविष्य के संकल्प के साथ क्षेत्र में विकास कार्य किए जा रहे हैं। वर्तमान में जैनामोड़-फुसरो सड़क की चौड़ाई करीब सात मीटर है, जिसे बढ़ाकर 10 मीटर किया जाएगा। इसके अलावा सड़क के दोनों किनारों पर भी आवश्यकतानुसार चौड़ीकरण का कार्य किया जाएगा।

विधायक ने कहा कि सड़क के सुदृढ़ीकरण और चौड़ीकरण से राहगीरों, वाहन चालकों तथा आसपास के ग्रामीणों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। सड़क की बेहतर कनेक्टिविटी से फुसरो समेत आसपास के क्षेत्रों की व्यापारिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि जैनामोड़ और बेरमो क्षेत्र की जनता लंबे समय से इस महत्वपूर्ण सड़क की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण का इंतजार कर रही थी। सड़क का निर्माण पूरा होने के बाद बोकारो सहित अन्य क्षेत्रों में आवागमन आसान होगा और लोगों के समय की भी बचत होगी।

विधायक ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के करीब आठ महीने बाद निर्माण कार्य शुरू हो सका है। अब संबंधित एजेंसी को एक वर्ष के भीतर सड़क निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है।

उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है। सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्थानीय लोगों से भी निर्माण कार्य में किसी तरह की गड़बड़ी मिलने पर इसकी सूचना देने की अपील की। शिकायत मिलने पर स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई और कमी को दूर कराने का प्रयास किया जाएगा।

चीरा चास में एक ही रात तीन बंद घरों को बनाया निशाना

बोकारो। चीरा चास थाना क्षेत्र के के. सिंह कॉलोनी, नवीन को-ऑपरेटिव में चोरों ने एक ही रात तीन बंद आवासों को निशाना बनाकर इलाके में दहशत पैदा कर दी। चोरों ने तीनों घरों के ताले तोड़कर चोरी का प्रयास किया, जिसमें एक आवास में चोरी करने में सफल रहे। यहां से हजारों रुपये के सामान चोरी होने की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार अवधेश कुमार, शंकर प्रसाद और उमेश कुमार अपने-अपने घरों को बंद कर बाहर गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने मौका पाकर घरों के ताले तोड़ने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि एक आवास से चोर हजारों रुपये के सामान ले जाने में सफल रहे, जबकि अन्य दो घरों में चोरी का प्रयास किया गया। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में करीब छह संदिग्धों के नजर आने की बात कही जा रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके में लोगों के बीच चिंता बढ़ गई है और सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। इधर, घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने और घटना में शामिल आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

साजफ संयुक्त फोरम की 20 सितंबर के हुंकार महारैली में शामिल होगा एससी - एसटी फेडरेशन : शम्भु कुमार

बिभा संवाददाता

बोकारो। सेल एससी - एसटी इम्प्लाइज फेडरेशन, बोकारो यूनिट की बैठक शम्भु कुमार बोकारो यूनिट अध्यक्ष -सह- केन्द्रीय कमिटी सदस्य, के अध्यक्षता और करतार सामंत केन्द्रीय कमिटी उपाध्यक्ष संचालन में नगर सेवा भवन के समीप अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर आयोजित की गयी जिसमे 20 सितंबर को साजफ संयुक्त फोरम द्वारा आहूत एससी झ एसटी, अन्य पिछड़ा वर्ग और माइनोरिटी को नौकरी में मिली आरक्षण एवं यूजीसी विनियम के समर्थन में निकाले जाने वाली हुंकार महारैली में शामिल होने पर चर्चा किया गया। शम्भु कुमार ने कहा कि साजफ संयुक्त फोरम ने फेडरेशन से हुंकार रैली में शामिल होने का अनुरोध किया है और चूँकि भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक समुदायों के हितों की रक्षा के लिए आरक्षण और यूजीसी विनियम जरूरी है और आज इस पर कुछ लोगो द्वारा सवाल उठाया जा रहा है इसलिए समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर आवाज उठाना जरूरी है। बैठक में फेडरेशन के उपस्थित पदाधिकारियों ने एक स्वर से हुंकार महारैली में शामिल होने पर सहमति दी।

इस अवसर पर मुख्य रूप से राकेश कुमार कार्यकारी अध्यक्ष, देवेश टुडू महासचिव, महेंद्र राम कोषाध्यक्ष, सच्चू रजवार उपकोषाध्यक्ष, आनंद रजक उपाध्यक्ष, लिलु सोरेन ललित उरॉव संयुक्त महासचिव, दिलीप कुमार, विजय राम सचिव, प्रदीप मरांडी, गोपाल मांझी, अशोक कुमार लाकड़ा, झरी रविदास, अजय दास, हरेन्द्र नाथ बाउरी आदि मौजूद रहे ।

एसईआरडब्लूडब्लूओ की निबंध प्रतियोगिता में 35 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

बिभा संवाददाता

बोकारो। दक्षिण-पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन (एसईआरडब्लूडब्लूओ), आद्रा मंडल की ओर से रविवार, 13 सितंबर 2026 को बच्चों के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता आद्रा मंडल के विभिन्न स्थानों, जिनमें बोकारो, मुरी, टाटानगर, पुरुलिया, आद्रा, बाँकुड़ा और कोटशिला शामिल हैं, में आयोजित हुई।

दक्षिण-पूर्व रेलवे संस्थान, बोकारो स्टील सिटी में आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के कुल 35 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें समूह-1 (6 से 9 वर्ष) में 16, समूह-2 (10 से 12 वर्ष) में 11 तथा समूह-3(13 से 15 वर्ष) में 8 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

प्रतियोगिता में बच्चों के लिए आयु वर्ग के अनुसार अलग-अलग विषय निर्धारित किए गए थे। समूह-क के लिए स्वस्थ भोजन/पौष्टिक आहार तथा मेरे कक्षा अध्यापक/मेरी कक्षा अध्यापिका, समूह-क्क के लिए मनोरंजन गतिविधियों का महत्व तथा संयुक्त परिवार या एकल परिवार विषय रखे गए। वहीं समूह-3 के विद्यार्थियों के लिए देश में बढ़ती जनसंख्या–वरदान या अभिशाप? तथा पीढ़ी जी विषय निर्धारित किए गए।

इस अवसर पर एसईआरडब्लूडब्लूओ आद्रा की अध्यक्षा रीतु अंजु गुप्ता समेत संगठन की अन्य सदस्य उपस्थित रहीं। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में दक्षिण-पूर्व रेलवे संस्थान, बोकारो स्टील सिटी के सचिव सुब्रत साहा, सहायक सचिव संजय मुखर्जी, समन्वयक असीत बनर्जी तथा निरीक्षक अभिषेक आनंद की सक्रिय सहभागिता रही। सभी ने प्रतियोगिता के दौरान बच्चों का मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन किया तथा आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

छऊ नृत्य एवं छऊ मुखौटा निर्माण से संबंधित आकलन-समीक्षा बैठक का प्रथम दिन सफलतापूर्वक संपन्न

बिभा संवाददाता

चंदनकियारी (बोकारो): छऊ नृत्य एवं छऊ मुखौटा निर्माण से संबंधित प्रशिक्षण केंद्रों के प्रशिक्षुओं के आकलन एवं समीक्षा हेतु आयोजित दो दिवसीय समीक्षा बैठक का प्रथम दिन शुक्रवार को छऊ केंद्र, चंदनकियारी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह समीक्षा बैठक 11 एवं 12 सितंबर 2026 को आयोजित की जा रही है, जिसमें कुल 14 प्रशिक्षण केंद्रों से जुड़े गुरुजन एवं प्रशिक्षु सहभागिता कर रहे हैं। समीक्षा बैठक के प्रथम दिन 7 गुरुजन अपने-अपने दल के साथ छऊ केंद्र, चंदनकियारी में उपस्थित हुए। इनमें ओडिशा के मयूरभंज से 5 दल तथा सरायकेला से 2 दल शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित प्रशिक्षण केंद्रों से जुड़े प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन करना तथा उन्हें छऊ नृत्य एवं छऊ मुखौटा निर्माण की समृद्ध कला परंपरा के प्रति और अधिक प्रोत्साहित करना रहा।

इस अवसर पर संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित छऊ एक्सपोनेंट सदाशिव प्रधान, नृपेन सहिस, संगीत नाटक अकादमी के पदाधिकारी दीपक जोशी, छऊ एडवाइजरी कमेटी के सदस्य सह केंद्र के समन्वयक डॉ. संजय कुमार चौधरी, छऊ एडवाइजरी कमेटी के सदस्य तपन पटनायक एवं हराधन महतो ने प्रशिक्षुओं द्वारा प्रस्तुत छऊ नृत्य तथा छऊ मुखौटा निर्माण से संबंधित कला-कौशल का अवलोकन, मूल्यांकन एवं सराहना की।

विशेषज्ञों ने प्रशिक्षुओं के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें छऊ कला की परंपरा, अनुशासन एवं मौलिकता को बनाए रखते हुए निरंतर अभ्यास एवं सृजनात्मक कार्य के लिए प्रेरित किया। डॉ. संजय कुमार चौधरी जी के निर्देशन में समीक्षा बैठक का प्रथम दिन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में केंद्र के दिलीप कुमार जेना, विजय कुमार, आशुतोष कुमार सहित अन्य गणमान्य कला-प्रेमियों एवं सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।समीक्षा बैठक का दूसरा दिन 12 सितंबर 2026 को आयोजित किया जाएगा।

म्यांमार के बौद्ध मंदिर की तर्ज पर सजेगा भव्य पंडाल

बिभा संवाददाता

बोकारो। सेक्टर-4 मजदूर मैदान में शिव गणेश मंडली कमेटी की ओर से गणेश उत्सव के अवसर पर म्यांमार के प्रसिद्ध बौद्ध मंदिर की तर्ज पर भव्य पंडाल का निर्माण कराया गया है। यहां 14 से 24 सितंबर तक दस दिवसीय मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले को लेकर कमेटी की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

आयोजन को लेकर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। पूरे मेला परिसर में 24 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जबकि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अग्निशमन की भी समुचित व्यवस्था की गई है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पुरुष वालंटियर के साथ इस बार महिला वालंटियरों की भी तैनाती की जाएगी।

कमेटी के अनुसार, मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए दसों दिन महाभोग प्रसाद का निशुल्क वितरण किया जाएगा। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे परिवार के साथ मेले में पहुंचकर भगवान गणेश का दर्शन करें और निशुल्क महाभोग प्रसाद ग्रहण करें।

मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। इसके अलावा करीब 70 स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें खाने-पीने के सामान के लिए अलग से स्टॉल की व्यवस्था रहेगी। आयोजन को लेकर आसपास के लोगों में भी उत्साह देखा जा रहा है।

मौके पर कमेटी के अध्यक्ष राकेश प्रसाद के अलावा गौरव राय, अजय सिंह, एमि मिश्रा, आलोक कुमार, डीएन यादव, बंटी झा, अश्विनी कुमार, मनीष कुमार, बलवंत कुमार, शंकर कुमार, श्रीनु कुमार, अनिल कुमार वर्मा सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

मनुष्य के जीवन मे जिज्ञासा ही ज्ञान का प्रथम द्वारः दिनेश भारद्वाज

बिभा संवाददाता

रांची : सराफ परिवार के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन भवन, रांची में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत गीता कथा अमृत महोत्सव के द्वितीय दिवस का आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में हुआ। जगन्नाथ धाम के सुप्रसिद्ध कथावाचक एवं व्यास महाराज श्री दिनेश जी भारद्वाज ने व्यास पीठ से श्रीमद्भागवत कथा के विभिन्न महत्वपूर्ण प्रसंगों का अत्यंत भावपूर्ण एवं विस्तृत वर्णन।कथा का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। कथावाचक श्री दिनेश जी भारद्वाज ने भगवान श्रीहरि का स्मरण करते हुए श्रीमद्भागवत के माहात्म्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने शुकदेव जी के जन्म एवं पूजन का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि शुकदेव जी जन्म से ही वैराग्य एवं ज्ञान के स्वरूप थे। उनका जीवन संसार में रहते हुए भी परमात्मा के प्रति पूर्ण समर्पण और आत्मज्ञान का संदेश देता है। इस प्रसंग का कथा स्थल पर सजीव चित्रण किया गया, जिससे श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इसके बाद राजा परीक्षित के जन्म का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। कथा व्यास ने बताया कि परीक्षित भगवान श्रीकृष्ण के अनन्य भक्त थे और उनका जन्म स्वयं भगवान की कृपा से सुरक्षित हुआ। महाभारत युद्ध के पश्चात जब अभिमन्यु-पुत्र परीक्षित के जीवन पर संकट आया, तब भगवान श्रीकृष्ण ने उनकी रक्षा कर धर्म की परंपरा को आगे बढ़ाया। परीक्षित का चरित्र हमें विपरीत परिस्थितियों में भी भगवान पर विश्वास बनाए रखने की प्रेरणा देता है। कथा में आगे राजा परीक्षित द्वारा जीवन, मृत्यु, धर्म और परमात्मा से संबंधित किए गए जिज्ञासापूर्ण प्रश्नों का वर्णन किया गया। इन प्रश्नों के उत्तर देने के लिए शुकदेव जी का आगमन हुआ और यहीं से श्रीमद्भागवत कथा के दिव्य ज्ञान की धारा प्रवाहित हुई। कथावाचक ने कहा कि मनुष्य के जीवन में जिज्ञासा ही ज्ञान का प्रथम द्वार है और जब जिज्ञासा भगवान की ओर मुड़ती है, तब जीवन का वास्तविक उद्देश्य समझ में आता है।कथा के दौरान प्रस्तुत सुमधुर भजनों से पूरा कथा स्थल भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु भक्ति में झूमते और भगवान के जयकारे लगाते नजर आए। कथा स्थल को आकर्षक पुष्पों से भव्य रूप से सजाया गया था। अंत में श्रद्धालुओं ने सामूहिक आरती में भाग लिया तथा प्रसाद का वितरण किया गया। मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि कथा के तृतीय दिवस सृष्टि का विस्तार, कपिल व्याख्यान, सती-शिव चरित्र एवं ध्रुव जी के चरित्र से जुड़े प्रेरणादायी प्रसंगों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया जाएगा। इस अवसर पर दयानंद सर्राफ, सीताराम सर्राफ, श्रीगोपाल सर्राफ, ओम सर्राफ, गिरधारी सर्राफ, पवन सर्राफ, भगवान सर्राफ, रामस्वरूप सर्राफ, प्रदीप सर्राफ, निर्मल काबरा, निर्मल मानपुरिया, अनुप सर्राफ, विनोद महलका, मनोज चौधरी, सज्जन पाड़िया, सरवन सिंघानिया, आनंद अग्रवाल, गौरीशंकर अग्रवाल, रविकांत सुल्तानिया, संजय सर्राफ, दिलीप सर्राफ, विजय सर्राफ, संदीप सर्राफ, मोनू सर्राफ, विक्रांत सर्राफ, विकास अग्रवाल, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

हरतालिका तीज को लेकर महिलाओं में उत्साह, हाथों में रचाई मेहंदी

बिभा संवाददाता

हजारीबागः हरतालिका तीज को लेकर सुहागिन महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। कल 14 सितंबर को मनाए जाने वाले इस पावन पर्व को लेकर महिलाएं पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ तैयारियों में जुटी हुई हैं। तीज के मौके पर महिलाओं ने अपने हाथों में आकर्षक मेहंदी रचाई और एक-दूसरे के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं।

मेहंदी लगवाने के लिए महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। हाथों पर तरह-तरह के सुंदर और आकर्षक डिजाइन बनाए गए। वहीं, महिलाएं तीज के लिए सोलह श्रृंगार की सामग्री, पूजा-पाठ का सामान और अन्य जरूरी वस्तुओं की खरीदारी भी कर रही हैं। बाजारों में भी तीज को लेकर चहल-पहल बढ़ गई है।

इस मौके पर नीतू शर्मा ने कहा कि हरतालिका तीज का महिलाओं को साल भर इंतजार रहता है। यह पर्व सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। महिलाएं पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना को लेकर श्रद्धा एवं भक्ति के साथ भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना करती हैं। मेहंदी और सोलह श्रृंगार इस पर्व की खुशी को और बढ़ा देते हैं। तीज को लेकर महिलाओं में उत्साह, उमंग और भक्ति का माहौल बना हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

Elasko टू-व्हीलर्स के शोरूम का भव्य शुभारंभ, इलेक्ट्रिक स्कूटी की खासियत बनी आकर्षण का केंद्र

हजारीबाग(बिभा) : शहर में इलेक्ट्रिक वाहन के क्षेत्र में एक नई शुरूआत करते हुए Elasko MXc-व्हीलर्स एम एच मीटर्स के शोरूम का भव्य शुभारंभ किया गया। शुभारंभ के अवसर पर बड़ी संख्या में लोग एवं वाहन प्रेमी मौजूद रहे। शोरूम में आधुनिक सुविधाओं से लैस इलेक्ट्रिक स्कूटी को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। Elasko की इलेक्ट्रिक स्कूटी को खास तौर पर बेहतर बैटरी बैकअप, आकर्षक डिजाइन और सुविधाजनक संचालन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। कंपनी की ओर से ग्राहकों को बेहतर रेंज उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया है, जिससे रोजमर्रा के आवागमन के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटी एक सुविधाजनक विकल्प बन सके। पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के बीच इलेक्ट्रिक स्कूटी लोगों के लिए किफायती और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प साबित हो सकती है। कम रखरखाव और आसान संचालन के कारण इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की मांग लगातार बढ़ रही है। शोरूम के शुभारंभ के अवसर पर ग्राहकों के लिए उपहार स्वरूप हेलमेट भी दिया जा रहा है। एम एच मीटर्स के संचालक मो . हसनैन ने कहा कि हेलमेट वितरण का उद्देश्य ग्राहकों को वाहन के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के प्रति भी जागरूक करना है। शुभारंभ के मौके पर उपस्थित लोगों ने Elasko इलेक्ट्रिक स्कूटी के फीचर्स की जानकारी ली और विभिन्न मॉडलों को करीब से देखा। शोरूम में ग्राहकों को इलेक्ट्रिक स्कूटी की बैटरी, बैकअप, चार्जिंग एवं अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। Elasko टू-व्हीलर्स के इस नए शोरूम के खुलने से शहरवासियों को इलेक्ट्रिक स्कूटी की खरीदारी के लिए एक नया विकल्प उपलब्ध हुआ है। उद्घाटन समारोह में : मोहम्मद हसनैन ,मुस्कान मनीषा टोप्पो, रजी अहमद, परवेज आलम, अनवर उल हक, अशफाक आलम, इरशाद और असफर समेत कई लोग शामिल हुए।

रोट तीज पर जैन धर्मावलंबियों ने की विशेष पूजा-अर्चना, मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हजारीबाग (बिभा): जैन धर्मावलंबियों ने रविवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ रोट तीज का पर्व मनाया। इस अवसर पर जैन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की गई। सुबह से ही श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और विधि-विधान के साथ भगवान का पूजन कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की मंगलकामना की।रोट तीज को लेकर जैन समाज के घरों में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाओं एवं परिवार के सदस्यों ने घरों में पारंपरिक रूप से विशेष पकवान तैयार किए। पूजा-अर्चना के बाद भगवान को भोग अर्पित कर प्रसाद का वितरण किया गया। पर्व को लेकर जैन समाज के लोगों ने धार्मिक परंपराओं एवं मान्यताओं का पालन करते हुए दिन बिताया। मंदिरों में भक्ति और धार्मिक वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की।रोट तीज के अवसर पर समाज के लोगों ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। बच्चों और युवाओं में भी पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। पूरे दिन जैन समाज के बीच धार्मिक उल्लास का माहौल बना रहा।

पूर्व विधायक निर्भय शाहाबादी की दिवंगत पत्नी को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने दी श्रद्धांजलि

गिरिडीह(बिभा): भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने गिरिडीह के पूर्व विधायक निर्भय कुमार शाहाबादी के आवास पहुंचकर उनकी दिवंगत धर्मपत्नी स्वर्गीय प्रभा शाहाबादी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दुःखद घड़ी में प्रदेश अध्यक्ष ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक-संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने का संबल और शक्ति प्रदान करें।

सेवा ही भारत को पुनः 'विश्व गुरु' के शिखर पर स्थापित करेगीः राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा

बिभा संवाददाता

रांचीः सेवा भारती की लोकप्रिय पत्रिका 'सेवा सुरभि' के 27वें वार्षिक विशेषांक विश्व गुरु भारत का रविवार को पीपी कंपाउंड स्थित गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल के सभागार में भव्य लोकार्पण संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. प्रदीप वर्मा तथा केंद्रीय विश्वविद्यालय रांची के कार्यकारी कुलपति प्रो. सारंग मेधेकर ने अन्य मंचासीन प्रबुद्धजनों के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. प्रदीप वर्मा ने कहा कि भारत विश्व गुरु था, विश्व गुरु है और सदैव विश्व गुरु रहेगा। उन्होंने सेवा भारती के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संगठन समाज में सेवा भाव जगाकर निरंतर जनकल्याण में जुटा है। कोविड जैसी वैश्विक महामारियों के दौरान भी भारत ने पूरे विश्व की सहायता कर अपनी विश्वगुरु की भूमिका को सिद्ध किया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. सारंग मेधेकर ने कहा कि सेवा भारती प्रत्येक नागरिक में राष्ट्र के प्रति समर्पण और सांस्कृतिक चेतना का संचार करती है। केवल ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि मानवीय और नैतिक मूल्यों का जागरण अत्यंत आवश्यक है; इन्हीं मूल्यों और सेवा भाव के बल पर भारत पुनः विश्व गुरु बनेगा। वहीं डॉ. एच. पी. नारायण ने लोगों से निस्वार्थ सेवा कार्यों से जुड़ने का आह्वान किया।

समारोह का शुभारंभ पम्पा सेन विश्वास एवं 25 सदस्यों द्वारा प्रस्तुत सामूहिक 'वंदे मातरम' से हुआ। इसके बाद नन्हे बच्चों ने 'शिव स्तुति' पर मनमोहक भाव नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की अर्चना कुमारी व ऋतिका ने सुमधुर एकल गीत गाया। सेवा भारती के न्यासी चंद्रकांत रायपत ने अतिथियों और पत्रिका संपादक का परिचय कराया। प्रांतीय उपाध्यक्ष अखिलेश्वर नाथ मिश्र ने संस्था के कार्यों पर प्रकाश डाला, जबकि संत जेवियर कॉलेज के पूर्व विभागाध्यक्ष व वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कमल बोस ने पत्रिका का साहित्यिक विश्लेषण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा पत्रिका की संपादक डॉ. सुष्मिता पाण्डेय एवं बाल कलाकारों को सम्मानित किया गया। अंत में सेवा भारती के प्रांतीय अध्यक्ष गिरीश मल्होत्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया, जबकि मंच संचालन अनुपमा सिन्हा ने किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा भारती के न्यासी गुरुशरण प्रसाद, ओमप्रकाश केजरीवाल, अयोध्या नाथ मिश्र, प्रो. चंद्रकांत शुक्ल, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुदर्शन भगत, सीसीएल के पूर्व सीएमडी गोपाल सिंह, सरला बिरला यूनिवर्सिटी के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, चिन्मय मिशन के स्वामी परिपूणार्नंद जी, अभिजीत घोष, पूर्व महाधिवक्ता अजीत कुमार, राधेश्याम अग्रवाल, चंदन मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार नंदलाल साहू, सोनी मेहता, निधि सहाय, कंचन प्रभा, रश्मि मिश्रा, शुभेंदु भट्ट और विनय गांगूली सहित शहर के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ओबीसी आरक्षण और जातीय जनगणना की मांग को लेकर कांग्रेस का राजभवन घेराव 16 को

बिभा संवाददाता

हजारीबागः हजारीबाग में ओबीसी आरक्षण और जातीय जनगणना की मांग को लेकर कांग्रेस ओबीसी मोर्चा ने प्रेस वार्ता की। कांग्रेस स्टेट कोऑर्डिनेटर बिनोद कुशवाहा ने कहा कि जनगणना में ओबीसी की सभी जातियों के लिए अलग कॉलम निर्धारित किया जाए, ताकि उनकी वास्तविक आबादी का आंकड़ा सामने आ सके। उन्होंने आबादी के अनुपात में आरक्षण सुनिश्चित करने की मांग उठाई।कुशवाहा ने भाजपा सरकार पर ओबीसी समाज को ठगने का आरोप लगाते हुए कहा कि अधिकारों की मांग को लेकर कांग्रेस आंदोलन कर रही है। उन्होंने बताया कि 16 सितंबर को रांची में राजभवन घेराव किया जाएगा, जिसमें हजारीबाग से हजारों ओबीसी समाज के लोग शामिल होंगे।कांग्रेस नेता दिगंबर कुमार मेहता ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में पूरे झारखंड से बड़ी संख्या में लोग जुटेंगे। प्रेस वार्ता में ओबीसी जिलाध्यक्ष अजय कुमार प्रजापति समेत पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कोडरमा में गूंजा बाबा श्याम का जयकारा, श्याम कीर्तन में शामिल हुए श्री श्याम टाबरिया की टीम

हजारीबागः कोडरमा में रविवार को आयोजित हुए भव्य श्याम कीर्तन को लेकर श्याम भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला। इसी कड़ी में हजारीबाग से श्री श्याम टाबरिया की टीम भी कोडरमा पहुंची। टीम के सदस्यों में बाबा श्याम के प्रति विशेष आस्था और उत्साह नजर आया।रविवार को आयोजित इस श्याम कीर्तन में बड़ी संख्या में श्याम प्रेमियों के शामिल होने की उम्मीद है। कीर्तन के दौरान बाबा श्याम के भजनों की प्रस्तुति हुई और भक्तजन भक्ति के रंग में सराबोर होकर बाबा के दरबार में अपनी हाजिरी लगाया। हजारीबाग की टीम के सदस्यों ने कहा कि बाबा श्याम के भजनों में शामिल होना और उनके दरबार में हाजिरी लगाना उनके लिए सौभाग्य की बात है। भक्तों में उत्साह का माहौल रहा।

रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में धूमधाम से मनाया गया गुरु ग्रंथ साहिब को रंगीन लाइट एवं फूलों से सजाया गया

बिभा संवाददाता

रामगढ़: रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में गुरु ग्रंथ साहिब जी का पहला प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाया गया। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में पहले प्रकाश पर्व को लेकर विशेष कीर्तन दरबार सजाया गया। ₹ऐसे गुरु को बल बल जाइये₹ जैसे सबद से भाई परमजीत सिंह अमृतसर वाले जी ने अपनी मधुर आवाज से साध संगत को निहाल किया।

कीर्तन दरबार रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में शाम 6:30 बजे से लेकर 9:30 बजे तक चला। इसके बाद सिख संगत के बीच में अटूट लंगर बरताया गया। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा ने जानकारी देते हुए बताया की आज पहले गुरु नानक देव जी से लेकर खुद पांचवे गुरु अर्जुन देव जी ने अपनी लिखित बाणी,तथा कबीर जी की, भाई रविदास जी,नामदेव जी की,भाई फरीद जी की,तथा और भी विभिन्न जातियों के महापुरुषों की बाणी को एकत्रित कर के ग्रंथ तैयार कर के श्री दरबार साहेब अमृतसर में पहला प्रकाश किया, और ब्रह्म ज्ञानी भाई बुड्ढा सिंह जी को पहला हेड ग्रंथि नियुक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा मीत प्रधान अमरजीत सिंह सैनी हैप्पी छाबड़ा महासचिव हरदीप सिंह, कुलवंत सिंह मारवाह, रघुवीर सिंह छबड़ा,प्रीतम सिंह कालरा,गुरदीप सिंह सैनी, किंकी बाबू, गुरजीत सिंह सलूजा , जगजीत सिंह जग्गी हरप्रीत सिंह खालसा नरेंद्र सिंह चमन मनपाल सिंह सोनी, रौनक छाबड़ा, गुल्लू आनंद गुरजोत सिंह,परमजीत कौर भुसरी, जसप्रीत कौर करमजीत कौर गगन कौर सुखमीत कौर सोनी रोमी छाबड़ा सुमी जोली चरणजीत कौर जॉली मनप्रीत कौर सैनी बलविंदर कौर छाबड़ा,रविंदर कौर पवार, सहित सिख समाज के बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालु शामिल हुए।

पीएम मोदी के 25 वर्षों के जनसेवा के उपलक्ष्य में भाजपा चलाएगी 'सेवा संकल्प अभियान', 17 सितंबर को जलेगा 'आशीर्वाद का दीया'

बिभा संवाददाता

हजारीबागः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक राष्ट्रव्यापी 'सेवा संकल्प अभियान' चलाएगी। काली बाड़ी स्थित भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद और भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने इस एक माह चलने वाले अभियान की विस्तृत रूपरेखा साझा की।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं, बल्कि हर नागरिक को 'विकसित भारत 2047' के संकल्प से जोड़कर जनसेवा को जन-आंदोलन का रूप देना है। उन्होंने बताया कि अभियान की शुरूआत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर शाम 7:00 बजे 'आशीर्वाद का दीया' जलाकर की जाएगी। यह दीप हर घर, बूथ, दुकान, स्कूल, कार्यालय और विशेष रूप से पीएम आवास योजना के लाभार्थियों के घरों पर प्रज्वलित होगा। इसके अतिरिक्त 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक स्कूलों में चित्रकला व भाषण प्रतियोगिताएं होंगी, जबकि आंगनवाड़ी केंद्रों में 3 दिवसीय विशेष कार्यक्रम चलाकर माताओं और बच्चों को सम्मानित किया जाएगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री के रूप में मोदी जी के 25 वर्षों के सुशासन को समर्पित यह पर्व जिले के सभी मंडलों और बूथों तक पहुंचेगा। महीने भर चलने वाले इस अभियान के तहत 25 प्रमुख सेवा गतिविधियां संचालित होंगी। इनमें ब्लॉक स्तर पर 'सेवा ज्योति यात्रा', महा-रक्तदान शिविर, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, अंगदान संकल्प, पौधारोपण, प्लास्टिक मुक्ति और जल स्त्रोतों की सफाई जैसे अभियान शामिल हैं। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिजिटल साक्षरता, नशा मुक्ति, साइबर सुरक्षा जागरूकता और पूर्व सैनिकों का सम्मान भी किया जाएगा।

श्री श्याम मंदिर में गूंजा टाटानगर के श्याम प्रेमियों का भक्ति रंग

बिभा संवाददाता

रामगढ़ः श्री श्याम मंदिर रामगढ़ में 12 सितंबर को बारस ताली कीर्तन परिवार, टाटानगर से करीब 100 श्याम प्रेमी महिला, पुरुष एवं बच्चों का समूह भव्य स्वागत किया गया। श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट, रामगढ़ के तत्वावधान में आयोजित भव्य कीर्तन में बाबा श्याम के भजनों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। टाटानगर से पहुंचे श्याम प्रेमियों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ बाबा श्याम के दरबार में अपनी हाजिरी लगाई। इस अवसर पर विमल अग्रवाल (टाटावाले), अनुभव अग्रवाल एवं शिवम चौधरी ने अपने मधुर भजनों से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। भजनों के दौरान श्रद्धालु बाबा श्याम की भक्ति में झूमते नजर आए और पूरा परिसर बाबा श्याम के जयकारों से गूंज उठा।

इस अवसर पर टाटानगर से आए श्याम प्रेमियों की ओर से बाबा श्याम को छप्पन भोग अर्पित किया गया। वहीं बारस ताली कीर्तन परिवार की महिलाओं द्वारा खीर-चूरमा का प्रसाद भी बाबा श्याम को अर्पित किया गया।

कार्यक्रम में शामिल बारस ताली कीर्तन परिवार के श्याम प्रेमियों के लिए प्रसाद की विशेष व्यवस्था श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट, रामगढ़ की ओर से की गई। समिति द्वारा की गई सेवा एवं व्यवस्थाओं के लिए टाटानगर से आए भक्तों ने भी प्रसन्नता व्यक्त की।

महिला, पुरुष एवं बच्चों की बड़ी संख्या में सहभागिता से यह आयोजन यादगार बन गया। भक्ति, सेवा और श्रद्धा के इस संगम ने रामगढ़ के श्री श्याम मंदिर में टाटानगर के श्याम प्रेमियों की एकता और बाबा श्याम के प्रति उनकी अटूट आस्था को दशार्या।

श्री श्याम मंदिर कमेटी ने भी टाटानगर के श्याम प्रेमियों का श्रद्धा से स्वागत किया। टाटानगर से आये श्रद्धालुओं का स्वागत श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष विष्णु पौद्दार,उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल (पथरावा), सचिव पिंटू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संजय अग्रवाल (मथुरा), दिनेश पोद्दार, श्याम सुंदर परसरामपुरिया, राजु चौधरी, शंभू पटवारी, रोहित शर्मा, राजेश पटवारी, रमेश अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, दीपक मंगलम, राजेश मोदी, आंनद अग्रवाल आदि कि उपस्थिति रही।

कोडरमा में गूंजा बाबा श्याम का जयकारा, कीर्तन में शामिल हुई राष्ट्रीय भजन गायिका कनिका ग्रोवर

कोडरमा जाने के क्रम में हजारीबाग में त्रिलोक मुनका परिवार ने किया भव्य स्वागत

बिभा संवाददाता

हजारीबागः कोडरमा में रविवार को बाबा श्याम के भव्य कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन को लेकर श्याम भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। कीर्तन में राष्ट्रीय भजन गायिका कनिका ग्रोवर भी शामिल होकर बाबा श्याम के भजनों की प्रस्तुति देंगी। उनके आगमन को लेकर भक्तों में विशेष उत्साह बना हुआ है।इसी कड़ी में कोडरमा जाने के क्रम में राष्ट्रीय भजन गायिका कनिका ग्रोवर का हजारीबाग के त्रिलोक मुनका परिवार की ओर से भव्य स्वागत किया गया। परिवार के सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया और बाबा श्याम के कीर्तन के लिए शुभकामनाएं दीं।बताया गया कि बाबा श्याम के भजनों से आज कोडरमा का वातावरण भक्तिमय होगा। कीर्तन में बड़ी संख्या में श्याम प्रेमियों के शामिल होने की संभावना है। भक्त बाबा श्याम के भजनों पर झूमते हुए अपनी आस्था प्रकट करेंगे।आपको बताते चले कि विगत वर्षों में श्री श्याम टाबरिया द्वारा आयोजित श्याम कीर्तन में हजारीबाग में भी अपनी भजन की प्रस्तुति दी है !स्वागत बेला में त्रिलोक मुनका के साथ उनकी सुपुत्री गरिमा मुनका भी हुई शामिल !

भगवान गणेश : मंगल, समृद्धि और विकसित भारत के प्रेरणास्रोत

ललित गर्ग

गणेशजी का सबसे बड़ा संदेश है–शुभारंभ करो, लेकिन विवेक के साथ। किसी भी कार्य के पहले गणेशजी का स्मरण इस बात का प्रतीक है कि सफलता केवल गति से नहीं, सही दिशा से मिलती है। विकसित भारत का निर्माण भी केवल बड़े आर्थिक आंकड़ों, आधुनिक शहरों, नई तकनीक और विशाल परियोजनाओं से नहीं होगी। इसके लिए ऐसी विकास-दृष्टि चाहिए जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता, पर्यावरण-संतुलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का समन्वय हो।

गणेशजी के व्यक्तित्व में छिपे प्रबंधन, नेतृत्व, ज्ञान, अनुशासन और समावेशी विकास के सूत्रों को आत्मसात कर भारत 2047 के संकल्प को नई दिशा दी जा सकती है...

भगवान श्री गणेश भारतीय संस्कृति के ऐसे बहुआयामी एवं सर्वस्वीकार्य देवता हैं, जिनका स्मरण किसी भी शुभ कार्य के प्रारंभ में किया जाता है। वे केवल विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता के रूप में पूजित नहीं हैं, बल्कि उनका संपूर्ण व्यक्तित्व ज्ञान, विवेक, दूरदर्शिता, नेतृत्व, धैर्य, आत्मसंयम, संवाद, समावेशिता और कर्मशीलता का अद्भुत संदेश देता है। आज जब भारत विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, सामाजिक समरसता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब गणेशजी के प्रतीकात्मक व्यक्तित्व को केवल पूजा तक सीमित रखने के बजाय उनके जीवन-संदेश को राष्ट्रीय चरित्र और विकास-दृष्टि का आधार बनाना समय की बड़ी आवश्यकता है। गणेश चतुर्थी केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा का पर्व बन सकती है।

गणेशजी का सबसे बड़ा संदेश है–शुभारंभ करो, लेकिन विवेक के साथ। किसी भी कार्य के पहले गणेशजी का स्मरण इस बात का प्रतीक है कि सफलता केवल गति से नहीं, सही दिशा से मिलती है। विकसित भारत का निर्माण भी केवल बड़े आर्थिक आंकड़ों, आधुनिक शहरों, नई तकनीक और विशाल परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए ऐसी विकास-दृष्टि चाहिए जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता, पर्यावरण-संतुलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का समन्वय हो। गणेशजी का स्मरण हमें बताता है कि विकास का पहला कदम बाहर नहीं, भीतर उठता है–विचारों की शुद्धता और संकल्प की दृढ़ता से।

गणेशजी का गजमुख उनकी सबसे विशिष्ट पहचान है। हाथी भारतीय मानस में बुद्धि, स्मृति, धैर्य और शक्ति का प्रतीक रहा है। बड़ा मस्तक हमें बड़ा सोचने की प्रेरणा देता है। आज भारत को भी सीमित सोच से बाहर निकलकर वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप दीर्घकालीन और व्यापक दृष्टि विकसित करनी होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा, जैव-प्रौद्योगिकी और नई औद्योगिक क्रांति के युग में वही राष्ट्र आगे बढ़ेगा जो ज्ञान को अपनी सबसे बड़ी शक्ति बनाएगा। गणेशजी का मस्तक मानो संदेश देता है–ज्ञान जितना व्यापक होगा, विकास उतना ही दूरगामी होगा।

उनके बड़े कान लोकतांत्रिक नेतृत्व की अनूठी सीख देते हैं। अच्छा नेतृत्व वह नहीं जो केवल बोलता है, बल्कि वह

है जो सुनता है। जनता की आकांक्षाओं, युवाओं के सपनों, किसानों की समस्याओं, श्रमिकों की चुनौतियों, महिलाओं की अपेक्षाओं और वंचित वर्गों की आवाज को सुनना ही संवेदनशील शासन की पहचान है। भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बने, इसके लिए विकास का मॉडल जनभागीदारी पर आधारित होना चाहिए। गणेशजी के बड़े कान हमें सिखाते हैं कि जनता की आवाज सुनना ही सुशासन की पहली शर्त है।

उनकी छोटी आंखें एकाग्रता और सूक्ष्म दृष्टि का प्रतीक मानी जाती हैं। आज सूचना और विकल्पों की अधिकता के दौर में ध्यान भटकना आसान है। राष्ट्र के सामने भी अनेक चुनौतियां हैं। इसलिए लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और ऊर्जा अनावश्यक विवादों में नहीं, राष्ट्र के निर्माण में लगनी चाहिए। विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा जब व्यक्ति से लेकर शासन तक प्राथमिकताओं की स्पष्टता, कार्य में एकाग्रता और परिणाम के प्रति प्रतिबद्धता हो।

गणेशजी की सूंड अत्यंत संवेदनशील होने के साथ शक्तिशाली भी है। वह सूक्ष्म वस्तु को भी संभाल सकती है और भारी कार्य भी कर सकती है। यह क्षमता हमें परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की प्रेरणा देती है। आज के भारत को भी यही लचीलापन चाहिए। तकनीक बदल रही है, रोजगार के स्वरूप बदल रहे हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था बदल रही है और पर्यावरणीय चुनौतियां बढ़ रही हैं। जो समाज परिवर्तन को समझकर अपनी क्षमता विकसित करेगा, वही भविष्य का नेतृत्व करेगा।

गणेशजी का लंबोदर भी गहरा जीवन-संदेश देता है। इसे विशाल हृदय, सहनशीलता और जीवन की विविधताओं को आत्मसात करने की क्षमता का प्रतीक माना जा सकता है। राष्ट्रनिर्माण में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन मनभेद विनाशकारी हो सकते हैं। भारत की शक्ति उसकी विविधता में है। भाषा, संस्कृति, परंपरा, विचार और जीवन-पद्धति की विविधता को संघर्ष का कारण नहीं, राष्ट्रीय शक्ति का आधार बनाना होगा। गणेशजी का व्यक्तित्व हमें समावेशी भारत की प्रेरणा देता है–ऐसा भारत जिसमें विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई स्वयं को राष्ट्र की मुख्यधारा से अलग महसूस न करे।

गणेशजी का वाहन मूषक भी अत्यंत अर्थपूर्ण प्रतीक है। विशालकाय गजानन का वाहन एक छोटा-सा मूषक है। यह मानो अहंकार पर नियंत्रण और छोटे से छोटे तत्व के महत्व को स्वीकार करने का संदेश देता है। आधुनिक भारत में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और बड़ी परियोजनाओं के साथ छोटे उद्यमी, कारीगर, किसान, स्टार्टअप, स्थानीय व्यवसाय और सामान्य नागरिक भी विकास की धुरी हैं। विकसित भारत का अर्थ केवल बड़े भारत से नहीं, बल्कि हर व्यक्ति को अवसर देने वाले भारत से है।

गणेशजी की चार भुजाएं कर्म, ज्ञान, विवेक और संतुलन के समन्वय का संदेश देती हैं। आज भारत को ज्ञान और कौशल से संपन्न युवा चाहिए, उद्यमशील नागरिक चाहिए और ऐसे संस्थान चाहिए जो नवाचार को प्रोत्साहित करें। केवल डिग्री नहीं, उपयोगी ज्ञान; केवल नौकरी नहीं, रोजगार सृजन; केवल उपभोग नहीं, उत्पादन–यही विकसित भारत की आधारभूमि बन सकती है।

गणेशजी को विघ्नहर्ता कहा जाता है, लेकिन विघ्नों को समाप्त करने का वास्तविक अर्थ समस्याओं से पलायन नहीं, बल्कि उनका साहसपूर्वक सामना करना है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, सामाजिक असमानता, प्रदूषण और अंधविश्वास जैसे राष्ट्रीय विघ्न केवल कानूनों से नहीं, सामूहिक चेतना और नागरिक जिम्मेदारी से दूर होंगे। गणेशजी का साहस हमें बताता है कि कठिनाई जितनी बड़ी हो, संकल्प उससे बड़ा होना चाहिए।

ऋद्धि और सिद्धि का गणेशजी से जुड़ाव भी विकास की व्यापक अवधारणा को स्पष्ट करता है। केवल धन-संपदा ऋद्धि नहीं और केवल उपलब्धि सिद्धि नहीं; दोनों का संतुलन आवश्यक है। भारत की आर्थिक समृद्धि के साथ ज्ञान, संस्कार, नैतिकता और मानवीय मूल्यों की सिद्धि भी होनी चाहिए। तभी समृद्धि स्थायी और सार्थक बनेगी। शुभ और लाभ का संदेश भी यही है कि उपलब्धि तभी शुभ है जब वह व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के व्यापक हित में हो।

गणेशजी को प्रथम पूज्य और बुद्धि के देवता के रूप में स्मरण करने की भारतीय परंपरा आज के भारत के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। जब देश 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, तब आवश्यकता केवल सरकारों के प्रयासों की नहीं, बल्कि विकसित सोच वाले नागरिकों की है। प्रत्येक भारतीय अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, उत्कृष्टता, नवाचार, अनुशासन और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे, तो विकास का लक्ष्य जनआंदोलन बन सकता है।

गणेश चतुर्थी इसलिए हमें केवल प्रतिमा स्थापित करने और उत्सव मनाने का अवसर न दे, बल्कि अपने भीतर गणेशत्व जगाने का संकल्प दे। बुद्धि में विशालता हो, दृष्टि में दूरदर्शिता हो, कानों में संवेदनशीलता हो, वाणी में मधुरता हो, कर्म में शक्ति हो, मन में धैर्य हो और व्यवहार में समावेशिता हो–यही गणेशजी की वास्तविक आराधना है। जब भारत का नागरिक अपने भीतर के विघ्नों–अज्ञान, आलस्य, अहंकार, स्वार्थ और संकीर्णता–पर विजय प्राप्त करेगा, तभी विकसित भारत का सपना साकार होगा।

भगवान गणेश का संदेश अंततः यही है कि मंगल बाहर से नहीं आता, उसे अपने विचार, व्यवहार और कर्म से निर्मित करना पड़ता है। यदि गणेशजी की बुद्धि, विवेक, धैर्य, साहस, श्रवणशीलता, आत्मसंयम और समावेशी दृष्टि को राष्ट्रीय जीवन का हिस्सा बनाया जाए, तो भारत केवल आर्थिक रूप से विकसित राष्ट्र नहीं, बल्कि समृद्ध, संस्कारित, संवेदनशील, आत्मनिर्भर और विश्व को दिशा देने वाला आदर्श राष्ट्र बन सकता है। यही गणेश चतुर्थी की सबसे बड़ी राष्ट्रीय साधना और विकसित भारत 2047 के संकल्प की सार्थक परिणति होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

व्यापार घाटे का ब्रिक्स

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आगाज हो चुका है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आगमन की भी पुष्टि हो चुकी है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच द्विपक्षीय मुलाकात हुई। कई समझौते परवान चढ़े। उनका विश्लेषण अलग से किया जाएगा। दरअसल हमने ईरान युद्ध के संदर्भ में इस शिखर सम्मेलन का विश्लेषण किया था। आज भारत की अर्थव्यवस्था, ब्रिक्स देशों के साथ व्यापार और भारत के निरंतर घाटे की चर्चा कर रहे हैं। ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब भी ब्रिक्स के सदस्य देश हैं। फिलहाल उनके बीच एक विनाशक, विध्वंसक युद्ध जारी है। ईरान ने उनके तेल ठिकानों, रिफाइनरियों, संयंत्रों पर ऐसे हमले किए हैं कि उनके उत्पादन खत्म हो गए हैं या वे भस्म हो गए हैं, नतीजतन दुनिया संकट में है। हालांकि अमरीका-इजरायल इस युद्ध के ह्यनरसंहारी चेहरेह्न हैं। ईरान युद्ध के कारण अभी तक भारत को 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का ह्यराजकोषीय धक्काह्न लग चुका है। यह अनुमान है, जबकि हकीकत इससे ज्यादा हो सकती है! इसी के कारण हमारा चालू खाता घाटा भी जीडीपी का 1.9 फीसदी से 2 फीसदी तक बढ़ चुका है। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि 2026-27 की आखिरी विकास दर 6.5 फीसदी के करीब हो सकती है, लिहाजा एक तिमाही की 7.8 फीसदी विकास दर पर अधिक फुलफुलाना नहीं चाहिए। भारत ब्रिक्स देशों-चीन, रूस, अमीरात, सऊदी, ब्राजील-के साथ लगातार कारोबार करता रहा है, लेकिन चिंता की बात यह है कि हम लगातार व्यापार-असंतुलन के शिकार हो रहे हैं और भारत आज तक ह्यनिराश्रितह्न, असहाय, लाचार है। ह्यआत्मनिर्भरताह्न तो बहुत दूर की कौड़ी है। चीन के साथ भारत का व्यापार-घाटा 9.92 लाख करोड़ रुपए का है, तो रूस की तुलना में भारत 4.48 लाख करोड़ रुपए के घाटे में है। संयुक्त अरब अमीरात के साथ करीब 2.34 लाख करोड़ रुपए और सऊदी अरब के साथ भी करीब 1.81 लाख करोड़ रुपए का व्यापार-घाटा हम झेल रहे हैं। ब्राजील सरीखे अपेक्षाकृत छोटे देश के साथ भी भारत का व्यापार-घाटा करीब 9579 करोड़ रुपए का है।

चिंतन-मनन

जीवन एक क्रिकेट मैच

प्रांतिकारी संत तरुणसागरजी ने क्रिकेट की व्याख्या करते हुए कहा कि जीवन एक क्रिकेट है, धरती की विराट पिच पर समय बॉलिंग कर रहा है। शरीर बल्लेबाज है, परमात्मा के इस आयोजन पर अम्पायर धर्मराज हैं। बीमारियाँ फील्डिंग कर रही हैं, विकेटकीपर यमराज हैं, प्राण हमारा विकेट है, जीवन एक क्रिकेट है। इस डे-नाइट मैच में हमें रचनात्मकता के जलवे दिखाने हैं और साँसों के सीमित ओवर में सृजन के रन बनाने हैं। गिल्लियाँ उड़ने का अर्थ साँस का टूट जाना है, एलबीडब्ल्यू यानी हार्ट-अटैक। दुर्घटना में मरने वाला रन आउट कहलाता है और सीमा पर शहीद होने वाला कैच आउट कहा जाता है। आत्महत्या का अर्थ हिट विकेट और हत्या स्टम्प आउट हो जाना है।

कभी-कभी कुछ आप्रामक खिलाड़ी जल्दी ही पैवेलियन लौट जाते हैं, लेकिन पारी ऐसी खेलते हैं कि कीर्तिमान बना जाते हैं, सबका अपना-अपना रन रेट है, जीवन एक क्रिकेट है। घर आए अतिथि को भोजन के लिए पूछा करो, भोजन के लिए नहीं पूछ सकते तो पानी के लिए पूछा करो, पानी का नहीं पूछ सकते हैं तो बैठने के लिए आसन दिया करो। बैठने के लिए आसन भी नहीं दे सकते तो दो मीठे बोल बोला करो। दो मीठे बोल नहीं बोल सकते, मुस्कुराहट भी नहीं दे सकते तो चुल्लू भर पानी में डूब मरो। उक्त प्रेरक विचार उन्होंने प्रवचनमाला में व्यक्त किए। हाथों में मोबाइल हो न हो, चेहरे पर स्माइल हर हाल में होना चाहिए। आदमी स्मार्ट मोबाइल से नहीं, मुस्कुराहट से बनता है। हँसना पुण्य है और हँसाना परमपुण्य है। जब आप हँसते हैं तो आप ईश्वर की आराधना करते हैं। जब आप किसी रोते हुए को हँसाते हो तो ईश्वर आपकी आराधना करता है। दुनिया के सामने रोने की आवश्यकता नहीं है। जब पाँच सेकंड मुस्कुराने से फोटो अच्छी आ सकती है तो जिंदगी भर मुस्कुराने से जिंदगी क्यों नहीं अच्छी हो सकती। राजनीतिक लोग पार्टियाँ बदल लेते हैं, बैनर बदल लेते हैं, भाषण बदल जाता है, टोपी बदल जाती है, लेकिन टोपी के नीचे जो खोपड़ी है वही नहीं बदलती। मैं कहता हूँ टोपी को नहीं, खोपड़ी बदलो। आप अपने से बेखबर हैं, कानों के साथ आँखों का उपयोग किया करो। किसी ने कहा है वो दिल के बहुत अच्छे हैं, लेकिन कानों के कच्चे हैं। आदमी सुनी-सुनाई बातों पर यकीन कर लेता है और बरसों की दोस्ती दुश्मनी में बदल जाती है। एसटीडी कॉल करने से पहले शून्य लगाना जरूरी है। उसी तरह गुरु के पास भी जाने से पहले मन का शून्य होना जरूरी है। मन खाली होगा तभी तो कुछ भर पाओगे। शक का कीड़ा एक बार दिमाग में घुस जाए तो उसका कोई इलाज नहीं होता।

एक बातचीत किसी की जिंदगी बचा सकती है

कांतिलाल मांडोत

युवाओं की खामोशी को समझना होगा तनाव और अवसाद के बीच साथ का हाथ सबसे बड़ी मदद

आज का युवा सपनों, महत्वाकांक्षाओं और नई संभावनाओं से भरी दुनिया में आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन इसी दौड़ में उसके सामने मानसिक दबाव भी तेजी से बढ़ रहा है। पढ़ाई में अच्छे अंक लाने की चिंता, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर को लेकर असमंजस, नौकरी की अनिश्चितता, परिवार की अपेक्षाएं, मित्रों और रिश्तों से जुड़ी परेशानियां तथा सामाजिक तुलना कई बार मन पर ऐसा बोझ डाल देती हैं, जिसे युवा अकेले संभाल नहीं पाता। बाहर से सामान्य दिखाई देने वाला व्यक्ति भीतर ही भीतर किसी बड़े संघर्ष से गुजर रहा हो सकता है। इसलिए मानसिक परेशानी को कमजोरी समझने के बजाय उसे समय रहते पहचानना और संवेदनशीलता के साथ सुनना आज की बड़ी जरूरत है।

किसी व्यक्ति के जीवन में संकट अचानक दिखाई दे सकता है, लेकिन उसके पीछे चल रहा मानसिक संघर्ष अक्सर लंबे समय से जमा होता रहता है। परेशानी तब और बढ़ जाती है जब व्यक्ति अपनी बात किसी से कह नहीं पाता। उसे लगता है कि परिवार उसकी स्थिति नहीं समझेगा, मित्र उसका मजाक बनाएंगे या समाज उसे कमजोर मान लेगा। यही सोच उसे धीरे-धीरे लोगों से दूर कर सकती है। इसलिए परिवार और समाज की जिम्मेदारी केवल यह पूछने तक सीमित नहीं होनी चाहिए कि पढ़ाई कैसी चल रही है या नौकरी की तैयारी कितनी हुई। यह भी पूछना जरूरी है कि मन कैसा है, क्या कोई परेशानी है और क्या वह किसी बात को लेकर लगातार तनाव में है।

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुभव बताते हैं कि आत्महत्या जैसी गंभीर स्थिति के पीछे सामान्यतः कोई एक कारण नहीं होता। कई बार छोटी-छोटी परेशानियां एक साथ मिलकर मानसिक दबाव को बढ़ा देती हैं। परीक्षा में असफलता किसी विद्यार्थी के लिए बहुत बड़ी घटना हो सकती है, वहीं किसी दूसरे युवा के लिए रिश्ते में आई परेशानी, आर्थिक संकट या भविष्य को लेकर अनिश्चितता अधिक भारी पड़ सकती है। बुलिंग, रैगिंग, पारिवारिक विवाद, अकेलापन और लगातार दूसरों से अपनी तुलना करना भी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर सकता है। जब इन परिस्थितियों के बीच व्यक्ति को भावनात्मक सहारा नहीं मिलता तो उसकी परेशानी गंभीर रूप ले सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मानसिक परेशानी हमेशा शब्दों में सामने नहीं आती। कई युवा सीधे यह नहीं कहते कि वे तनाव में हैं या उन्हें मदद चाहिए। उनके व्यवहार में बदलाव दिखाई दे सकता है। जो व्यक्ति पहले परिवार और दोस्तों से खुलकर बात करता था, वह अचानक चुप रहने लगे, सामाजिक गतिविधियों से दूरी बनाने लगे या अपनी पसंदीदा चीजों में रुचि खो दे तो इसे सामान्य बदलाव मानकर छोड़ देना ठीक नहीं है। नींद और भोजन की आदतों में बदलाव, लगातार चिड़चिड़ापन, निराशा, पढ़ाई या काम में ध्यान न लगना और स्वयं को दूसरों के लिए परेशानी मानने जैसी बातें भी संकेत हो सकती हैं कि व्यक्ति को भावनात्मक सहयोग की जरूरत है।

ऐसे समय में सबसे पहला कदम सलाह देना नहीं, बल्कि सुनना होना चाहिए। कई बार हम किसी परेशान व्यक्ति की बात पूरी होने से पहले ही उसे समझाने लगते हैं। उसे कहा जाता है कि यह तो छोटी बात है, सब ठीक हो जाएगा या दूसरे लोगों की स्थिति तुमसे भी खराब है। इस तरह की बातें समस्या को कम नहीं करतीं, बल्कि व्यक्ति को यह महसूस करा सकती हैं कि उसकी परेशानी को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। इसके बजाय शांत होकर उसकी बात सुनना, उसके अनुभव को समझने का प्रयास करना और यह भरोसा दिलाना कि वह अकेला नहीं है, बहुत बड़ा सहारा बन सकता है।

युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर परिवार की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। माता-पिता को केवल परिणाम और उपलब्धियों पर ध्यान देने के बजाय बच्चों की भावनात्मक स्थिति को भी समझना होगा। हर परीक्षा जीवन का अंतिम फैसला नहीं है और हर असफलता भविष्य का अंत नहीं होती। बच्चों को यह भरोसा मिलना चाहिए कि वे अपनी परेशानी खुलकर बता सकते हैं और किसी गलती या असफलता के कारण उनका महत्व कम नहीं होता। परिवार में ऐसा वातावरण बने जहां संवाद के लिए डर नहीं, विश्वास हो।

संस्कृति, संवाद और आत्मगौरव का उत्सव है हिन्दी दिवस

योगेश कुमार गोयल

हर वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाने वाला हिन्दी दिवस उस गौरव की स्मृति के रूप में मनाया जाता है, जब हिन्दी को भारतीय संघ की राजभाषा घोषित किया गया था। यह दिवस हिन्दी की समृद्धि, स्वीकार्यता, रचनात्मकता और वैश्विक विस्तार का उत्सव है। निरंतर बढ़ती हिन्दी शक्ति आज न केवल भारत के सांस्कृतिक, सामाजिक और प्रशासनिक परिदृश्य को आकार देती है बल्कि विश्व मंच पर भी अपनी प्रगाढ़ छाप छोड़ रही है। आज दुनियाभर में हिन्दी चाहने वालों, बोलने या पढ़ने-समझने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हिन्दी को लेकर भारतीय और विदेशी विद्वानों, साहित्यकारों तथा विभूतियों का आदर भाव वर्षों से रहा है।

डा. फादर कामिल बुल्के, जिन्होंने हिन्दुस्तानी संस्कृति को आत्मसात किया, हिन्दी को गृहिणी की संज्ञा देते हुए कहा था कि यह भारतीय जीवन का अभिन्न हिस्सा है। संस्कृत को तो वे मां मानते थे और अंग्रेजी को नौकरानी। इसी तरह आयरिश प्रशासक जॉन ग्रियर्सन ने हिन्दी को संस्कृत की बेटियों में सबसे सुंदर और शिरोमणि बताया। ऐसे तमाम उदाहरण इस बात के प्रमाण हैं कि हिन्दी, शब्द और विचार के धरातल पर विभिन्न भाषाओं से जितनी आत्मीयता रखती है, उतनी ही भारत के जनमानस से जुड़ी है लेकिन दुखद है कि आज भी पुनरुत्थानवादी मानसिकता वाले कुछ लोग हिन्दी की व्यापकता, समृद्धि और ताकत को नजरअंदाज करते हैं और संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी को स्थान नहीं मिलने की बात पर कुतर्क करके उसके वैश्विक पक्ष को कमतर आंकते हैं। हालांकि ऐसी नकारात्मक चर्चाओं से न हिन्दी का कुछ भला हो सकता है, न ही उसका अस्तित्व डिग सकता है। तथ्य यही है कि आज विश्वभर में हिन्दी बोलने वालों का आंकड़ा करोड़ों में है और यह निरंतर बढ़ रहा है।

हिन्दी की ताकत को जानना हो तो उसके सांस्कृतिक, भावनात्मक और रचनात्मक विस्तार को देखना होगा। मातृभाषा का ज्ञान किसी भी व्यक्ति के मन की पीड़ा का सबसे अच्छा समाधान है। महापुरुषों, विद्वानों और नेताओं ने समय-समय पर हिन्दी भाषा के महत्व को रेखांकित किया है। पुरुषोत्तमदास टंडन मानते थे कि जीवन के हर क्षेत्र में हिन्दी अपनी भूमिका निभाने में समर्थ है। महात्मा गांधी ने हिन्दी को स्वतंत्रता संग्राम के दौरान संवाद व जनसंपर्क का सबसे शक्तिशाली माध्यम माना। उनके शब्द थे कि सम्पूर्ण भारत की पारस्परिकता के लिए ऐसी भाषा चाहिए, जो जनता का बड़ा भाग जानता-समझता हो। गांधीजी कहते थे, ह्यदिल की कोई भाषा नहीं है, दिल से दिल संवाद करता है और राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।ह्न ये कथन आज भी वैसी ही सार्थकता के साथ जीवंत हैं। अमेरिकी चिकित्सक वॉल्टर चेनिंग तो यह मानते थे कि विदेशी भाषा का किसी स्वतंत्र राष्ट्र की शिक्षा एवं प्रशासन की भाषा होना सांस्कृतिक दासता है। माखनलाल चतुर्वेदी और राहुल सांस्कृत्यायन ने हिन्दी को देश और भाषा की विरासत, सांस्कृतिक धरातल और अधिष्ठान के रूप में देखा। बालकृष्ण शर्मा नवीन ने तो यहां तक कहा कि राष्ट्रीय एकता का बंधन केवल हिन्दी ही जोड़ सकती है।

हिन्दी की ऊर्जा और आत्मबल का उदाहरण महात्मा गांधी के हिन्दी प्रेम का एक प्रसंग भी है। सन् 1917 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में बाल गंगाधर तिलक ने अंग्रेजी में भाषण दिया था। गांधीजी ने तिलक को स्पष्ट समझाया कि देशवासियों के साथ अपनी ही भाषा में संवाद ही सही अर्थों में दिलों तक पहुंच सकता है। यह भावप्रवण संवाद भारत के हर नागरिक के गौरव का स्रोत है। महात्मा गांधी ने विविध अवसरों पर हिन्दी को राष्ट्र की आत्मा कहा था। आज हिन्दी का विस्तार भारत तक सीमित नहीं रहा। कई देशों में हिन्दी लोगों के दिलों में बसती है, जहां की स्थानीय भाषाओं के साथ-साथ हिन्दी भी संगठित रूप से बोली जाती है। दुनियाभर में सैंकड़ों विश्वविद्यालयों, शैक्षिक संस्थाओं, शोध केंद्रों और अनगिनत प्लेटफॉर्म्स पर हिन्दी पढ़ाई जाती है, शोध होती है और यह वहां अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान की भाषा बन चुकी है। विश्वभर में लगभग 75 करोड़ लोग हिन्दी बोलते समझते हैं और एथ्नोलॉग जैसी अंतर्राष्ट्रीय भाषायी संस्थाओं की रिपोर्ट के मुताबिक, यह विश्वभर में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो तेजी से ऊपर की ओर बढ़ रही है।

हिन्दी का वैश्विक सांस्कृतिक प्रभाव भी आश्चर्यचकित करता है। भारतीय फिल्म उद्योग, जिसे दुनियाभर में ह्यबॉलीवुडह्न के नाम से जाना जाता है, हर साल करीब 1500 फिल्में हिन्दी में बनाता है। ये फिल्में भारत में ही नहीं, अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, खाड़ी देशों सहित अनेक देशों में देखी जाती हैं। हिन्दी फिल्मों, गीतों, साहित्य और कला का प्रभाव विदेशी मंचों, सांस्कृतिक समारोहों, मीडिया एवं एफएम चैनलों तक फैला हुआ है। यूएई में हिन्दी एफएम चौनल स्थानीय लोगों की खास पसंद बन चुके हैं। हिन्दी फिल्म अभिनेता, निमार्ता व कलाकार विदेशों में शो आयोजित करते हैं, जिससे भारतीय संस्कृति और हिन्दी भाषा का विस्तार होता है। जहां-जहां भारतवंशी बसे हैं, वहां हिन्दी विशेष सम्मान के साथ जीवंत है। यह यथार्थ हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

वैश्वीकरण के दौर में हिन्दी व्यापार, वाणिज्य, शिक्षा, तकनीकी और प्रशासन के क्षेत्र में निरंतर बढ़ रही है। फेसबुक, गूगल, यूट्यूब जैसी कंपनियों ने हिन्दी को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है। भारत में 80 प्रतिशत मोबाइल उपभोक्ता हिन्दी में सामग्री अपनाते हैं। इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिन्दी की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है और इसका प्रसार इतनी गति से हो रहा है कि कुछ ही वर्षों में हिन्दी इंटरनेट की प्रमुख भाषा बन सकती है। हिन्दी की संवैधानिक सुरक्षा भारत में संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 के तहत निश्चित है। यह धाराएं हिन्दी के प्रचार-प्रसार, स्वीकार्यता और संरक्षण का मजबूत

आधार हैं। यह न केवल भारत की आधिकारिक भाषा है बल्कि सम्पर्क भाषा, प्रशासन और विधि के क्षेत्र में इसका प्रयोग निर्णायक रूप से हो रहा है। भारत के शैक्षिक संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और सांस्कृतिक आयोजनों में हिन्दी को सम्मानपूर्वक अपनाया गया है। विश्व हिन्दी सचिवालय की स्थापना, हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र की मान्यता दिलवाने की पहल और डिजिटल क्षेत्र में हिन्दी सशक्तीकरण, ये सभी कदम हिन्दी के वैश्विक मंच पर सशक्तीकरण की दिशा में उठाए गए हैं।

कुल मिलाकर, हिन्दी दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं, यह हमारी संस्कृति, भाषायी आत्मसम्मान और राष्ट्रीय एकता का दिन है। इस दिन हर भारतीय को यह संकल्प लेना चाहिए कि हिन्दी को रचनात्मक, सुंदर और समृद्ध बनाए रखने में अपना योगदान दे। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का सपना केवल राजभाषा का प्रतिष्ठापन नहीं था बल्कि भारत की आत्मा, उसकी विविधता और सांस्कृतिक गौरव की अभिव्यक्ति थी, जिसे हिन्दी ने बखूबी आकार दिया है। हिन्दी भाषा की बढ़ती ताकत और वैश्विक प्रतिष्ठा आज न केवल भारत की बल्कि विश्व संस्कृति की सबसे मजबूत और सुंदर कड़ी बन चुकी है। इसलिए, हिन्दी दिवस के अवसर पर यही प्रेरणा लें कि जीवन के हर क्षेत्र में हिन्दी का उत्कर्ष हो, इसकी भाषायी, सांस्कृतिक, साहित्यिक और तकनीकी शक्ति निरंतर बढ़ती रहे और आगामी पीढ़ियां हिन्दी को न केवल संवाद का बल्कि वैश्विक अभिव्यक्ति का सबसे प्रभावशाली माध्यम बनाएं।

घरेलू पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना

हर घर के लिए स्वच्छ और किफायती पाइप से आपूर्ति की जाने वाली खाना पकाने की गैस

बिहान भारत

पाइप से आपूर्ति की जाने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) का विस्तार भारत की स्वच्छ घरेलू ऊर्जा और ऊर्जा सुरक्षा की ओर आगे बढ़ने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। घरों तक पीएनजी पहुंचाना सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क के विकास का हिस्सा है। इस तरह के नेटवर्क में पाइपलाइन और उससे जुड़ी सुविधाएं होती हैं, जो घरों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और औद्योगिक इकाइयों को सेवा देती हैं। इसे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा अधिकृत संस्थाओं द्वारा विकसित किया जाता है। पीएनजीआरबी ने 309 भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) में संस्थाओं को अधिकृत किया है। इन क्षेत्रों में देश के पूरे मुख्य भू-भाग शामिल हैं। 18 अगस्त 2026 तक देशभर में 1.74 करोड़ घरेलू पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध थे।

पीएनजी कवरेज को और बढ़ाने के लिए, 18 अगस्त 2026 को घरेलू पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना शुरू की गई थी। यह योजना 1 सितंबर 2026 से लागू हुई है।

योजना के बारे में

घरेलू पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा देने की प्रोत्साहन योजना का उद्देश्य सक्रिय घरेलू पीएनजी कनेक्शन की संख्या बढ़ाने की गति को तेज करना है। इसका मकसद परिवारों को पाइप के जरिए स्वच्छ, सुरक्षित और किफायती खाना पकाने की गैस उपलब्ध कराना है। यह योजना सीजीडी संस्थाओं को बिना बिल वाले कनेक्शन को सक्रिय, बिल वाले कनेक्शन में बदलने के लिए प्रोत्साहन देती है। यह नए क्षेत्रों में पीएनजी नेटवर्क के विस्तार के लिए भी प्रोत्साहन देती है। यह योजना छह महीनों की अवधि के दौरान दो चरणों में चलेगी।

योजना के तहत हर भौगोलिक क्षेत्र के लिए कनेक्शन की एक न्यूनतम संख्या तय की गई है। कार्य-अवधि के दौरान, पात्र सीजीडी संस्थाओं को इस सीमा से ज्यादा बिल वाले घरेलू कनेक्शन जोड़ने होंगे। ऐसे प्रत्येक अतिरिक्त कनेक्शन के लिए, संस्था को 200 स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर (एससीएम) गैस का अतिरिक्त आवंटन मिलता है। यह गैस घरेलू स्तर पर उत्पादित प्रशासित मूल्य व्यवस्था

(एपीएम) गैस है, जिसकी कीमत कम होती है।

अतिरिक्त आवंटन महंगी द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की जगह लेगा। सीजीडी संस्थाएं अभी अपने संपीड़ित प्राकृतिक गैस (परिवहन) क्षेत्र के लिए यह एलएनजी खरीदती हैं। इसे सस्ती एपीएम गैस से प्रतिस्थापित करने पर उनकी कुल गैस लागत कम हो जाती है।

इसलिए, घरेलू कनेक्शन पर खर्च की गई पूंजी की प्राप्ति की अवधि में कमी आने की उम्मीद है। उम्मीद है कि इसमें लगने वाला समय लगभग दस साल से घटकर करीब तीन साल रह जाएगा। इसलिए, कंपनियों के पास घरों तक तेजी से कनेक्शन पहुँचाने का एक मजबूत व्यावसायिक कारण है।

परिवारों के लिए पीएनजी के लाभ

पीएनजी परिवारों को कई जरूरी लाभ देता है, जैसे इस्तेमाल में आसानी, पैसे की बचत और निर्बाध आपूर्ति। पीएनजी का घरेलू उपयोग करने वालों के लिए मुख्य लाभ इस प्रकार हैं:

सुरक्षितः गैस कम दबाव पर जमीन के नीचे की पाइपलाइन से आती है, इसलिए सिलेंडर को रखने या संभालने की जरूरत नहीं होती। हवा से हल्की होने के कारण, यदि कभी लीकेज होती भी है, तो यह ऊपर उठकर तेजी से फैल जाती है।

दैनिक सुविधाः सिलेंडर की बुकिंग करने, जमा रखने या बदलने की कोई जरूरत नहीं होती। गैस घर पर चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती है। बिल इस्तेमाल के आधार पर मीटर से आता है, जैसे बिजली या पानी का बिल।

कम लागतः घर वाले सिर्फ उतनी ही गैस का पैसा देते हैं, जितनी वे असल में इस्तेमाल करते हैं। प्रति-यूनिट ऊर्जा के आधार पर, पीएनजी की लागत आमतौर पर एलएनजी से कम होती है। इसलिए समय के साथ ईंधन का मासिक खर्च कम हो जाता है।

स्वच्छ पर्यावरणः पीएनजी खाना पकाने वाले पारंपरिक ईंधनों की तुलना में ज्यादा साफ जलती है और कम प्रदूषण फैलाती है। घर के अंदर की हवा ज्यादा सेहतमंद रहती है और कार्बन उत्सर्जन कम होता है।

भरोसेमंद आपूर्तिः पाइपलाइन से लगातार आपूर्ति होती है और इसमें सिलेंडर डिलीवरी की लॉजिस्टिक्स की जरूरत नहीं होती। ऊंची इमारतों और भीड़-भाड़ वाली शहरी कॉलोनियों में रहने वाले घरों को इसका सबसे ज्यादा फायदा मिलता है।

पीएनजी विस्तार के लिए पहल

पीएनजी विस्तार को त्वरित मंजूरी, तर्कसंगत टैक्स और सुव्यवस्थित अवसंरचना विकास जैसे उपायों से बढ़ावा दिया जा रहा है। डिजिटल प्लेटफॉर्म और जागरूकता अभियान; परिवारों में पीएनजी अपनाने की प्रक्रिया को आसान, त्वरित और सुलभ बना रहे हैं:

सुव्यवस्थित विनियामक मंजूरीः 'प्राकृतिक गैस और पेट्रोलियम उत्पाद वितरण (पाइपलाइन और अन्य सुविधाओं को बिछाने, बनाने, चलाने और विस्तार करने के माध्यम से) आदेश, 2026' के तहत एक त्वरित मंजूरी प्रक्रिया जारी की गयी है। यह आदेश पाइपलाइन मार्गाधिकार (आरओडब्लू) के लिए एक समान शुल्क भी लागू करता है, जिसमें पीएनजी पाइपलाइन बिछाने के लिए जमीन या सार्वजनिक जगहों का इस्तेमाल करने की अनुमति शामिल है। अब आवेदनों पर प्राथमिकता के आधार पर और तय समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी।

कम मूल्य वर्धित टैक्स (वैट): राज्यों को प्राकृतिक गैस पर वैट घटाकर 5 प्रतिशत करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कई राज्यों ने पहले ही ऐसा कर दिया है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए पाइप वाली गैस सस्ती हो गई है।

राष्ट्रीय पीएनजी अभियान 2.0: सभी भौगोलिक क्षेत्रों में डीपीएनजी कनेक्शन की रफ़्तार बढ़ाने के लिए 1 जनवरी से 30 जून 2026 तक देशव्यापी अभियान चलाया गया।

एकीकृत पीएनजी पंजीकरण पोर्टलः एक एकल-खिड़की डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया जा रहा है। इससे नए कनेक्शन के लिए आवेदन करना और उनकी निगरानी करना आसान और तेज हो जाएगा।

स्वच्छ और आपूर्ति सुविधा वाले घरों की ओर

घर पर खाना पकाने के लिए साफ ईंधन हर परिवार के आराम, स्वास्थ्य और सम्मान को बढ़ाता है। अब लागू हो चुकी नई योजना गैस कंपनियों के व्यावसायिक हितों को इस राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ जोड़ती है। जैसे-जैसे पाइपलाइनें ज्यादा इलाकों और ज्यादा रसोईघरों तक पहुँच रही हैं, सिलेंडरों पर निर्भरता लगातार कम हो रही है। इस तरह, पाइप से आपूर्ति की जाने वाली गैस भारत में दैनिक जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा बनने जा रही है।

मिजोरम की रेल जीवनरेखा 'बैराबी-सैरांग रेल लाइन' का एक वर्ष पूराः यात्रा, पर्यटन और लॉजिस्टिक्स में आया ऐतिहासिक बदलाव

बिहान भारत

नई दिल्ली : 13 सितंबर 2025 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 51.38 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरांग रेल लाइन और सैरांग रेलवे स्टेशन के उद्घाटन ने मिजोरम में प्रगति और विकास के एक नए अध्याय की शुरूआत की। महज एक वर्ष में इस रेल लाइन ने इस दूरस्थ पहाड़ी राज्य में व्यापक बदलाव लाए हैं। यह केवल रेलवे के नक्शे पर बनी एक लाइन नहीं रही, बल्कि बेहतर आवागमन, बाजारों तक आसान पहुंच, पर्यटन को बढ़ावा और नए अवसरों का द्वार बन गई है।

मील का पत्थरः जब रेल पहाड़ियों तक पहुँची

पीढ़ियों से मिजोरम के दुर्गम भू-भाग के कारण लंबी दूरी की आवाजाही मुख्य रूप से सड़कों पर निर्भर रही है। इसके चलते यात्रा में अधिक समय लगता था और यह अक्सर असुविधाजनक तथा अविश्वसनीय होती थी। बैराबी-सैरांग नई रेल लाइन के शुरू होने से यह स्थिति पूरी तरह बदल गई।

बैराबी-सैरांग रेल लाइन मिजोरम के चुनौतीपूर्ण पहाड़ी भू-भाग से होकर राष्ट्रीय रेल नेटवर्क को आगे ले जाती है।

बैराबी-सैरांग रेल लाइन एक इंजीनियरिंग उपलब्धि है, जो मिजोरम की खड़ी पहाड़ियों, गहरी घाटियों और गॉर्ज से होकर गुजरती है। इस परियोजना में कुल 153 पुल हैं, जिनमें 55 बड़े पुल, 88 छोटे पुल तथा 10 रोड ओवर ब्रिज/रोड अंडर ब्रिज शामिल हैं। इनमें से छह पुलों की ऊंचाई 70 मीटर से अधिक है। सबसे ऊंचा पुल 114 मीटर का है, जो दिल्ली के कुतुब मीनार से 42 मीटर अधिक ऊंचा है। रेल लाइन में 45 सुरंगें भी हैं, जिनकी कुल लंबाई लगभग 16 किलोमीटर है।

यह रेल कॉरिडोर बैराबी से आगे राष्ट्रीय रेल नेटवर्क को मिजोरम के चार नवनिर्मित स्टेशनों–हॉटोर्की, कावनपुई, मुआलखांग और अंततः सैरांग रेलवे स्टेशन–से जोड़ता है। इस प्रकार राजधानी आइजोल की दहलीज तक रेल कनेक्टिविटी पहुंच गई है।

13 सितंबर 2025 को बैराबी-सैरांग रेल लाइन का उद्घाटन मिजोरम के लोगों के लंबे समय से संजोए सपने की पूर्ति थी। इससे राज्य के सबसे बड़े जनसंख्या केंद्र, प्रशासनिक, शैक्षणिक और वाणिज्यिक केंद्र के निकट विश्वसनीय यात्री एवं माल ढुलाई रेल सेवाएं उपलब्ध हुईं।

सैरांग स्टेशन मिजोरम का राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जुड़ा नया यात्री और लॉजिस्टिक्स द्वार बन गया है।

यात्री आवागमनः आंकड़े बताते हैं लोगों का भरोसा

अब तीन महत्वपूर्ण लंबी दूरी की ट्रेन सेवाएं मिजोरम की राजधानी को गुवाहाटी, कोलकाता और दिल्ली से जोड़ती हैं।

सैरांग-आनंद विहार राजधानी एक्सप्रेस ने मिजोरम को राष्ट्रीय राजधानी के साथ पहली सीधी प्रीमियम रेल कनेक्टिविटी प्रदान की। वहीं गुवाहाटी और कोलकाता की ट्रेन सेवाओं ने राज्य को देश के प्रमुख शैक्षणिक, वाणिज्यिक और चिकित्सा केंद्रों से विश्वसनीय रूप से जोड़ा।

इसके अलावा, जनवरी 2026 में माननीय केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा उद्घाटित सैरांग-सिलचर पैसेंजर ट्रेन सेवा ने सैरांग को असम की बराक घाटी से नियमित और विश्वसनीय यात्री रेल सेवा के माध्यम से जोड़ दिया।

पिछले एक वर्ष में इन ट्रेन सेवाओं ने 1,100 से अधिक यात्राएं पूरी की हैं और ये मिजोरम के लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी हैं। यात्रियों की ओर से इन सेवाओं को मिले समर्थन का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 15 लाख से अधिक यात्रियों ने इनका लाभ उठाया है। इन ट्रेनों में यात्रियों की मांग लगातार बहुत अधिक रही है और प्रत्येक यात्रा में सभी ट्रेनें 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता के साथ संचालित हुई हैं।

सैरांग-कोलकाता त्रि-साप्ताहिक ट्रेन की औसत ऑक्यूपेंसी 140 प्रतिशत से अधिक, सैरांग-गुवाहाटी दैनिक ट्रेन की ऑक्यूपेंसी लगातार 110 प्रतिशत से अधिक, जबकि सैरांग-आनंद विहार राजधानी एक्सप्रेस की औसत ऑक्यूपेंसी 145 प्रतिशत से अधिक रही है।

इन ट्रेन सेवाओं से भारतीय रेल को कुल 54 करोड़ रुपये की टिकट बिक्री भी हुई है।

पिछले एक वर्ष में सैरांग रेलवे स्टेशन ने 5.54 लाख से अधिक यात्री आवागमन को सफलतापूर्वक संभाला है। स्टेशन पर प्रतिदिन औसतन 3,300 यात्री आते-जाते हैं।

रेलवे स्टेशन केवल यात्री परिवहन का महत्वपूर्ण केंद्र ही नहीं बना है, बल्कि आसपास के समुदाय के जीवन का भी हिस्सा बन गया है। स्थानीय लोग स्टेशन परिसर के आसपास वृक्षारोपण और अन्य पर्यावरणीय गतिविधियों में भी भाग ले रहे हैं।

माल ढुलाई में बदलावः रेल के जरिए आइजोल तक माल

बैराबी-सैरांग रेल लाइन ने मिजोरम में माल परिवहन में भी बड़ा बदलाव किया है। अब सीमेंट, ऑटोमोबाइल और निर्माण सामग्री जैसी आवश्यक वस्तुएं सुरक्षित, समयबद्ध और किफायती तरीके से आइजोल तक पहुंचाई जा रही हैं।

नई रेल लाइन के उद्घाटन के ठीक एक दिन बाद, 14 सितंबर 2025 को पहली मालगाड़ी सैरांग पहुंची। इसमें गुवाहाटी के पास टेटेलिया स्थित स्टार सीमेंट साइडिंग से 26,000 से अधिक बोरी सीमेंट लाई गई थी।

इस मालगाड़ी का तत्काल प्रभाव आइजोल में सीमेंट की कीमतों पर पड़ा और यह स्पष्ट हुआ कि रेलवे लॉजिस्टिक्स लागत को काफी कम करके पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास में योगदान दे सकता है।

सीधी मालगाड़ी सेवाओं ने ऑटोमोबाइल की आपूर्ति में भी बाधाओं को कम किया है, जिससे वाहनों की लैंडिंग लागत कम हुई और अंतिम उपभोक्ताओं के लिए वाहन अधिक किफायती बने।

दिसंबर 2025 में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई, जब गुवाहाटी के पास चांगसारी से 119 मारुति कारों की पहली ऑटोमोबाइल खेप रेल के माध्यम से सैरांग पहुंची। इससे क्षेत्र में ऑटोमोबाइल लॉजिस्टिक्स की तस्वीर बदल गई।

पिछले एक वर्ष में सैरांग में 2,500 से अधिक रेलवे माल वैगन पहुंचाए गए हैं। इनमें लगभग 70 प्रतिशत माल सीमेंट, पत्थर और रेत जैसी निर्माण सामग्री का था।

इन सामग्रियों ने मिजोरम में आवास निर्माण और सार्वजनिक परियोजनाओं को समर्थन दिया है। इससे राज्य में कम लागत पर बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा मिला है और सामग्री को गंतव्य तक पहुंचाने में लगने वाला समय भी कम हुआ है।

सैरांग पहुंचने वाले अन्य रेल माल में चावल और उर्वरक जैसी आवश्यक वस्तुएं भी शामिल हैं। इसके अलावा 156 वैगनों में ऑटोमोबाइल पहुंचाए गए हैं। ऑटोमोबाइल रेक ने वाहनों की आपूर्ति के लिए अधिक सुरक्षित और उच्च क्षमता वाला माध्यम उपलब्ध कराया है, जबकि उर्वरक और खाद्यान्न की आपूर्ति ने राज्य में कृषि तथा स्थानीय सार्वजनिक वितरण प्रणाली (ढऊर) को समर्थन दिया है। इससे भारी मात्रा में माल की लंबी दूरी की सड़क ढुलाई पर निर्भरता कम हुई है।

पहली सीमेंट मालगाड़ी ने सैरांग को माल ढुलाई केंद्र के रूप में स्थापित किया।

मिजोरम में संभाली गई पहली ऑटोमोबाइल मालगाड़ी।

रेलवे से शिक्षा और पर्यटन के अवसरों को बढ़ावा

दिल्ली, कोलकाता, गुवाहाटी और सिलचर से सीधी ट्रेन सेवाओं ने मिजोरम को घरेलू यात्रियों के लिए अधिक सुलभ बना दिया है।

रेलवे ने उन पर्यटकों के लिए किफायती यात्रा विकल्प उपलब्ध कराया है, जिन्हें पहले मुख्य रूप से हवाई यात्रा या लंबी सड़क यात्राओं पर निर्भर रहना पड़ता था।

रेलवे की शुरूआत के बाद से मिजोरम में पर्यटन में 86 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

इसका लाभ केवल यात्रियों तक सीमित नहीं रहा। पर्यटकों की बढ़ी हुई आवाजाही से होटल, होमस्टे, रेस्तरां, टैक्सी, गाइड, सांस्कृतिक उद्यम और स्थानीय बाजारों को भी फायदा मिल रहा है।

विश्वसनीय रेल कनेक्टिविटी से मिजोरम की क्षमता भी बढ़ी है कि वह शैक्षणिक, खेल, सांस्कृतिक और आधिकारिक कार्यक्रमों की मेजबानी कर सके तथा देश के अन्य हिस्सों से अधिक संख्या में प्रतिभागियों को आकर्षित कर सके।

मिजोरम के छात्रों के लिए रेलवे कनेक्टिविटी ने राज्य के बाहर स्थित विश्वविद्यालयों, व्यावसायिक संस्थानों, कोचिंग केंद्रों, परीक्षाओं और शैक्षणिक कार्यक्रमों तक पहुंच को अधिक व्यावहारिक बनाया है।

स्थानीय उद्यमः मिजो हाथों से राष्ट्रीय बाजारों तक

रेलवे मिजोरम की हथकरघा, बांस, बेंत और हस्तशिल्प परंपराओं को व्यापक बाजारों तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सैरांग से पहली पार्सल खेप 19 सितंबर 2025 को बुक की गई थी। इसमें एन्थ्यूरियम फूलों को सैरांग-आनंद विहार राजधानी एक्सप्रेस के पार्सल वैन के माध्यम से दिल्ली भेजा गया।

यह छोटी-सी खेप एक बड़े संदेश का प्रतीक थी–मिजोरम के भीतर उत्पादित उच्च-मूल्य वाली स्थानीय वस्तुएं अब राज्य से ही अपनी राष्ट्रीय बाजार यात्रा शुरू कर सकती हैं।

सैरांग से दिल्ली के लिए एन्थ्यूरियम फूलों की पहली पार्सल खेप बुक की गई।

पार्सल सुविधा ने नाजुक और समय-संवेदनशील स्थानीय उत्पादों के लिए एक सीधा बाजार मार्ग तैयार किया है।

एक वर्ष और आगेः अलगाव से नई संभावनाओं की ओर

एक वर्ष के भीतर बैराबी-सैरांग रेल लाइन ने यह साबित किया है कि दूरदर्शी सोच को सफलतापूर्वक जमीन पर उतारने से कितने व्यापक प्रभाव पैदा हो सकते हैं।

इसका प्रभाव एक साथ कई क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है:

- यात्रियों को प्रमुख शहरों तक सीधी पहुंच मिली है।
- छात्रों को संस्थानों और परीक्षाओं तक पहुंचने का अधिक व्यावहारिक मार्ग मिला है।
- पर्यटकों को किफायती प्रवेश द्वार मिला है।
- व्यापारियों को बाजारों के करीब बड़ी मात्रा में माल पहुंचाने की सुविधा मिली है।
- निर्माण सामग्री और खाद्य आपूर्ति अधिक क्षमता के साथ पहुंच रही है।
- फूल, हस्तशिल्प और अन्य स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय उपभोक्ताओं तक पहुंचने का नया माध्यम मिला है।

सैरांग का वास्तविक महत्व केवल एक रेलवे स्टेशन या रेल लाइन के निर्माण में नहीं, बल्कि उन संभावनाओं में है जिन्हें इसने जन्म दिया है।

दुर्गम पहाड़ियों से होकर बनाई गई इस रेल लाइन ने दूरी को कम किया, विकल्पों का विस्तार किया और मिजोरम को एक नई लॉजिस्टिक्स पहचान दी है।

इसने आवागमन को सम्मान, बुनियादी ढांचे को उद्यम और कनेक्टिविटी को अवसर से जोड़ा है।

सैरांग-आनंद विहार टर्मिनल राजधानी एक्सप्रेस ने मिजोरम को राष्ट्रीय राजधानी से सीधा प्रीमियम रेल संपर्क प्रदान किया।

सैरांग रेलवे ब्रिज का एक पियर 114 मीटर ऊंचा है, जो दिल्ली के कुतुब मीनार से 42 मीटर अधिक ऊंचा है।

आतंकवाद से लेकर वैश्विक सुधार तक ब्रिक्स देशों का साझा रुख

ब्रिक्स घोषणापत्र में भारत की कूटनीतिक जीत

नई दिल्ली, एजेंसी।
यहां आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में नई दिल्ली घोषणापत्र जारी किया गया, जिसने आतंकवाद, वैश्विक शासन सुधार और मध्य-पूर्व संकट जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदस्य देशों का साझा रुख प्रस्तुत किया। इस घोषणापत्र को भारत की कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है, खासकर तब जब विभिन्न वैश्विक चुनौतियों पर साझा सहमति बनाना कठिन माना जा रहा था।घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में अप्रैल 2025 को हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की गई, जिसमें 26 नागरिकों की मौत हुई थी। ब्रिक्स ने देश-समर्थित सीमा पार आतंकवाद, इसकी फंडिंग और आतंकियों के सुरक्षित ठिकानों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर जोर दिया। चीन और रूस जैसे देशों की मौजूदगी में किसी विशिष्ट आतंकी घटना का नाम शामिल करना और सीमा पार आतंकवाद पर सीधा रुख अपनाना भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत मानी जा रही है, जो आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मानदंडों को अस्वीकार करता है।संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की मांग को दोहराते हुए ब्रिक्स देशों ने इसे अधिक लोकतांत्रिक, प्रतिनिधि और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। चीन और रूस ने विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र में भारत और ब्राजील की बड़ी भूमिका और आकांक्षाओं के प्रति अपने समर्थन को दोहराया। चीन का पहले यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता का विरोध करना और अब इस पर सहमति जताना, भारत की दीर्घकालिक कोशिशों को रणनीतिक बल प्रदान करता है। गाजा संकट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए घोषणापत्र में बिना बाधा मानवीय सहायता पहुंचाने और स्थायी युद्धविराम की मांग की गई। घोषणापत्र में एकतरफा टैरिफ, व्यापार बाधाओं और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मंजूरी के बिना लगाए जाने वाले आर्थिक प्रतिबंधों का विरोध किया गया। यूरोपीय संघ के कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म जैसे ग्रीन-टैक्स उपायों को संरक्षणवाद करार दिया गया। इसके अतिरिक्त, ब्रिक्स ने विश्व व्यापार संगठन में तत्काल सुधार और उसके ठप पड़े विवाद निपटान तंत्र की बहाली की मांग की, जो नियम-आधारित वैश्विक व्यापार व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। सदस्य देशों ने आपस में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने और भुगतान प्रणालियों के बीच इंटर-कनेक्शन विकसित करने पर सहमति जताई, जिससे अमेरिकी डॉलर पर वैश्विक निर्भरता कम होगी। भारत के गुजरात स्थित गिफ्ट सिटी आईएफएससी में ब्रिक्स रिस्क लैब स्थापित करने के प्रस्ताव का स्वागत किया गया, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शासन पर भारत की पहल एआई इंपैक्ट समिट की सराहना की गई, जो भारत को वैश्विक मंच पर एक मजबूत स्थिति में रखता है। घोषणापत्र में शांतिपूर्ण परमाणु ठिकानों पर हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया गया और ऊर्जा सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया गया।

बिहार में बाढ़ का खतरा बरकरार, पुनपुन में वृद्धि चिंताजनक

-कई स्थानों पर नदियां खतरे के निशान से ऊपर, पटना में कुछ घाटों पर जलस्तर घटा

पटना(एजेंसी)। बिहार में शनिवार शाम को गंगा, कोसी और अन्य नदियों का जलस्तर विभिन्न स्थानों पर अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है, हालांकि अधिकांश जगहों पर यह या तो स्थिर है या उसमें गिरावट दर्ज की जा रही है। चिंता की बात यह है कि पुनपुन नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। जल संसाधन विभाग के बाढ़ प्रबंधन सुधार सहायता केंद्र, पटना द्वारा 12 सितंबर रात 9 बजे तक जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। गंगा नदी बक्सर में चेतावनी स्तर से 0.43 मीटर ऊपर 59.75 मीटर पर स्थिर बह रही है। पटना जिले के दीघाघाट में जलस्तर खतरे के निशान से 0.44 मीटर ऊपर 50.89 मीटर पर स्थिर रहा, जबकि गांधीघाट में यह 1.13 मीटर ऊपर 49.73 मीटर पर घटने का रुख दिखा रहा है। बांकाघाट में भी गंगा खतरे के निशान से 0.69 मीटर ऊपर स्थिर बनी हुई है। पंडारक और हाथीदह में गंगा क्रमशः चेतावनी और खतरे के निशान से ऊपर स्थिर है, हाथीदह में यह 1.18 मीटर ऊपर दर्ज की गई। आगे बढ़ते हुए, मुंगेर, सुल्तानगंज, भागलपुर और अजगैनाबाद में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर रहने के बावजूद उसमें गिरावट दर्ज की गई है। सुल्तानगंज में यह 1.83 मीटर और अजगैनाबाद में 1.20 मीटर ऊपर है। वहीं, कहलगांव और साहेबगंज में नदी अभी भी खतरे के निशान से काफी ऊपर (क्रमशः 1.60 मीटर और 1.43 मीटर) स्थिर है। इन सबके बीच, पुनपुन नदी के जलस्तर में हो रही वृद्धि ने स्थानीय प्रशासन और निवासियों की चिंता बढ़ा दी है, जिस पर लगातार नजर रखी जा रही है।

नवजात को निजी अस्पताल ने बनाया बंधक, पुलिस ने छुड़ाया

गोरखपुर (एजेंसी)। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए रेफर की गई एक नवजात बच्ची को एंबुलेंस चालक ने धोखे से फातिमा बाईपास स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचा दिया। स्वजनों का आरोप है कि निजी अस्पताल ने पहले 96 हजार रुपये वसूले और फिर बच्ची को बंधक बनाकर डिस्चार्ज के लिए 90 हजार रुपये और मांगे। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद अतिरिक्त 30 हजार रुपये लेकर बच्ची को छोड़ा गया। कुशीनगर के कसया स्थित वरदान अस्पताल में 29 अगस्त को जन्मी इस बच्ची को सांस लेने में दिक्कत थी। प्रारंभिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने 5 सितंबर को उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था। बच्ची के बाबा अर्जुन कुशवाहा ने बताया कि इसी दौरान एक निजी एंबुलेंस चालक ने उन्हें गुमराह किया और बेहतर इलाज का झांसा देकर शाहपुर के फातिमा बाईपास स्थित एकता मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती करा दिया। स्वजनों के मुताबिक, 5 सितंबर से बच्ची का उपचार इसी अस्पताल में चल रहा था। इस दौरान इलाज और दवा के नाम पर उनसे 96 हजार रुपये जमा करा लिए गए। जब उन्होंने बच्ची को डिस्चार्ज कर बीआरडी ले जाने का अनुरोध किया, तो अस्पताल प्रबंधन ने 90 हजार रुपये और जमा करने को कहा। रकम न देने पर बच्ची को बंधक बनाए रखा गया। परेशान स्वजनों ने डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद शाहपुर थाने में दोनों पक्षों को बुलाया गया। शाहपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि समझाने-बुझाने के बाद 30 हजार रुपये और लेकर नवजात को डिस्चार्ज कराया गया। हालांकि, अस्पताल संचालक मैनुद्दीन ने आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि केवल उपचार में लगे खर्च की ही धनराशि ली गई है।

निखिल कोचिंग संचालक ने मांगी सुरक्षा, कहा- खान सर से खतरा

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना के मशहूर कोचिंग शिक्षक खान सर उर्फ फैजल खान एक बार फिर गंभीर विवादों में घिरे नजर आ रहे हैं। पहले रोशन आनंद के साथ उनके विवाद ने सुर्खियां बटोरी थीं, और अब करीब एक महीने पहले उत्तर प्रदेश की एक लड़की ने खान सर के खिलाफ पटना के पीरबहोर थाने में सुरक्षा को लेकर एक आवेदन दिया था, जिससे नया विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले में निखिल कोचिंग संस्थान के डायरेक्टर निखिल कुमार ने उस लड़की का खुलकर समर्थन किया है, जिसके बाद उन्होंने खान सर के कथित गुर्गों द्वारा धमकी दिए जाने का आरोप लगाया है।निखिल कुमार ने इस संबंध में पटना सिटी एसडीपीओ और पटना एसएसपी को एक लिखित आवेदन दिया है। आवेदन में उन्होंने अपनी जान को खतरा बताते हुए कहा है कि उनके गुर्गों द्वारा उनकी रेकी (जासूसी) की जा रही है और उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है।

पश्चिम बंगाल में बिना पंजीयन कर चल रहे 252 मदरसों को बंद करने का नोटिस

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बिना पंजीकरण या मान्यता के संचालित हो रहे मदरसों पर कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य के 22 जिलों और कोलकाता में कराए गए सर्वेक्षण में 2396 मदरसे ऐसे पाए गए हैं, जिनके पास सरकारी पंजीकरण या किसी मान्यता प्राप्त सरकारी बोर्ड की मंजूरी नहीं है। अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग की ओर से कराए गए इस सर्वेक्षण के आधार पर पहले चरण में 252 मदरसों को तत्काल बंद करने का नोटिस जारी किया गया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के मुताबिक सर्वेक्षण में कुल 2,132 मदरसे ऐसे पाए गए जो जरुरी पंजीकरण या मान्यता के साथ संचालित हो रहे हैं। वहीं, जिला प्रशासन की रिपोर्ट में 2,396 संस्थानों के पास जरूरी पंजीकरण या सरकारी बोर्ड से संबद्धता नहीं होने की जानकारी सामने आई है। सत्यापन के बाद मदरसा शिक्षा निदेशालय ने 252 संस्थानों को संचालन तत्काल बंद करने का निर्देश दिया है। इन नोटिस की प्रतियां संबंधित जिलाधिकारियों को भी भेजी गई हैं। जिलाधिकारियों को यह तय करने के लिए कहा गया है कि संबंधित संस्थानों का संचालन बंद हो। इसके अलावा 100 अन्य मदरसों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। यदि वे अपनी वैधता साबित करने में विफल रहते हैं तो कानून के तहत उनके खिलाफ भी बंद करने की कार्रवाई की जा सकती है।

सागर शराब कांड में 2 की और मौत, मृतक संख्या 36 हुई

सागर (एजेंसी)। सागर जिले में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांड में उपचार के दौरान दो और लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही जहरीली शराब से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 36 हो गई है। घटना के बाद प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस अवैध शराब के निर्माण और बिक्री से जुड़े लोगों की तलाश में जुटी है। वहीं, अस्पतालों में भर्ती अन्य प्रभावित लोगों के उपचार पर भी निगरानी रखी जा रही है। इस घटना ने अवैध शराब के कारोबार और प्रशासनिक निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता देने की मांग की है।

ब्रिक्स में विशेषज्ञों ने कहा- भारत बना वैश्विक डिजिटल और एआई का केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी।
ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के पहले दिन विभिन्न देशों के विशेषज्ञों ने भारत की डिजिटल तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक भूमिका की जमकर सराहना की। विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत तेजी से एक वैश्विक एआई केंद्र के रूप में उभर रहा है, जिसके चलते ब्रिक्स देशों के बीच तकनीकी साझेदारी, नवाचार और ज्ञान के आदान-प्रदान की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने भारत के विशिष्ट डिजिटल भुगतान मॉडल, विशेषकर यूपीआई, को भी विश्व के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बताया, जो समावेशी विकास और वित्तीय समावेशन का एक प्रतीक बन गया है। इस अवसर पर मिस्र के एआई विशेषज्ञ अहमद गमाल ने ब्रिक्स को उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए तकनीकी सहयोग और नवाचार का एक साझा मंच बताया। उन्होंने भारत और मिस्र के बीच एआई क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की व्यापक संभावनाओं पर प्रकाश डाला, जिससे भविष्य में संयुक्त परियोजनाओं और ज्ञान साझा करने का मजबूत आधार तैयार हो सकता है। गमाल ने यह भी कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विशेषकर एजेंटिक एआई का उभरता दौर, आने वाले वर्षों में रोजगार और काम करने के तरीकों में बड़े बदलाव लाएगा। उन्होंने सरकारों और उद्योगों को इस बदलती तकनीक को समझकर इसका जिम्मेदारी के साथ उपयोग करने की सलाह दी, ताकि विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ाई जा सके और समाज को इसका अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने ब्रिक्स सदस्य देशों को एक-दूसरे की विशेषज्ञता से सीखने और नवाचार को गति देने के लिए प्रोत्साहित किया।

सवालों पर बोले दीपके- मुझे सीएम समझ रहे हैं तो इस्तीफा दे देता हूं

बोले- ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने और अधिकारियों को निलंबित करने का रिकॉर्ड बनाऊंगा

बालाघाट, एजेंसी।
मध्य प्रदेश के बालाघाट पहुंचे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संयोजक अभिजीत दीपके को शनिवार को एक अजीबोगरीब स्थिति का सामना करना पड़ा। आदिवासी इलाके में संक्रामक बीमारियों से बच्चों की मौतों के बाद स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने पहुंचे दीपके की कार को कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने घेर लिया और उनसे तीखे सवाल किए, जिसके बाद दीपके ने तंज कसते हुए कहा कि आप मुझे मुख्यमंत्री समझ रहे हैं तो मैं इस्तीफा दिए देता हूं।
वायरल हुए एक वीडियो में, एक महिला इन्फ्लुएंसर खुद को बताते हुए दीपके से पूछती सुनाई दे रही है कि क्या वह लाशों पर राजनीति करने आए हैं और इतनी देर से क्षेत्र का दौरा क्यों कर रहे हैं। वीडियो में दीपके यह कहते सुने गए कि क्षेत्र का दौरा करने में हुई देरी के लिए वह माफी मांगते हैं। महिला को यह कहते भी सुना गया, यहां अच्छी सड़क बनी है, दिखाई नहीं दे रही क्या? इस बहस के बाद अभिजीत दीपके ने तंज कसते हुए कहा कि वह मध्य प्रदेश के राजभवन जाकर राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर अपना इस्तीफा दे देंगे। उनकी पार्टी, सीजेपी ने भी इसी तर्ज पर तंज कसते हुए कहा कि अभिजीत दीपके को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इस घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इन्फ्लुएंसर्स ऐसे प्रश्न कर रहे थे जैसे सूबे के मुख्यमंत्री से बात कर रहे हों।
दीपके बालाघाट में उन आदिवासी परिवारों से मिलने पहुंचे थे, जिन्होंने अपने बच्चे खो दिए थे। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा बताए जा रहे मौतों के आंकड़े वास्तविकता के मुकाबले बहुत कम हैं। दीपके ने दावा किया कि आदिवासियों के सड़क पर उतरने के बाद कम से कम 86 बच्चों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, और अगर बच्चों को समय पर इलाज मिल जाता तो उनकी जान बचाई जा सकती थी। स्थानीय पत्रकारों ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि दूरदराज के गांव में बाहर से आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का समूह मौजूद था। उन्होंने आशंका जताई कि दीपके के दौरे में बाधा डालने के लिए इन लोगों को किसी के कहने पर वहां भेजा गया था, हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

मोह में फंसकर पार्टी को नुकसान नहीं होने दूंगी: मायावती

-छोटे भतीजे ईशान से भी छीनी जिम्मेदारी

लखनऊ, एजेंसी।
बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने बड़े भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से बाहर निकालने के बाद अब अपने छोटे भतीजे ईशान आनंद से भी पार्टी की जिम्मेदारी छीन ली है। ईशान को मायावती ने मात्र छह दिन पहले ही पार्टी का मुख्य सेक्टर कोआर्डिनेटर नियुक्त किया था। शनिवार को अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में मायावती ने यह भी प्रतिज्ञा ली कि वह भविष्य में अपने भाई आनंद कुमार के किसी भी बेटे को पार्टी में कोई जिम्मेदारी नहीं देंगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वह मोह (लगाव) में पड़कर पार्टी का किसी भी प्रकार से नुकसान नहीं होने देंगी।
मायावती ने 3 सितंबर को अपने बड़े भतीजे आकाश आनंद को राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर के पद से हटाया था, जिसके बाद 7 सितंबर को छोटे भतीजे ईशान आनंद को मुख्य सेक्टर कोआर्डिनेटर बनाया था। हालांकि, यह जिम्मेदारी भी उनसे अब ले ली गई है। मायावती ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा है कि बसपा के मिशन की सफलता में किसी का भी रोड़ा बनना उन्हें स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी एकमात्र चिंता अपने बहुजन समाज परिवार के हित, कल्याण और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने की है। उन्होंने पार्टी संस्थापक कांशीराम की विचारधारा का अनुसरण करते हुए बताया कि उन्होंने अपने किसी भी सगे भाई-बहन और उनके परिवार के युवा सदस्यों, तथा नजदीकी रिश्तेदारों को पार्टी के कार्यों तक सीमित रखकर उन्हें सांसद, विधायक, मंत्री पद और अन्य किसी भी राजनीतिक लाभ के पदों से हमेशा दूर रखा है। बसपा सुप्रीमो ने अपनी अविवाहित स्थिति का हवाला देते हुए कहा कि उन्हें मजबूरी में अपने सबसे छोटे भाई आनंद कुमार को अपने साथ रखने की आवश्यकता पड़ी। वह उनकी देखभाल करने के साथ-साथ उनकी निगरानी में पार्टी की जिम्मेदारियों को निभा रहे हैं। लेकिन, मायावती ने स्पष्ट किया कि इसका लाभ अब उनके परिवार के लोग उठाएं, यह पार्टी और मूवमेंट के हित में सही नहीं होगा। उन्होंने अपनी अंतिम फैसला और प्रतिज्ञा बताते हुए कहा कि आनंद कुमार के किसी भी बेटे को बसपा में छोटे-बड़े पद पर रहकर राजनीति करने का मौका नहीं दिया जाएगा। यह निर्णय आकाश आनंद को पार्टी से हटाने के बाद आया है, जिसके लिए मायावती ने पहले उन्हें एक अल्टीमेटम दिया था। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उन्होंने लिखा था कि आकाश को तभी जिम्मेदारी दी जा सकती है, जब उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ राजनीति से संन्यास ले लें। इस अल्टीमेटम के बाद गुरुवार सुबह आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ ने अपने एक्स अकाउंट पर राजनीतिक और सामाजिक जीवन से संन्यास की घोषणा कर दी थी, साथ ही पार्टी के प्रति अपने समर्पण का पक्ष भी रखा था। हालांकि, इसके तुरंत बाद ही मायावती ने भी तगड़ा पलटवार किया और एक्स अकाउंट पर आकाश आनंद को पार्टी से बाहर किए जाने की घोषणा कर दी।

ब्रिक्स समिट के बीच राहुल गांधी की मलेशियाई पीएम इब्राहिम से मुलाकात

-प्रियंका गांधी भी रहीं मौजूद, दोनों नेताओं ने ब्रेकफास्ट पर की बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी।
नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली में चल रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से रविवार को मलेशिया के प्रधानमंत्री दातो' सेरी अनवर बिन इब्राहिम ने मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहीं। दोनों नेताओं की मुलाकात ब्रिक्स सम्मेलन से इतर हुई और उन्होंने साथ में नाश्ता किया। कांग्रेस पार्टी ने इस खास मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम के बीच हुई इस मुलाकात को भारत और मलेशिया के बीच बढ़ते संबंधों के बीच अहम माना जा रहा है। हालांकि, बैठक में किन विशेष मुद्दों पर चर्चा हुई, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। इससे एक दिन पहले मलेशियाई प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी द्विपक्षीय मुलाकात की थी। ब्रिक्स से इतर हुई इस बैठक में दोनों देशों के बीच सहयोग से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक के बाद कहा था कि भारत और मलेशिया के संबंध अब सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और प्रतिभा की आवाजाही जैसे नए और महत्वाकांक्षी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा था कि दोनों देशों के बीच बढ़ता रक्षा सहयोग, द्विपक्षीय निवेश और लोगों के बीच मजबूत होते संबंध व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई गति दे रहे हैं। मोदी ने यह भी कहा था कि भारत और मलेशिया दोनों देशों के रिश्तों की पूरी क्षमता हासिल करने के लिए मिलकर काम जारी रखेंगे। वहीं, द्विपक्षीय बैठक की शुरुआत में अनवर इब्राहिम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता की भी तारीफ की थी।

पांच राज्यों में आपराधिक मामलों वाले 1405 उम्मीदवारों को टिकट बांटे गए

-रिपोर्ट में खुलासा, राजनीतिक पार्टियों ने दागियों को टिकट देने की वजह नहीं बताई

नई दिल्ली,, एजेंसी।
एसोसिएशन फॉम डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट में कहा गया है कि पांच राज्यों में आपराधिक मामलों वाले 1405 उम्मीदवारों को टिकट दिए गए। ये राज्य असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पार्टियों ने आपराधिक रिकॉर्ड वाले 176 उम्मीदवारों को टिकट देने की वजह नहीं बताई। एडीआर ने 51 पार्टियों के 3,539 उम्मीदवारों के रिकॉर्ड की जांच की। इनमें 1,405 उम्मीदवारों ने अपने हलफनामे में अपराधिक मामले घोषित किए थे। इनमें से 1,229 प्रत्याशियों के लिए पार्टियों ने सी-7 फॉर्म में जानकारी दी, जबकि 176 ने जानकारी नहीं दी। रिपोर्ट के मुताबिक पांचों राज्यों में तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 72 उम्मीदवारों के सी-7 खुलासे नहीं मिले। एडीआर ने यहां 1,162 उम्मीदवारों का रिकॉर्ड देखा, जिनमें 473 ने आपराधिक मामले घोषित किए थे। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 55, केरल में 27, पुडुचेरी में 12 और असम में 10 उम्मीदवारों की सी-7 जानकारी उपलब्ध नहीं थी। पुडुचेरी में 112 उम्मीदवारों में से 39 ने आपराधिक मामले घोषित किए थे। इनमें सिर्फ 12 उम्मीदवारों के टिकट देने का कारण उपलब्ध था।
एडीआर ने सिर्फ सी-7 जानकारी गायब होने पर ही सवाल नहीं उठाए, बल्कि पार्टियों की ओर से दिए गए कारणों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कई उम्मीदवारों के लिए लोकप्रियता, सामाजिक कार्य, अनुभव, योग्यता और अच्छी छवि जैसे एक ही तरह के कारण बताए गए। कई मामलों में भाषा भी एक जैसी थी यानी हर उम्मीदवार के आपराधिक रिकॉर्ड और योग्यता के आधार पर अलग कारण बताने के बजाय एक तय भाषा का इस्तेमाल किया गया।
एडीआर ने तमिलनाडु में बीजेपी, एआईएडीएमके, डीएमके और टीवीके के कुछ उम्मीदवारों के सी-7 फॉर्म में एक जैसे शब्दों का इस्तेमाल का जिक्र किया है। इससे सवाल उठता है कि क्या उम्मीदवारों के चयन की वजहों को अलग-अलग तैयार किया गया था या सिर्फ औपचारिकता पूरी की गई।
एडीआर ने कहा कि रिपोर्ट चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान पार्टियों की वेबसाइट और सोशल मीडिया पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर तैयार की गई है। संभव है कि कुछ पार्टियों ने सी-7 की जानकारी किसी दूसरे जरिए से जारी की हो, जो एडीआर के रिकॉर्ड में नहीं आ पाई गई। इसलिए 191 मामलों में जानकारी नहीं मिलने को सीधे नियमों का उल्लंघन नहीं माना गया है। इसे सार्वजनिक रिकॉर्ड में जानकारी उपलब्ध न होने के तौर पर देखा गया है।

साहेबगंज के चर्चित विनायका रेस्टोरेंट में फूड सेफ्टी टीम का छापा: किचन में सड़ी सब्जियां और चिमनी से टपकती मिली कालिख

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । शहर के एक चर्चित विनायका रेस्टोरेंट के किचन में शनिवार को स्वच्छता व्यवस्था की पोल उस वक्त खुल गई, जब बिते दिन फुड सेफ्टी ऑफिसर नवरंग देव और आशीष वर्मा व स्वास्थ्य विभाग की टीम निरीक्षण के लिए पहुंची। किचन में जगह- जगह गंदगी, खाद्य सामग्री के रखरखाव में लापरवाही और वेस्टेज की अव्यवस्था देखकर अधिकारियों ने नाराजगी जताई। टीम ने कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए तत्काल व्यवस्था सुधारने का निर्देश दिया। वहीं निरीक्षण के दौरान किचन में रखी पुरानी सब्जी अधिकारियों की नजर में आई। टीम के अनुसार उससे दुर्गंध आ रही थी। फ्रिज में रखी खाद्य सामग्री के रखरखाव और स्वच्छता को लेकर भी सवाल उठाए गए। खाद्य पदार्थ तैयार किए जाने वाले स्थान पर पर्याप्त साफ-सफाई नहीं मिलने पर कर्मचारियों से जानकारी ली गई।

चिमनी से टपक रहा था काला पदार्थ

किचन की धुआं निकासी व्यवस्था की जांच के दौरान भी खामी सामने आई। अधिकारियों ने देखा कि धुआं निकासी वाले हिस्से से काले रंग का पदार्थ नीचे की ओर टपक रहा था। टीम ने इसे गंभीरता से लेते हुए नियमित सफाई कराने और किचन को स्वच्छ रखने का निर्देश दिया। वहीं, किचन से निकलने वाले वेस्टेज को व्यवस्थित तरीके से रखने की व्यवस्था भी अधिकारियों को संतोषजनक नहीं मिली। खाद्य सामग्री और कचरे के रखरखाव को लेकर कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए।

बाथरूम पहुंची टीम तो वहां भी मिली गंदगी

निरीक्षण केवल किचन तक सीमित नहीं रहा। टीम ने रेस्टोरेंट के बाथरूम की भी जांच की, जहां साफ-सफाई की स्थिति पर अधिकारियों ने नाराजगी जताई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि खाद्य प्रतिष्ठान में किचन से लेकर परिसर के अन्य हिस्सों तक स्वच्छता मानकों का पालन जरूरी है। फूड इंस्पेक्टर ने कहा कि निरीक्षण के दौरान किचन और बाथरूम में कई कमियां पाई गई हैं। संबंधित प्रतिष्ठान को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए हैं। नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई के बाद अब रेस्टोरेंट प्रबंधन पर स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त करने का दबाव बढ़ गया है। विभाग ने संकेत दिया है कि निरीक्षण में सामने आई कमियों को लेकर नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

राजमहल में बाढ़ पीड़ितों के लिए लंगर का आयोजन, पुलिस ने बढ़ाया मदद का हाथ

बिभा संवाददाता

राजमहल । जिले में बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए पुलिस प्रशासन लगातार प्रयासरत है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के निर्देश पर राजमहल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विमलेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में वीते शनिवार की रात को राजमहल थाना परिसर में बाढ़ पीड़ितों के लिए लंगर का आयोजन किया गया। वही इस दौरान बाढ़ से प्रभावित कई परिवारों को परिसर में ही भोजन कराया गया। प्रशासन के अनुसार, कई बाढ़ पीड़ितों के घरों में पानी भर जाने और खाना बनाने के स्थानों के जलमग्न हो जाने के कारण उन्हें थाना परिसर में लाकर भोजन उपलब्ध कराया गया। साथ ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विमलेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बाढ़ पीड़ितों की हरसंभव सहायता की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री और भोजन उपलब्ध कराने का कार्य जारी रहेगा, ताकि किसी भी पीड़ित को असुविधा न हो। वही स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन के इस मानवीय पहल की सराहना की है। बता दें कि बाढ़ के चलते कई परिवार विस्थापित हुए हैं, जिन्हें सुरक्षित स्थानों पर भोजन और अन्य जरूरी सामान मुहैया कराया जा रहा है। मौके पर थाना प्रभारी हसनैन अंसारी,एसआई ओम प्रकाश चौहान, महादेव उरांव,पवन कुमार,एएसआई दीवान कुमार निराला सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

स्कूटी अनियंत्रित होकर गिरी, मां-बेटा गंभीर घायल

राजमहल(बिभा)। राजमहल-साहेबगंज निमार्णाधीन फोरलेन सड़क पर तुतीर्पुर गांव के समीप वीते शनिवार की रात एक दर्दनाक हादसा सामने आया। स्कूटी सवार मां-बेटा अचानक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।वही जानकारी के अनुसार, चायटोली निवासी जितेंद्र महतो की पत्नी जया देवी (46) अपने बेटे अमित कुमार (26) के साथ रिश्तेदार के घर सकरीगली से रात में लौट रही थी। इसी दौरान तुतीर्पुर गांव के पास अचानक एक गीदड़ सड़क पर आ गया। गीदड़ को बचाने के प्रयास में अमित स्कूटी पर नियंत्रण नहीं रख सका और स्कूटी अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में मां-बेटा दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और सड़क पर ही पड़े रहे। इसी बीच वहां से गुजर रहे एक राहगीर की नजर घायलों पर पड़ी। उसने तत्काल अनुमंडल अस्पताल को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन ने एंबुलेंस मौके पर भेजी और दोनों घायलों को राजमहल अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद डॉ. उदय टुडू ने दोनों का इलाज किया। अमित कुमार की हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया, जबकि जया देवी का इलाज अस्पताल में किया गया। वही घटना की सूचना मिलते ही एसआई दिनेश हांसदा अनुमंडल अस्पताल पहुंचे और घायलों से घटना की विस्तृत जानकारी ली। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

नगर पंचायत ईओ पर दुर्व्यवहार और मनमानी का आरोप, कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

राजमहल(बिभा) । नगर पंचायत राजमहल के कार्यपालक पदाधिकारी पर आम लोगों के साथ दुर्व्यवहार करने, जनसमस्याओं के प्रति उदासीन रवैया अपनाने और मनमानी करने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में समाजसेवी सह राजमहल विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक प्रत्याशी गोपाल चंद्र मंडल ने साहेबगंज उपायुक्त को लिखित शिकायत सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं शिकायत में गोपाल चंद्र मंडल ने कहा है कि राजमहल शहर के विभिन्न लोगों से लगातार नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी के व्यवहार और कार्यशैली को लेकर शिकायतें मिल रही हैं। आरोप है कि लोगों की समस्याओं के समाधान के बजाय होल्डिंग टैक्स, जलापूर्ति और विभिन्न प्रकार के जुमार्ने के माध्यम से उन्हें परेशान किया जा रहा है। उन्होंने सरकारी संसाधनों के कथित दुरुपयोग और आम लोगों को डराने- धमकाने का भी आरोप लगाया है। साथ ही शिकायतकर्ता का कहना है कि कई लोगों के साथ कथित तौर पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया है। उन्होंने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से जुड़ी समस्याओं का भी उल्लेख करते हुए कहा कि इस मामले को लेकर पूर्व में राज्यपाल से भी शिकायत की जा चुकी है। गोपाल चंद्र मंडल ने उपायुक्त से मामले की जांच कर नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी पर कार्रवाई करने तथा शहरवासियों की विभिन्न समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक जन आंदोलन एवं आमरण अनशन किया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

लंगर में सैकड़ों बाढ़ पीड़ितों को कराया गया भोजन

उधवा (बिभा)। बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राधानगर थाना परिसर में लंगर की व्यवस्था शुरू की गई है। पुलिस परिवार की इस पहल के तहत बाढ़ प्रभावित जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। रविवार को लंगर में सैकड़ों बाढ़ पीड़ितों को भोजन कराया गया। गौरतलब है कि साहिबगंज एसपी अमित कुमार सिंह के निर्देश पर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत के उद्देश्य से लंगर की व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में राधानगर थाना परिसर में बाढ़ पीड़ितों के लिए भोजन की व्यवस्था की जा रही है। पुलिस ने प्रभावित लोगों से अपील की है कि वे राधानगर थाना पहुंचकर लंगर में भोजन ग्रहण कर सकते है।

मामा के घर आए 16 वर्षीय किशोर की अचानक मौत, पोस्टमार्टम से परिजनों ने किया इनकार

राजमहल(बिभा) । तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के हाथीगढ़ गांव में सोमवार की सुबह उस समय मातम छा गया, जब अपने मामा के घर आए 16 वर्षीय एक किशोर की अचानक मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई। वही मृतक की पहचान बिहार के भागलपुर जिले के घोंघा थाना क्षेत्र अंतर्गत पक्की सड़क निवासी आकाश साहा (16) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि आकाश कुछ दिनों से तीनपहाड़ के हाथीगढ़ स्थित अपने मामा जोशी शर्मा के घर पर रह रहा था। वही परिजनों के अनुसार, घटना की सुबह आकाश घर के बाहर बैठा हुआ था। इसी दौरान वह पानी पीने के लिए घर के अंदर गया, लेकिन अंदर जाते ही वह अचानक गिर पड़ा। उसे गिरता देख परिजनों में हड़कंप मच गया और वे तत्काल उसे स्थानीय क्लिनिक लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे बेहतर इलाज के लिये राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। जिसके बाद परिजन आनन-फानन में आकाश को लेकर राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इधर मौत की खबर मिलते ही अस्पताल परिसर में परिजनों के रोने-चीखने की आवाज से माहौल गमगीन हो गया। वही घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में लिखित आवेदन देकर पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। किशोर की असमय मौत से परिवार के साथ-साथ आसपास के लोग भी स्तब्ध हैं।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में एसडीओ ने पीड़ित परिवारों के बीच बांटी राहत सामग्री

बिभा संवाददाता

उधवा। उधवा प्रखंड क्षेत्र के दक्षिण पलाशगाछी व पश्चिमी प्राणपुर पंचायत अंतर्गत गोलढाव चुआर सहित बाढ़ प्रभावित इलाकों का रविवार को राजमहल एसडीओ सदानंद महतो ने दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। एसडीओ के साथ उधवा अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल,बीडीओ उधवा जयंत कुमार तिवारी एवं दक्षिण पलाशगाछी पंचायत की मुखिया नफीसा खातून मौजूद थी। जानकारी के अनुसार एसडीओ सदानंद महतो नाव पर सवार होकर प्रभावित इलाकों तक पहुंचे। उन्होंने विभिन्न स्थानों का निरीक्षण कर बाढ़ की स्थिति,लोगों की परेशानी तथा प्रभावित परिवारों की जरूरतों की जानकारी ली। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। दौरे के क्रम में एसडीओ ने बाढ़ से प्रभावित पीड़ित परिवारों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि प्रशासन बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। राहत सामग्री मिलने से बाढ़ प्रभावित परिवारों ने राहत की सांस ली। एसडीओ सदानंद महतो ने कहा कि प्रशासन की टीम बाढ़ पीड़ितों के साथ हमेशा खड़ी है। आपदा की इस घड़ी में प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि बाढ़ के कारण उत्पन्न किसी भी तरह की समस्या अथवा आवश्यकता की जानकारी तत्काल प्रशासन को दें। ताकि समय रहते आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सकें। वहीं अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल ने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को आगे भी हरसंभव मदद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से जरूरत के अनुसार राहत एवं सहायता पहुंचाई जाएगी। मौके पर अनुसेवक अर्जुन मंडल,मुखिया प्रतिनिधि ताजरूल हक,पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि अब्दुल हन्नान सहित अन्य मौजूद थे।

अलग-अलग मामलों के दो आरोपित गिरफ्तार,भेजा गया जेल

बिभा संवाददाता

उधवा । राधानगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र में छापेमारी कर अलग-अलग मामलों के दो आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपित को पुलिस ने रविवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार राधानगर थाना में दर्ज कांड संख्या 133/21 के अप्राथमिकी आरोपित राजमहल थाना क्षेत्र के नारायणपुर निवासी यासिन शेख उर्फ यासिन बच्चा को गिरफ्तार किया गया। जबकि राधानगर कांड संख्या 262/26 के प्राथमिकी आरोपित उत्तर पलाशगाछी पंचायत के आजुल टोला निवासी टुनू शेख को गिरफ्तार किया गया। उक्त दोनों आरोपित फरार चल रहा था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर अलग-अलग मामलों के दो आरोपित को गिरफ्तार कर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

अपराध नियंत्रण के साथ बाढ़ पीड़ितों की मदद में आगे रहें पदाधिकारी : एसपी

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। जिले में बाढ़ की स्थिति और लगातार आने वाले पर्व-त्योहारों को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कमर कस ली है। रविवार को पुलिस लाइन परिसर स्थित एसपी कार्यालय के सभागार में आयोजित क्राइम मीटिंग में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने अधिकारियों को अपराध नियंत्रण के साथ मानवीय जिम्मेदारी निभाने का भी निर्देश दिया। वहीं बैठक में एसपी ने कहा कि पुलिस की भूमिका केवल अपराधियों की गिरफ्तारी और कांडों के अनुसंधान तक सीमित नहीं है। आपदा की स्थिति में आम लोगों के साथ खड़ा होना भी पुलिस की जिम्मेदारी है। उन्होंने जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों में तैनात पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को जरूरतमंद लोगों की सहायता करने, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा राहत कार्यों में सहयोग देने का निर्देश दिया। वहीं गणेश चतुर्थी, विश्वकर्मा पूजा सहित आगामी पर्वों को लेकर सभी थाना क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया। संवेदनशील स्थानों की पहचान कर वहां निगरानी बढ़ाने, नियमित गश्ती करने और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखने का निर्देश दिया गया। एसपी ने अधिकारियों से पर्व के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पहले से आवश्यक तैयारियां पूरी रखने को कहा। साथ ही क्राइम मीटिंग में लंबित कांडों के निष्पादन और अपराध नियंत्रण की भी समीक्षा हुई। थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार सक्रिय रहने, संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाने और असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। मौके पर मुख्यालय डीएसपी रविकांत साव, सदर एसडीपीओ सुशील कुमार, राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी, बरहरवा एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल सहित जिले के सभी थाना प्रभारी मौजूद थे।

जैप-9 परिसर में लगाए गए 105 फलदार पौधे, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। गंगा मिशन कोलकाता-साहेबगंज की ओर से रविवार को जैप-9 परिसर में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान झारखंड सशस्त्र पुलिस-9 के परिसर में 105 फलदार पौधे लगाए गए। अभियान के माध्यम से गंगा मिशन के तहत गंगा तटीय जिलों में पौधारोपण की मुहिम को आगे बढ़ाया गया। इस अवसर पर जैप-9 के पदाधिकारी सुदान बुढ़ ने कहा कि वृक्षारोपण जनजीवन के लिए बेहद जरूरी है। प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे। उन्होंने जैप-9 परिसर में गंगा मिशन की ओर से किए जा रहे पौधारोपण को सराहनीय पहल बताया। कार्यक्रम के दौरान कविवर सुधीर श्रीवास्तव ने पौधारोपण कर पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डाला। कवि आनंद मोदी ने 'छुईमुई' कविता का पाठ करते हुए जल, जंगल और पर्यावरण की उपयोगिता को रेखांकित किया। अधिवक्ता राजीव सिंह, बचनेश्वर पाठक, बृजमोहन यादव और अशोक सर्राफ ने भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपने विचार रखे। मौके पर निरीक्षक सत्येंद्र पासवान, हवलदार मेजर जनार्दन सिंह, धर्मनाथ लोहार, अनिल कुमार सिंह, अजय कुमार यादव, उमेश उरांव, आरक्षी गोकुल पंडित, बृजेश कुमार सिंह, बिहारी मरांडी, मिंटू गुप्ता सहित जैप-9 के जवान एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

झामुमो जिला समिति की बैठक, 19 सितंबर को सभी प्रखंड मुख्यालयों में धरना-प्रदर्शन का लिया निर्णय

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति साहेबगंज की बैठक रविवार को पतना प्रखंड स्थित मुख्यमंत्री आवास झामुमो कार्यालय में जिला अध्यक्ष अरुण सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन जिला सचिव सुरेश टुडू ने किया। इसमें केंद्रीय समिति के निदेर्शानुसार 19 सितंबर को जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों में एमएमडीआर संशोधन विधेयक के विरोध में धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। वहीं जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता एमएमडीआर संशोधन विधेयक के मुद्दे को पंचायत स्तर तक ले जाकर आम लोगों को इसकी जानकारी देंगे। उन्होंने सभी प्रखंड एवं नगर कमेटियों को एसआईआर प्रक्रिया में पात्र मतदाताओं की मदद करने का निर्देश दिया, ताकि किसी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं कटे। वहीं जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष संजय गोस्वामी ने एमएमडीआर संशोधन विधेयक का विरोध करते हुए इसे झारखंड की जनता के लिए काला कानून बताया। उन्होंने कार्यकताओं से 19 सितंबर को बड़ी संख्या में प्रखंड कार्यालयों में पहुंचकर धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने की अपील की। वहीं, जिला उपाध्यक्ष संजीव शामू हेंब्रम ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा लाया गया खनिज संशोधन कानून झारखंड की जनता के विकास कार्यों को प्रभावित करने वाला है। उन्होंने कहा कि झामुमो इस कानून के खिलाफ आंदोलन करेगा। साथ ही एसआईआर प्रक्रिया में पात्र मतदाताओं को हरसंभव सहयोग देने की बात कही।वहीं बैठक के दौरान झारखंड सरकार के मंत्री एवं पार्टी के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुदीव्य कुमार सोनू तथा बरहरवा प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल गफूर की पत्नी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बबलू मिश्रा, मुजीबुर रहमान, मो. अखलाकुर रहमान, जिला कार्यकारिणी सदस्य नजरूल इस्लाम, जिला युवा मोर्चा सचिव मो. मारुफ उर्फ गुड्डू, जिला उपाध्यक्ष जेम्स किस्कू, जलेबी सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष बसंती हांसदा, जिला सचिव संगीता हांसदा, जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम, काजू मल्लिक, अख्तर आलम, नसीम अख्तर, बर्नाड मरांडी, गुरु हेंब्रम, मो. शाहबाज, महेश शाह, सुबोध सोरेन, अमरदीप सिंह, आदित्य यादव, जोसेफ, मो. जहांगीर अंसारी, अनिसुर रहमान, मो. आजाद, अयूब अली, स्टीफन मुर्मू, गफ्फार अंसारी, शक्ति नाथ अमन, धर्मवीर महतो, इकबाल हुसैन, प्रदीप टोप्पो, देव सोरेन, सुनीराम हांसदा, मो. एजाज अंसारी, रिजवान अंसारी, फरहाद अंसारी, सुरेश मरांडी, मंजू मुर्मू, पल्लवी मरांडी, जेठा मरांडी, पूसा टुडू, शकील अहमद, मानवेल हांसदा, अरसद अंसारी, हेमलाल हेंब्रम समेत अन्य मौजूद रहे।

बंद मकान का ताला तोड़कर 50 हजार नकद समेत सोने-चांदी के जेवरात चोरी

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल थाना क्षेत्र के मुंडमाला गांव में अज्ञात चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़कर नकदी और लाखों रुपये के आभूषण पर हाथ साफ कर दिया। चोर करीब 50 हजार रुपये नकद, एक भरी सोने के आभूषण और करीब 20 भरी चांदी के जेवरात समेत अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी रविवार सुबह मकान की देखरेख करने पहुंचे परिजनों को हुई।जानकारी के अनुसार, मुंडमाला निवासी राजेश साहा कोलकाता में नौकरी करते हैं।मनसा पूजा के लिए गांव आने के बाद वे करीब एक सप्ताह पूर्व वापस कोलकाता लौट गए थे। घर की देखरेख के लिए उन्होंने अपने चाचा अनिल साहा को चाबी सौंपी थी। अनिल साहा और उनके परिवार के सदस्य समय-समय पर घर पहुंचकर साफ-सफाई और पूजा-पाठ करते थे। रविवार सुबह अनिल साहा घर पहुंचे तो बाहर और अंदर के ताले टूटे मिले। अंदर जाने पर अलमारी, बक्सा और अन्य सामान क्षतिग्रस्त व बिखरा हुआ पाया गया। चोर मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में दाखिल हुए थे। वारदात के बाद टूटे ताले को भी अपने साथ ले गए। राजेश साहा के पुत्र दीपक साहा ने बताया कि घर में कोई नहीं रहता था और परिवार के लोग कभी-कभी देखरेख के लिए आते थे। परिजनों के मुताबिक, चोर नकदी के साथ सोने और चांदी के कीमती आभूषण ले गए हैं।

चोरी की घटना में एक दिलचस्प बात सामने आई है। परिजनों के अनुसार, घर में रखे सिटी गोल्ड और सामान्य बाजार में मिलने वाले अन्य आभूषण वहीं पड़े मिले, जबकि चोरों ने केवल कीमती आभूषणों को चुनकर निशाना बनाया। इससे आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने घर में काफी छानबीन करने के बाद मूल्यवान सामान और नकदी की चोरी की।

घटना की सूचना मिलने पर राजमहल थाना के एएसआई साजन मुर्मू पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच की। पुलिस ने परिजनों से पूछताछ कर आसपास के क्षेत्र में भी संभावित सुराग जुटाए। थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। संदिग्ध गतिविधियों और संभावित सुरागों की पड़ताल की जा रही है। जल्द ही घटना का उद्भेदन करने का प्रयास किया जा रहा है।

संक्षिप्त डायरी

बिहार के 1.04 करोड़ लोगों को मिलेगा पीएम आवास, इन लोगों का कट सकता है नाम, जानिए क्यों नहीं मिलेगा लाभ

पटना (एजेंसी) बिहार में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत बड़ी प्रक्रिया शुरू हो गई है. 1 करोड़ से अधिक लोगों की सूची तैयार है, लेकिन 40% लोगों के नाम कटने की संभावना है. अपात्रता के कड़े मापदंडों और अनुमोदन प्रक्रिया को समझें. बिहार में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत घर पाने वाले संभावित लाभुकों की प्रक्रिया आगे बढ़ गयी है. राज्य के 1 करोड़ 4 लाख 90 हजार 743 लाभुकों को योजना का लाभ देने के लिए आवास सॉफ्टवेयर के जरिए प्रारूप सूची तैयार की गयी है. 11 सितंबर को 'डिलीशन मॉड्यूल' का काम पूरा कर सूची जिला लॉगिन में भेज दी गयी है. जबकि 40 फीसदी लाभुकों के नाम कटने के भी आसार हैं. 30 सितंबर तक ग्रामसभा से सूची का अनुमोदन तैयार प्रारूप सूची को अब संबंधित ग्रामसभा के सामने रखा जायेगा. अधिकतम 20 दिनों के भीतर यानी 30 सितंबर तक ग्रामसभा से सूची का अनुमोदन कर उसे प्रखंड कार्यालय को वापस भेजना अनिवार्य होगा. इसके लिए 27 सितंबर को पंचायत विकास दिवस के अवसर पर विशेष ग्रामसभा आयोजित कर सूची के अनुमोदन की तैयारी है. समय पर ग्रामसभा नहीं हुई तो सूची स्वतः अनुमोदित निर्धारित समय-सीमा में यदि किसी पंचायत में ग्रामसभा का आयोजन नहीं हो पाता है, तो संबंधित सूची स्वतः अनुमोदित मानी जायेगी. साथ ही समय पर ग्रामसभा नहीं कराने वाले संबंधित पंचायत सचिव के खिलाफ पंचायती राज अधिनियम के तहत कार्रवाई की जायेगी. 31 अक्टूबर तक अंतिम प्राथमिकता सूची पर मुहर ग्रामसभा से अनुमोदित सूची के बाद अपीलीय समिति शिकायतों और आपत्तियों की जांच करेगी. इसके बाद 31 अक्टूबर तक अंतिम प्राथमिकता सूची का अनुमोदन किया जायेगा. ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव एचआर श्रीनिवास ने इस संबंध में राज्य के सभी जिलाधिकारियों और उपविकास आयुक्तों को पत्र भेजा है. 1.04 करोड़ में करीब 40 फीसदी नाम हटने की संभावना ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार, 20 लाख 44 हजार 427 ग्रामीणों ने खुद को आवास पाने के योग्य बताते हुए स्वयं दावा किया है. वहीं 84 लाख 46 हजार 316 लाभुकों ने विभागीय सर्वेक्षणकताओं के माध्यम से आवास योजना के लिए अपनी पात्रता बतायी है. अधिकारियों के अनुसार जांच और पात्रता की शर्तों के आधार पर इनमें से करीब 40 फीसदी नाम हटने की संभावना है. पक्का मकान और दो से अधिक कमरे होने पर लाभ नहीं अपात्र लाभुकों की पहचान के लिए कई कड़े मापदंड लागू किये गये हैं. जिन परिवारों के पास पक्की छत या पक्की दीवारों वाला मकान है अथवा दो से अधिक कमरों का मकान है, उन्हें योजना का लाभ नहीं मिलेगा. इसी तरह मोटर चालित तीन या चार पहिया वाहन और मशीनी कृषि उपकरण रखने वाले परिवार भी पात्र नहीं होंगे. 15 हजार रुपये से अधिक मासिक आय वालों को भी बाहर किया जायेगा योजना के तहत ऐसे परिवार भी पात्र नहीं होंगे, जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये से अधिक है. परिवार में कोई सदस्य आयकर या व्यवसाय कर देता है तो भी लाभ नहीं मिलेगा. इसके अलावा 50 हजार रुपये या उससे अधिक की सीमा वाला किसान क्रेडिट कार्ड रखने वाले परिवार और सरकारी नौकरी वाले परिवारों को भी सूची से बाहर रखा जायेगा. जमीन की सीमा भी तय की गयी पात्रता की जांच में जमीन को भी आधार बनाया गया है. जिन परिवारों के पास 2.5 एकड़ से अधिक सिंचित भूमि या पांच एकड़ से अधिक असिंचित भूमि है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की सूची में शामिल नहीं किया जायेगा. इन परिवारों को प्राथमिकता देने की तैयारी प्रतीक्षा सूची में कमजोर और वंचित परिवारों को प्राथमिकता दी जायेगी. इसमें दिव्यांग सदस्य वाले परिवार, महिला प्रधान परिवार जिनमें कोई वयस्क पुरुष नहीं है, आश्रयहीन परिवार, भीख मांगकर जीवनयापन करने वाले, हाथ से मैला ढोने वाले, बंधुआ मजदूर, आदिम जनजातीय समूह और गंभीर बीमारी से प्रभावित परिवार शामिल हैं. हर जिले में बनेगी तीन सदस्यीय अपीलीय समिति लाभुकों की शिकायतों और संभावित धांधली की रोकथाम के लिए हर जिले में तीन सदस्यीय जिला स्तरीय अपीलीय समिति गठित की जायेगी. 15 सितंबर तक समिति के गठन का लक्ष्य रखा गया है.

बिहार में चीनी मिल लगाने वालों को 1 रुपये में मिलेगी 40 एकड़ जमीन, सरकार देगी 70 करोड़ तक की सब्सिडी

पटना (एजेंसी) बिहार में चीनी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने नई नीति लागू की है. इसके तहत चीनी मिल लगाने वाले निवेशकों को एक रुपये की टोकन राशि पर 40 एकड़ तक जमीन मिलेगी. साथ ही नई मिल लगाने पर 70 करोड़ रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा. बिहार में चीनी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला लिया है. अब राज्य में चीनी मिल लगाने के इच्छुक निवेशकों को एक रुपये की टोकन राशि पर करीब 40 एकड़ तक जमीन उपलब्ध कराई जाएगी. इसके साथ ही नई चीनी मिल लगाने पर सरकार 70 करोड़ रुपये तक का अनुदान भी देगी. नई नीति से निवेशकों के लिए खुली राह राज्य सरकार ने इसके लिए बिहार गन्ना उद्योग निवेश प्रोत्साहन नीति-2026 लागू की है. इसका उद्देश्य राज्य में गन्ना आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना और नई चीनी मिलों की स्थापना को आसान बनाना है. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आदेश के बाद यह नीति लागू की गई है. सरकार का मानना है कि इससे बिहार में गन्ना उद्योग के विस्तार को गति मिलेगी. साथ ही निवेशकों को मिल लगाने के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर रहेगा. पांच साल में 25 नई चीनी मिलें लगाने का लक्ष्य राज्य सरकार ने अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा है. इसी कड़ी में बंद पड़ी चीनी मिलों को फिर से शुरू करने की योजना है. इसके अलावा राज्य में 25 नई चीनी मिलें लगाने का भी लक्ष्य तय किया गया है. इस लक्ष्य को तेजी से पूरा करने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया गया है. कमेटी नई चीनी मिलों की स्थापना से जुड़े मामलों की निगरानी करेगी और प्रक्रिया में तेजी लाने का काम करेगी. नई चीनी मिल लगाने पर 70 करोड़ रुपये तक का अनुदान नई नीति के तहत न्यूनतम 3500 टीडीसी क्षमता वाली चीनी मिल लगाने पर निवेशक को 70 करोड़ रुपये का अनुदान मिलेगा. यह राशि पांच समान वार्षिक किस्तों में दी जाएगी. 3500 टीडीसी से अधिक क्षमता वाली मिलों के लिए भी अतिरिक्त प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है. हर 100 टीडीसी अतिरिक्त क्षमता बढ़ाने पर सरकार दो करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रोत्साहन देगी. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें पुरानी मिलों की क्षमता बढ़ाने पर भी मिलेगा लाभ सरकार ने पहले से चल रही चीनी मिलों के विस्तार को भी नीति में शामिल किया है. कार्यरत चीनी मिलों की क्षमता में 1000 टीडीसी तक की वृद्धि करने पर 15 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन दिया जाएगा. इसके बाद प्रत्येक 100 टीडीसी क्षमता विस्तार पर 1.5 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा. इससे मौजूदा चीनी मिलों को भी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी. रोजगार और गन्ना उद्योग को बढ़ावा देने की कोशिश सरकार की नई नीति का मकसद केवल चीनी मिलों की संख्या बढ़ाना नहीं है. इसके जरिए गन्ना किसानों को बाजार उपलब्ध कराने, गन्ना आधारित उद्योगों का विस्तार करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने की कोशिश की जा रही है. सरकार को उम्मीद है कि नई चीनी मिलों और बंद मिलों के दोबारा शुरू होने से राज्य में निवेश बढ़ेगा. इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे.

बिहार के शहरों में भी होगा जमीन सर्वे, हर मकान-फ्लैट का बनेगा अलग रिकॉर्ड, जानें मालिकों को क्या होगा फायदा

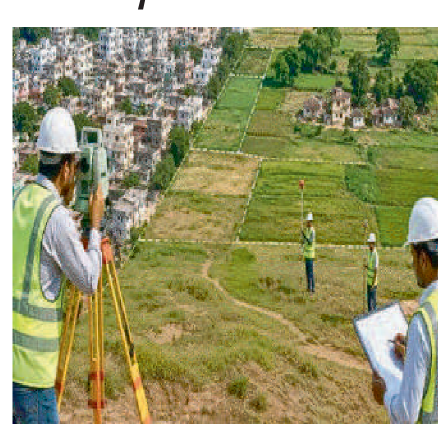

पटना (एजेंसी) बिहार में ग्रामीण जमीन सर्वे के बाद अब शहरों में भी विशेष भूमि सर्वे होगा. राज्य के 264 नगर निकायों में होने वाले इस सर्वे में फ्लैट मालिकों का जमीन में समानुपातिक हिस्सा भी दर्ज किया जाएगा. ड्रोन और जीपीएस से जमीन का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा. बिहार में ग्रामीण इलाकों का जमीन सर्वे पूरा होने के बाद अब शहरी क्षेत्रों में भी विशेष भूमि सर्वेक्षण शुरू किया जाएगा. राज्य के सभी 264 नगर निकाय इसके दायरे में आएंगे. इस सर्वे की सबसे खास बात फ्लैट और बहुमंजिली इमारतों में रहने वाले लोगों से जुड़ी है. फ्लैट मालिकों के नाम जमीन के साथ उनके फ्लैट का वैधानिक और समानुपातिक मालिकाना हक भी दर्ज किया जाएगा. सरकार की ओर से इस संबंध में आधिकारिक पत्र जारी कर दिया गया है. सर्वे में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के साथ नगर निकाय के अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल होंगे. 264 नगर निकायों में शुरू होगा सर्वे बंदोबस्त पदाधिकारियों के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वे पूरा होते ही शहरी क्षेत्रों में यह अभियान शुरू होगा. राज्य के सभी 264 नगर निकायों को इसमें शामिल किया जाएगा. यह सर्वे पुराने रिकॉर्ड को अपडेट करने के साथ जमीन के मालिकाना हक को स्पष्ट करने के लिए किया जा रहा है. सर्वे का काम आधुनिक तकनीक से होगा. इसमें ड्रोन और जीपीएस की मदद ली जाएगी. फ्लैट खरीदने वालों को क्या मिलेगा? शहरी जमीन सर्वे में सिर्फ इमारत के नीचे की जमीन का रिकॉर्ड तैयार नहीं होगा. बहुमंजिली इमारतों में मौजूद अलग-अलग फ्लैटों का मालिकाना हक भी दर्ज किया जाएगा. यानी जिस व्यक्ति के नाम फ्लैट है, उसके फ्लैट के साथ जमीन में उसका समानुपातिक स्वामित्व भी रिकॉर्ड में दर्ज होगा. इसके अलावा वैधानिक दखल की जानकारी भी दर्ज की जाएगी. इससे भविष्य में फ्लैट और जमीन को लेकर होने वाले विवादों को कम करने में मदद मिलेगी. ड्रोन और जीपीएस से होगी जमीन की मैपिंग शहरी भूमि सर्वे में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा. ड्रोन और जीपीएस के जरिए जमीन की मैपिंग होगी. सर्वे पूरा होने के बाद रैयतों को लैंड पार्सल मैप उपलब्ध कराया जाएगा. इसके बाद जमीन के रिकॉर्ड को लेकर किसी तरह की आपत्ति होने पर संबंधित व्यक्ति प्रपत्र-8 के जरिए आपत्ति दर्ज करा सकेगा. इससे रिकॉर्ड में सुधार की प्रक्रिया भी तय तरीके से आगे बढ़ेगी. पटना में क्यों अहम है नया जमीन सर्वे? पटना समेत कई शहरी क्षेत्रों में पुराना सर्वे रिकॉर्ड आज भी बड़ी समस्या है. पटना में 1959-65 का रिविजनल सर्वे पूरा नहीं हो सका था. ऐसे में करीब एक सदी पुराने 1920 के कैडस्ट्रल खतियान को ही अब तक कानूनी आधार माना जाता रहा है. नए शहरी भूमि सर्वे से जमीन का नया और डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा. इससे पुराने रिकॉर्ड पर निर्भरता कम होगी. जमीन की सीमा और मालिकाना हक को भी नए सिरे से दर्ज किया जाएगा. ग्रामीण और शहरी सर्वे में क्या होगा अंतर? ग्रामीण और शहरी भूमि सर्वे की प्रक्रिया पूरी तरह एक जैसी नहीं होगी. ग्रामीण क्षेत्रों में सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, कानूनगो और अमीन की टीम सर्वे करती है. शहरी क्षेत्रों में राजस्व विभाग के साथ नगर निकाय के अधिकारी और कर्मचारी भी सर्वे टीम का हिस्सा होंगे. शहरी क्षेत्रों में बहुमंजिली इमारतों और फ्लैटों को देखते हुए अलग व्यवस्था रखी गई है. यहां जमीन के साथ फ्लैट का समानुपातिक स्वामित्व भी रिकॉर्ड में दर्ज होगा. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें शहरों के लिए होंगे अलग प्रपत्र शहरी भूमि सर्वे में सामान्य प्रपत्रों के बजाय विशेष प्रपत्रों का इस्तेमाल होगा. इनमें प्रपत्र 1'क', 2'क', 3'क', 7'क', 12'क' और 20'क' शामिल हैं. अंतिम रूप से प्रकाशित खतियान की चार प्रतियां तैयार की जाएंगी. इनमें एक प्रति अंचल कार्यालय और एक संबंधित नगरपालिका कार्यालय को दी जाएगी. शहरों के लिए अलग नगरपालिका लगान दर तालिका भी तैयार होगी. इसके लिए प्रपत्र-18 ग का इस्तेमाल किया जाएगा. वार्ड कार्यालय और वेबसाइट पर मिलेगी जानकारी

भरत तिवारी की मौत के बाद पहली बार घर पहुंचे डीएम-एसपी, आधे घंटे की बातचीत में परिवार ने रखीं ये मांगें

पटना (एजेंसी) : पुलिस एनकाउंटर में भरत तिवारी की मौत के बाद उनके पैतृक गांव बिलौटी में प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है. भोजपुर के डीएम और एसपी ने तिवारी के परिवार से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं, जिसमें न्याय, स्मारक निर्माण और विस्थापितों की मदद की मांग प्रमुख है. 17 जून को पुलिस एनकाउंटर में भरत तिवारी की मौत के बाद चर्चा में आए बिलौटी गांव में शनिवार को प्रशासनिक हलचल देखने को मिली. भोजपुर के डीएम मनीष कुमार मीना और एसपी अभिषेक दीक्षित पहली बार भरत तिवारी के पैतृक घर पहुंचे. दोनों अधिकारियों ने करीब आधे घंटे तक भरत के माता-पिता और अन्य परिजनों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं. परिवार ने न्याय और स्मारक निर्माण की मांग के दौरान भरत तिवारी के परिजनों ने उनकी मौत के मामले में न्याय की मांग दोहराई. परिवार ने भरत की याद में स्मारक निर्माण कराने के साथ आवास परिसर और आसपास मिट्टी भराई कराने की मांग भी प्रशासन के सामने रखी. गंगा कटान से विस्थापित परिवारों का मुद्दा भी उठा परिजनों ने गंगा कटान से प्रभावित बिलौटी के विस्थापित परिवारों की समस्याओं को भी अधिकारियों के सामने रखा. परिवार के अनुसार, कई बाढ़पीड़ित अब तक सरकारी सहायता की सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं. विस्थापित इलाके में घर, सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी का मुद्दा भी उठाया गया. पानी कम होने के बाद सड़क और मिट्टी भराई का भरोसा परिवार के मुताबिक, डीएम मनीष कुमार मीना ने भरोसा दिया कि बाढ़ का पानी कम होने और क्षेत्र के सूखने के बाद जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा. विस्थापित इलाके में मिट्टी भराई कर पक्की सड़क बनाने और घरों के लिए सहायता उपलब्ध कराने की बात कही गई. डीएम ने संबंधित एसडीएम को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए. भरत तिवारी के घर पर पुलिस गार्ड तैनात परिजनों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को देखते हुए भरत तिवारी के घर पर पुलिस गार्ड तैनात किया गया है. अधिकारियों ने परिवार को सरकार की ओर से घोषित प्रावधानों के तहत अनुकंपा पर नौकरी और अन्य सरकारी सहायता की प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने का भरोसा दिया. सोशल मीडिया पर परेशान करने की शिकायत परिवार ने सोशल मीडिया पर कुछ लोगों द्वारा उन्हें बदनाम करने और परेशान किए जाने की शिकायत भी डीएम-एसपी के सामने रखी. शिकायत पर शाहपुर थानाध्यक्ष को तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने और संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया. सीओ को कागजी प्रक्रियाएं जल्द पूरी करने का निर्देश मौके पर डीएम ने सीओ को बुलाकर परिवार से जुड़ी कागजी प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करने का निर्देश दिया. स्मारक निर्माण, परिसर में मिट्टी भराई और सरकारी सहायता से वंचित बाढ़पीड़ितों के नाम सूची में जोड़ने की मांग पर भी प्रशासन की ओर से सकारात्मक पहल का भरोसा दिया गया. भरत तिवारी की मौत के बाद गठित हुआ न्यायिक जांच आयोग भरत तिवारी की 17 जून को पुलिस एनकाउंटर में मौत के बाद मामला काफी चर्चित हुआ था. घटना की जांच के लिए न्यायिक जांच आयोग का गठन किया गया है.

बिहार में 45 दिन चलेगा विशेष अभियान, 5 लाख जमाबंदी में गड़बड़ी, कहीं खाता तो कहीं खेसरा-नाम गलत

पटना (एजेंसी) बिहार में जमीन के रिकॉर्ड से जुड़ी गड़बड़ियों को दूर करने के लिए सरकार 45 दिन का विशेष अभियान चलाने जा रही है. करीब 5 लाख जमाबंदी में खाता, खेसरा, प्लॉट या रैयत का नाम गलत दर्ज है. अब इन रिकॉर्ड को दुरुस्त करने की प्रक्रिया तेज होगी. बिहार में जमीन के रिकॉर्ड से जुड़ी बड़ी संख्या में गड़बड़ियां अब भी लोगों के लिए परेशानी बनी हुई हैं. करीब पांच लाख जमाबंदी में खाता, खेसरा, प्लॉट या रैयत का नाम गलत दर्ज है. इन गलतियों के कारण जमीन मालिक अपनी ही जमीन से जुड़े कई काम नहीं करा पा रहे हैं. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने अब इन मामलों के समाधान के लिए 45 दिन का विशेष अभियान चलाने का फैसला किया है. इसका मकसद लंबित जमाबंदियों में दर्ज गलतियों को दूर करना है. कहीं खाता गलत तो कहीं रैयत का नाम दर्ज जमाबंदी में अलग-अलग तरह की गड़बड़ियां सामने आई हैं. कई मामलों में खाता नंबर गलत दर्ज है. कुछ में खेसरा या प्लॉट की जानकारी गलत है. वहीं कई जमाबंदियों में रैयत का नाम ही गलत दर्ज कर दिया गया है. गलतियों के चलते बड़ी संख्या में जमाबंदियों को लॉक भी कर दिया गया है. ऐसी स्थिति में जमीन मालिक राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के पोर्टल पर अपनी जमीन का सही विवरण नहीं देख पा रहे हैं. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें कई जमाबंदी दो-तीन साल से लॉक सूत्रों के अनुसार, कई अंचलों में रजिस्टर-2 के पन्ने फटे या गायब होने की वजह से भी जमीन का सही विवरण नहीं मिल सका. कुछ मामलों में रजिस्टर-2 मेंजमाबंदी को गलत या अवैध तरीके से बदलकर नई जमाबंदी तैयार कर दी गई. इसके आधार पर दाखिल-खारिज भी कर दिया गया और मालगुजारी की रसीद तक काट दी गई. बाद में ऐसे मामलों में अपीलीय प्राधिकार न्यायालयों ने न्यायोचित फैसला और आदेश भी दिया. इसके बावजूद जमाबंदी में सुधार नहीं हो सका. ऐसी कई जमाबंदियां अब भी दो-तीन साल या उससे ज्यादा समय से लॉक हैं. इससे जमीन मालिकों की परेशानी लगातार बनी हुई है. रजिस्टर-2 के मामलों में जमाबंदी पुनर्गठन राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने रजिस्टर-2 के फटे या गायब पन्नों जैसी समस्याओं के समाधान के लिए अंचलों को जमाबंदी पुनर्गठन का निर्देश दिया ह

बिहार के 1.04 करोड़ लोगों को मिलेगा पीएम आवास, इन लोगों का कट सकता है नाम, जानिए क्यों नहीं मिलेगा लाभ

पटना (एजेंसी) बिहार में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत बड़ी प्रक्रिया शुरू हो गई है. 1 करोड़ से अधिक लोगों की सूची तैयार है, लेकिन 40% लोगों के नाम कटने की संभावना है. अपात्रता के कड़े मापदंडों और अनुमोदन प्रक्रिया को समझें. बिहार में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत घर पाने वाले संभावित लाभुकों की प्रक्रिया आगे बढ़ गयी है. राज्य के 1 करोड़ 4 लाख 90 हजार 743 लाभुकों को योजना का लाभ देने के लिए आवास सॉफ्टवेयर के जरिए प्रारूप सूची तैयार की गयी है. 11 सितंबर को 'डिलीशन मॉड्यूल' का काम पूरा कर सूची जिला लॉगिन में भेज दी गयी है. जबकि 40 फीसदी लाभुकों के नाम कटने के भी आसार हैं. 30 सितंबर तक ग्रामसभा से सूची का अनुमोदन तैयार प्रारूप सूची को अब संबंधित ग्रामसभा के सामने रखा जायेगा. अधिकतम 20 दिनों के भीतर यानी 30 सितंबर तक ग्रामसभा से सूची का अनुमोदन कर उसे प्रखंड कार्यालय को वापस भेजना अनिवार्य होगा. इसके लिए 27 सितंबर को पंचायत विकास दिवस के अवसर पर विशेष ग्रामसभा आयोजित कर सूची के अनुमोदन की तैयारी है. समय पर ग्रामसभा नहीं हुई तो सूची स्वतः अनुमोदित निर्धारित समय-सीमा में यदि किसी पंचायत में ग्रामसभा का आयोजन नहीं हो पाता है, तो संबंधित सूची स्वतः अनुमोदित मानी जायेगी. साथ ही समय पर ग्रामसभा नहीं कराने वाले संबंधित पंचायत सचिव के खिलाफ पंचायती राज अधिनियम के तहत कार्रवाई की जायेगी. 31 अक्टूबर तक अंतिम प्राथमिकता सूची पर मुहर ग्रामसभा से अनुमोदित सूची के बाद अपीलीय समिति शिकायतों और आपत्तियों की जांच करेगी. इसके बाद 31 अक्टूबर तक अंतिम प्राथमिकता सूची का अनुमोदन किया जायेगा. ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव एचआर श्रीनिवास ने इस संबंध में राज्य के सभी जिलाधिकारियों और उपविकास आयुक्तों को पत्र भे है. 1.04 करोड़ में करीब 40 फीसदी नाम हटने की संभावना ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार, 20 लाख 44 हजार 427 ग्रामीणों ने खुद को आवास पाने के योग्य बताते हुए स्वयं दावा किया है. वहीं 84 लाख 46 हजार 316 लाभुकों ने विभागीय सर्वेक्षणकताओं के माध्यम से आवास योजना के लिए अपनी पात्रता बतायी है

सासाराम में दोहरे हत्याकांड की जांच तेज, आखिर हत्यारों को कैसे पता था छत पर सोते हैं मणिभूषण और ननकी

पटना (एजेंसी) :सासाराम के बेदा में मणिभूषण और ननकी की हत्या के बाद पुलिस जांच जारी है। हत्यारों को छत पर सोने की जानकारी कैसे मिली, यह सवाल अब भी अनसुलझा बना हुआ है। सासाराम ग्रामीण. सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बेदा में मणिभूषण कुमार और ननकी देवी की गत 6 सितंबर को गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस की जांच आगे बढ़ रही है. हालांकि, अब तक हत्यारों तक पहुंचने वाली अहम कड़ी हाथ नहीं लगी है. छत पर सोने की जानकारी हत्यारों तक कैसे पहुंची? इस दोहरे हत्याकांड में सबसे बड़ा सवाल यह बना हुआ है कि अपराधियों को आखिर कैसे पता चला कि मणिभूषण और ननकी रात में घर की छत पर सोते हैं. बताया जाता है कि दोनों छत पर सो रहे थे. इसी दौरान अपराधी वहां पहुंचे और गोली मारकर दोनों की हत्या कर दी.वारदात के बाद कमरों को बाहर से कर दिया गया था बंद वारदात के बाद घर में मौजूद अन्य लोगों के कमरों को बाहर से बंद कर दिया गया था. इससे पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है कि अपराधियों को घर की बनावट, परिवार के सदस्यों की मौजूदगी और रात में दोनों के छत पर सोने की जानकारी पहले से थी या नहीं. पहले रेकी हुई थी या किसी ने दी थी जानकारी? जांच का अहम सवाल यह भी है कि क्या अपराधियों ने पहले रेकी की थी या किसी व्यक्ति से उन्हें घर की गतिविधियों की जानकारी मिली थी. हालांकि, अभी तक पुलिस ने किसी व्यक्ति को मुखबिर अथवा साजिश में शामिल होने की पुष्टि नहीं की है. ऐसे में किसी परिचित या स्थानीय व्यक्ति पर संदेह जताना जांच पूरी होने से पहले उचित नहीं होगा. मृतकों के संपर्क में रहने वालों से जुटायी जा रही जानकारी पुलिस मृतकों के संपर्क में रहने वाले लोगों, घटना से पहले की गतिविधियों और आसपास की आवाजाही की जानकारी जुटा रही है. घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों के आने और भागने के रास्ते की भी पड़ताल की जा रही है. अचानक वारदात हुई या पहले से तैयार थी योजना? पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है

ब्रिक्स ने एकतरफा व्यापारिक फैसलों पर जताई गंभीर चिंता

वैश्विक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और प्रभावी बहुपक्षवाद पर दिया जोर

नई दिल्ली ।

ब्रिक्स देशों ने अपनी नई दिल्ली घोषणा में वैश्विक व्यापार में बढ़ते एकतरफा फैसलों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। समूह ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के विपरीत टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों के इस्तेमाल की निंदा की है, साथ ही अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ एकतरफा दबाव वाले कदमों की भी कड़ी आलोचना की। घोषणा में ब्रिक्स देशों ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करने वाले और ब्ल्यूटीओ के नियमों का उल्लंघन करने वाले एकतरफा उपाय अस्वीकार्य हैं। इसके अलावा, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में बढ़ रहे संघर्षों और परमाणु खतरे को लेकर भी चिंता जताई गई। समूह ने जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय शांति बनाए रखने के लिए सिर्फ संघर्ष शुरू होने के बाद कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि संघर्षों को रोकने और उनकी मूल वजहों को दूर करने पर काम करने की आवश्यकता है। ब्रिक्स देशों ने अंतरराष्ट्रीय विवादों को बातचीत, आपसी सलाह और कूटनीति के जरिए शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का आह्वान किया। समूह ने एक ऐसी बहुपक्षीय व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया जिसमें वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए सभी देशों के विचारों और रुख का सम्मान किया जाए। आर्थिक सहयोग के तहत, ब्रिक्स देशों के बीच सीमा पार भुगतान को आसान बनाने के लिए चर्चा जारी रखने का भी समर्थन किया गया।

विक्टोरिया मिल्स डिविडेंड: रिकॉर्ड डेट पर नजर, 50 रुपए का फायदा

पात्र होने के लिए 17 सितंबर तक शेयर खरीदना होगा

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट सेक्टर की कंपनी विक्टोरिया मिल्स लिमिटेड के शेयर डिविडेंड को लेकर निवेशकों के फोकस में हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने निवेशकों को 50 रुपये प्रति शेयर (फेस वैल्यू का 50 फीसदी) का लाभांश देने की सिफारिश की है, जिसकी रिकॉर्ड डेट जल्द ही आ रही है। विक्टोरिया मिल्स ने इस भारी-भरकम डिविडेंड के लिए 19 सितंबर को रिकॉर्ड डेट तय की है, जबकि 18 सितंबर 2026 को एक्स-डिविडेंड डेट रहेगी। इसका मतलब है कि यदि आप इस डिविडेंड के पात्र बनना चाहते हैं, तो आपको 17 सितंबर 2026 तक कंपनी के शेयर खरीदने होंगे। यह लाभांश कंपनी के 98,560 इक्विटी शेयरों पर दिया जाएगा, जिसे आगामी एनुअल जनरल मीटिंग में मंजूरी के बाद ही निवेशकों को वितरित किया जाएगा। कंपनी का यह शेयर बीते शुक्रवार को बीएसई पर 1.78 फीसदी की गिरावट के साथ 8471.00 रुपये पर बंद हुआ। हालांकि, कंपनी के शेयरों ने लंबे समय में अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। पिछले एक महीने में यह शेयर 64.48 फीसदी उछला है, जबकि 10 साल की अवधि में इसमें 218.56 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। 83.79 करोड़ रुपये के मार्केट कैप वाली इस कंपनी के शेयरों का लेन-देन बीते एक महीने में 100 से कम रहा है, जो इसकी कम तरलता को दर्शाता है।

आरबीआई का टाटा संस को लिस्टिंग का आदेश, छूट की अर्जी खारिज

- बोर्ड में नेतृत्व की खींचतान के बीच फैसला, कुछ शेयरधारक पक्ष में तो कुछ विरोध में

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने का आदेश दिया है। केंद्रीय बैंक ने कंपनी की उस अर्जी को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने खुद को अनरजिस्टर्ड कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) की श्रेणी से छूट देने की मांग की थी। इस फैसले से टाटा संस के लिए शेयर बाजार में लिस्टिंग अनिवार्य हो गई है। आरबीआई ने 11 सितंबर को जारी एक पत्र में कहा कि टाटा संस की अर्जी स्वीकार नहीं की जा सकती। केंद्रीय बैंक ने टाटा संस की कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) का दर्जा छोड़ने की मांग को भी नामंजूर कर दिया, जिससे कंपनी के लिए शेयर बाजार में लिस्ट होना अब जरूरी हो गया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए पद पर न बने रहने की इच्छा जताई है, जिसकी वजह बोर्ड में चल रही असहमति बताई जा रही है। कंपनी के भीतर नेतृत्व और रणनीतिक दिशा को लेकर खींचतान जारी है, जिसमें लिस्टिंग का मुद्दा भी एक बड़ा विवाद बन गया है। टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स, जिसके चेयरमैन नोएल टाटा हैं, लिस्टिंग के खिलाफ हैं। ट्रस्ट्स ने इस मुद्दे पर एक प्रस्ताव भी पारित किया था। वहीं, दूसरे सबसे बड़े शेयरधारक शापूरजी पालोनजी समूह लिस्टिंग के पक्ष में है, क्योंकि यह उन्हें अपनी हिस्सेदारी बेचकर कर्ज चुकाने और पूंजी जुटाने का अवसर देगा। **RBI** के इस आदेश से यह आंतरिक संघर्ष और गहराने की संभावना है।

पेटेंट कार्यालय के लोगो के अनाधिकृत उपयोग पर नकेल, मंत्रालय की पूर्व-मंजूरी अनिवार्य

सरकारी पहचान का दुरुपयोग रोकने के लिए डीपीआईआईटी का सख्त कदम

नई दिल्ली ।

भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) की आधिकारिक पहचान और लोगो के अनाधिकृत उपयोग पर अब सख्त रोक लगा दी गई है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर स्पष्ट किया है कि आईपीओ के लोगो, प्रतीक चिह्न या उससे मिलते-जुलते डिजाइन का इस्तेमाल अब संबंधित मंत्रालय की पूर्व-मंजूरी के बिना नहीं किया जा सकेगा। इस नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। डीपीआईआईटी द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, कोई भी व्यक्ति, कारोबारी संस्था, डिजिटल मंच, ट्रेडमार्क या पेटेंट एजेंट अथवा कानूनी व्यवसायी किसी भी माध्यम - प्रिंट, डिजिटल, सोशल मीडिया, वेबसाइट या प्रायोजित ऑनलाइन विज्ञापन - में भारतीय पेटेंट कार्यालय के आधिकारिक लोगो का उपयोग, अनुकूलन या प्रदर्शन बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के नहीं कर सकेंगे। पेटेंट, डिजाइन एवं ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय (सीजीपीडीटीएम) के संज्ञान में आया था कि कई व्यक्ति, एजेंसियां और ऑनलाइन कानूनी सेवा मंच अपनी वेबसाइटों, सोशल मीडिया खातों और प्रचार सामग्री में भारतीय पेटेंट कार्यालय के लोगो का कथित रूप से अनाधिकृत इस्तेमाल कर रहे थे। डीपीआईआईटी ने चिंता व्यक्त की कि भारतीय पेटेंट कार्यालय का लोगो एक आधिकारिक सरकारी पहचान है और इसके अनधिकृत इस्तेमाल से आम लोगों, पेटेंट आवेदकों और अन्य हितधारकों के बीच सरकारी समर्थन या संबद्धता को लेकर गलत धारणा पैदा हो सकती है। डीपीआईआईटी ने सभी संस्थाओं और व्यक्तियों को अपनी वेबसाइट, प्रचार बैनर, विजिटिंग कार्ड और ऑनलाइन पोर्टलों से ऐसे लोगो या भ्रामक रूप से मिलते-जुलते डिजाइन को तत्काल हटाने का निर्देश दिया है। सरकार ने चेतावनी दी है कि भारतीय पेटेंट कार्यालय के लोगो का अनाधिकृत इस्तेमाल, गलत प्रस्तुतीकरण या उसकी नकल प्रतीक और नाम (अनुचित इस्तेमाल को रोकने वाला) अधिनियम 1950, ट्रेडमार्क अधिनियम 1999, कॉपीराइट अधिनियम 1957 और सूचना प्रौद्योगिकी कानून 2000 के तहत कार्रवाई का आधार बन सकता है। उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ दीवानी एवं आपराधिक कार्रवाई तथा प्रशासनिक दंड जैसी कठोर कार्रवाई की जा सकती है।

सेबी लाएगा डेरिवेटिव्स बाजार में बड़े बदलाव

- निपटान मूल्य गणना और ट्रेडिंग समय को लेकर कंसल्टेशन पेपर जारी

मुंबई ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट्स की प्रणाली, बाजार की टाइमिंग और क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) के परिचालन में बड़े बदलावों का प्रस्ताव दिया है। हाल ही में जारी कंसल्टेशन पेपर में, नियामक ने एक्सपायरी के दिनों में इंडेक्स और सिंगल-स्टॉक डेरिवेटिव्स की सेटलमेंट कीमत तय करने के लिए दो विकल्प सुझाए हैं। पहले विकल्प के तहत, सेबी ने ब्लेंडेड वीडब्ल्यूएपी (वॉल्यूम-वेटेड एवरेज प्राइस) का तरीका सुझाया है। इसमें सेटलमेंट की कीमत कंटीन्यूअस ट्रेडिंग सेशन (सीटीएस) के आखिरी 30 मिनट और 10 मिनट के सीएएस पीरियड के दौरान हुए ट्रेड के आधार पर तय की जाएगी, जिससे अधिक सटीक कीमत मिल सके। दूसरे विकल्प में, नियामक ने मौजूदा सीटीएस वीडब्ल्यूएपी तरीके को अंतरिम व्यवस्था के तौर पर बनाए रखने का प्रस्ताव दिया है।

इसके अलावा, सेबी ने क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) के दौरान इंडिकेटिव इंडेक्स वैल्यू (आईआईवी) के प्रदर्शन को हटाने का प्रस्ताव दिया है, क्योंकि कुछ बाजार प्रतिभागियों ने इसका गलत अर्थ निकाला था। नियामक ने सीटीएस और सीएएस के बीच के ट्रांजिशन समय को पांच मिनट से घटाकर एक मिनट करने का भी प्रस्ताव रखा है। सीएएस के बाद डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग विंडो को भी 10 मिनट से घटाकर पांच मिनट किया जाएगा, जिसे बाजार से मिले फीडबैक के आधार पर पर्याप्त माना गया है।

आईटीसी का आशीर्वाद ब्रांड, पांच साल में 20,000 करोड़ का लक्ष्य

- रेडी-टू-कुक, फोजन फूड और सत्तू सहित नई श्रेणियों में भी होगा विस्तार

बेंगलुरु ।

आईटीसी अपने प्रमुख खाद्य ब्रांड 'आशीर्वाद' को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य है कि अगले पांच साल में आशीर्वाद उत्पादों पर उपभोक्ता खर्च मौजूदा 10,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,000 करोड़ रुपये हो जाए। मई, 2002 में पूरी तरह गेहूं के आटा ब्रांड के रूप में शुरू हुआ आशीर्वाद अब देश के प्रमुख रसोई ब्रांडों में से एक बन गया है, जिसके पोर्टफोलियो में 200 से अधिक एसकेयू (स्टॉक कीपिंग यूनिट्स) हैं। ब्रांड ने आटा के अलावा स्टेपल्स, मसाले, ताजे और फ्रोजन खाद्य पदार्थों में भी अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। मलिक के अनुसार, आटा श्रेणी में विकास की असीमित संभावनाएं हैं। कंपनी मल्टीग्रेन, हाई-प्रोटीन, ऑर्गेनिक और मिलेट आधारित आटा जैसे प्रीमियम उत्पादों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो बेहतर गुणवत्ता, सुविधा और पोषण लाभ प्रदान करते हैं। आशीर्वाद अब बेसन, सेवईं, रवा, सोया चंक्स, फ्रोजन नान और पराठे के साथ-साथ ताजी चटनी और सांभर जैसे उत्पादों के माध्यम से नए उपभोक्ता वर्ग और उपयोग के अवसर तलाश रहा है। रेडी-टू-कुक श्रेणी में भी कंपनी ने कदम बढ़ाया है, जिसमें तैयार चपातियां विशेष रूप से युवा परिवारों को ध्यान में रखकर पेश की गई हैं। ये चपातियां बिना किसी अतिरिक्त प्रिजर्वेटिव के 5-6 दिनों तक उपयोग की जा सकती हैं। आईटीसी ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में आशीर्वाद चना सत्तू भी पेश किया है, जो प्रोटीन और फाइबर से भरपूर है। इसे पारंपरिक तरीके से बालू में भूनकर तैयार किया जाता है और जल्द ही इसे देशभर में उपलब्ध कराने की योजना है। कंपनी 10 रुपये का 'वैल्यू पैक' भी लाई है, जिसमें 10 ग्राम प्रोटीन मिलता है।

फेड के बयान, महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

- पिछले सप्ताह की गिरावट के बाद बाजार के लिए अहम रहेगा आगामी सप्ताह

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों के लिए आगामी सप्ताह बेहद अहम होने वाला है। पिछले सप्ताह कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के कारण देखी गई गिरावट के बाद, अब निवेशकों की निगाहें तीन प्रमुख वैश्विक और घरेलू आर्थिक संकेतकों पर टिकी रहेंगी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की महत्वपूर्ण बैठक, भारत के खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े, और कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय चाल मिलकर इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करेंगे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मुक्त बाजार समिति की बैठक 15 और 16 सितंबर को निर्धारित है। इस बैठक में लिए जाने वाले नीतिगत फैसले और फेड चेयरमैन का बयान वैश्विक बाजारों के साथ-साथ भारतीय शेयर बाजारों के लिए भी एक अहम दिशा निर्धारित करेगा। ब्याज दरों पर कोई भी संकेत या अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर फेड का दृष्टिकोण दुनियाभर के निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित करेगा। फेड के किसी भी कठोर रुख से वैश्विक इक्विटी बाजारों में बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है। घरेलू मोर्चे पर, भारत के खुदरा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और थोक मूल्य सूचकांक महंगाई के आंकड़े इसी सप्ताह जारी होने वाले हैं। ये आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी मौद्रिक नीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे। यदि महंगाई उम्मीद से अधिक रहती है, तो यह बाजार की चिंताएं बढ़ा सकता है, क्योंकि इससे ब्याज दरों में बढ़ोतरी की अटकलें तेज होंगी। वहीं, नियंत्रण में रहने पर निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा। कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर निवेशकों की प्राथमिक चिंता का विषय बनी हुई हैं। पिछले सप्ताह इसमें आई भारी तेजी घरेलू बाजारों में गिरावट का एक प्रमुख कारण रही थी। इस सप्ताह भी कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें न केवल कंपनियों की लागत बढ़ाती हैं, बल्कि महंगाई और रुपये पर भी दबाव डालती हैं, जिससे बाजार की धारणा प्रभावित होती है। कुल मिलाकर, आगामी सप्ताह में फेडरल रिजर्व की घोषणाएं, घरेलू महंगाई के आंकड़े और कच्चे तेल की कीमतें मिलकर भारतीय शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। निवेशकों को इन प्रमुख आर्थिक संकेतकों पर बारीकी से नजर रखनी होगी और उसी के अनुसार अपनी रणनीति बनानी होगी।

एसएमएल लिमिटेड अगले 2-3 साल में हो सकती है सूचीबद्ध

पूंजी जुटाने के लिए शेयर बाजार में आने पर विचार

नई दिल्ली ।कृषि आदान कंपनी एसएमएल लिमिटेड (पूर्व में सल्फर इंडिया लिमिटेड) अगले दो से तीन साल में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने पर विचार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य नई रासायनिक इकाइयों (एनसीई) के विकास के लिए आवश्यक पूंजी जुटाना है। हालांकि, कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है और कंपनी अगले एक-दो साल में स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद कर रही है। मुंबई स्थित एसएमएल लिमिटेड उन चुनिंदा भारतीय कंपनियों में से है जो नई और स्वामित्व वाली रासायनिक इकाइयों (एनसीई) पर काम कर रही है। ये सामान्य जेनेरिक उत्पादों से अलग कंपनी द्वारा विकसित किए गए नए अणु हैं। पिछले तीन वर्षों से कंपनी का यह एक महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र रहा है, हालांकि इसके विकास में प्रति एनसीई 7-8 करोड़ डॉलर का भारी निवेश होता है, जिसका खर्च कंपनी अब तक अपने आंतरिक शोध एवं विकास से उठा रही है। कंपनी फिलहाल करीब 450-470 करोड़ रुपये की नकदी के साथ लगभग कर्ज-मुक्त स्थिति में है। प्रबंधन इस पूंजी का उपयोग भविष्य में अधिग्रहण, नियामकीय परिसंपत्तियों या एनसीई कार्यक्रम में रणनीतिक साझेदारी के लिए कर सकता है। एसएमएल अपने पारंपरिक सल्फर उर्वरक कारोबार से आगे बढ़कर फसल पोषण, फसल संरक्षण और जैविक उत्पादों पर भी ध्यान दे रही है, जिसमें फसल पोषण अगले तीन वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ने वाला कारोबार होने की उम्मीद है। कमजोर मानसून, अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क और भू-राजनीतिक तनाव के कारण परिवहन में बाधाओं को देखते हुए, एसएमएल ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपना राजस्व लक्ष्य घटाकर 1,600 करोड़ रुपये कर दिया है, जो पहले 1,800 करोड़ रुपये था। हालांकि, यह पिछले वित्त वर्ष के 1,200-1,300 करोड़ रुपये के कारोबार से अधिक रहेगा। कंपनी ने उत्पादों की कीमतों में 15-20 प्रतिशत की बढ़ोतरी भी की है। कंपनी का अंतरराष्ट्रीय कारोबार 80 से अधिक देशों में फैला है, जिससे पिछले वित्त वर्ष में 600-700 करोड़ रुपये का राजस्व मिला था। इस वित्त वर्ष में इसके 700-800 करोड़ रुपये और अगले दो वर्षों में 1,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें निर्यात राजस्व में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी फसल संरक्षण उत्पादों (कीटनाशक और फफूंदनाशक) की है।

फार्मा पेटेंट जांच के लिए नए दिशानिर्देश, गुणवत्ता और एकरूपता पर जोर

- अदालती फैसलों और नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मसौदा जारी

नई दिल्ली । भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) ने औषधि क्षेत्र में पेटेंट आवेदनों की जांच प्रक्रिया को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मौजूदा दिशानिर्देशों को अद्यतन करने का प्रस्ताव दिया है। जारी मसौदा दिशानिर्देशों में गुणवत्ता, निरंतरता और एकरूपता पर विशेष बल दिया गया है, साथ ही अदालतों के हालिया महत्वपूर्ण फैसलों को भी शामिल किया गया है। आईपीओ ने इस पहल का महत्व बताते हुए कहा कि भारत में फार्मास्युटिकल पेटेंट एक अत्यंत संवेदनशील विषय है। जहां खराब पेटेंट समाज पर अनावश्यक बोझ बन सकते हैं, वहीं मजबूत और उचित पेटेंट नवोन्मेषण तथा प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यालय ने बताया कि वह अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़े तंत्र को लगातार बेहतर बना रहा है। दिशानिर्देशों का अद्यतन, विशेष रूप से उत्पाद पेटेंट से जुड़े कई मुद्दों पर अदालतों के स्पष्ट होते फैसलों को ध्यान में रखकर किया गया है। इन न्यायिक व्याख्याओं को शामिल कर, पेटेंट कार्यालय जांच प्रक्रिया में उच्च स्तर की गुणवत्ता और एकरूपता सुनिश्चित करना चाहता है, जिससे भारतीय फार्मा उद्योग में स्वस्थ नवाचार को प्रोत्साहन मिल सके। यह कदम पेटेंट प्रणाली को अधिक पारदर्शी और कुशल बनाने की दिशा में उठाया गया है।

एफपीआई ने सितंबर में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 13,000 करोड़ निकाले

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी मुख्य कारण

नई दिल्ली ।

परिचय वैश्विक अनिश्चितता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में उछाल के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले दो सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार से 13,138 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। यह निकासी जुलाई और अगस्त में हुई भारी खरीदारी के बाद हुई है, जब एफपीआई भारतीय शेयरों में शुद्ध निवेशक रहे थे। चालू वर्ष (2023) में अब तक भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई की कुल निकासी बढ़कर 2.37 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले पूरे वर्ष (2022) की 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से भी काफी अधिक है। एक निवेश मंच के अधिकारी के अनुसार, सितंबर में बिकवाली का मुख्य कारण घरेलू नहीं, बल्कि वैश्विक घटनाक्रम हैं। अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण उभरते बाजारों से पूंजी का बाहर निकलना स्वाभाविक है। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत बढ़कर 109.97 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। बाजार के जानकारों ने चेताया कि ऊंची कच्चे तेल की कीमतें और बढ़ती महंगाई से मौद्रिक नीति सख्त हो सकती है, जिससे बॉन्ड प्रतिफल और बढ़ेंगे। यदि अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड प्रतिफल पांच प्रतिशत तक पहुंचता है, तो वैश्विक शेयर बाजारों में तेज गिरावट आ सकती है और विदेशी निवेशक शेयरों से पैसा निकालकर अधिक रिटर्न देने वाले बॉन्ड में निवेश कर सकते हैं। इस दौरान विदेशी निवेशकों ने भारतीय ऋण बाजार से भी शुद्ध रूप से 2,305 करोड़ रुपये की निकासी की है।

इंडियन बैंक जीवन बीमा एसेट मैनेजमेंट में उतरेगा

दुबई में प्रतिनिधि कार्यालय और नए देशों में मौजूदगी की भी योजना

- चेन्नई ।

सार्वजनिक क्षेत्र का इंडियन बैंक जीवन बीमा और संपत्ति प्रबंधन (म्यूचुअल फंड) कारोबार में उतरने की अपनी योजना को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। बैंक के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि इन क्षेत्रों में प्रस्तावित अनुषंगी कंपनियों या संयुक्त उद्यमों के लिए जल्द ही निदेशक मंडल से मंजूरी ली जाएगी। अधिकारी ने पुष्टि की कि यह योजना पूरी तरह पटरी पर है। बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद, बैंक आवश्यक नियामकीय और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को शुरू करेगा।

कुमार ने इस पूरी कवायद में सही साझेदार की पहचान को सबसे महत्वपूर्ण बताया, जिससे तेजी से कारोबार का विस्तार और संपत्ति सृजन हो सके। उन्होंने अनुमान जताया कि इस पूरी प्रक्रिया में लगभग एक साल का समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि अनुषंगी कंपनियां या संयुक्त उद्यम रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होते हैं, जो संपत्ति सृजन के साथ-साथ ब्रांड को भी मजबूत करते हैं। इंडियन बैंक पहले से ही साधारण बीमा क्षेत्र में यूनिवर्सल सोमपो जनरल इंश्योरेंस कंपनी में 28.52 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ मौजूद है।

वैश्विक विस्तार के मोर्चे पर, इंडियन बैंक दुबई में एक प्रतिनिधि कार्यालय खोलने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य पश्चिम एशिया में बसे बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय से मिलने वाले कारोबारी अवसरों का लाभ उठाना है। बैंक के बोर्ड ने दुबई कार्यालय को मंजूरी दे दी है और अब नियामकीय मंजूरियां ली जा रही हैं। इंडियन बैंक की वर्तमान में सिंगापुर और श्रीलंका में अंतरराष्ट्रीय शाखाएं हैं, जबकि बैंक मलेशिया और इंडोनेशिया में भी अपनी मौजूदगी स्थापित करने की संभावनाएं तलाश रहा है। गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी की शाखा से भी अच्छा कारोबार मिल रहा है।

तेल-तिलहन बाजार: सोयाबीन, बिनौला लुढ़के; मूंगफली में चमक

पाम-पामोलीन में मामूली सुधार, पर लागत से नीचे बिकवाली जारी

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख रहा। आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम पर बिकवाली और ब्रांडेड कंपनियों की कमजोर मांग के चलते सोयाबीन तेल-तिलहन व बिनौला तेल के दाम गिरे।

इसके विपरीत, मजबूत मांग से मूंगफली तेल-तिलहन में सुधार दर्ज हुआ। औद्योगिक मांग के कारण पाम-पामोलीन व सोयाबीन डीगम तेल में भी मामूली सुधार दिखा, जबकि सरसों तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार, आयातकों को सोयाबीन डीगम तेल की लागत से 5-6 रुपये प्रति किलो कम (लगभग 119.50 रुपये प्रति किलो) पर बेचना पड़ा।

पाम-पामोलीन भी लागत से नीचे बिकवाली का शिकार हुआ। सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) के निर्यात में पिछले वर्ष के मुकाबले 12.5 फीसदी की कमी तथा ब्रांडेड कंपनियों की घटती मांग से बिनौला तेल के दाम भी प्रभावित हुए। वहीं, मांग बढ़ने और आवक कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में पर्याप्त सुधार आया। किसानों की कम दाम पर फसल न बेचने की प्रवृत्ति और ऊंची खरीद पर पेराई मिलों के घाटे के चलते सरसों तेल-तिलहन पिछले सप्ताहांत के स्तर पर ही स्थिर रहे। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश: 400-400 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 6,300-6,350 रुपये और 6,150-6,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।इसी प्रकार, आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,500 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम तेल 100 रुपये सुधार के साथ 11,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

अच्छी मांग के कारण बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 250 रुपये के सुधार के साथ 7,600-8,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये के सुधार के साथ 17,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 2,755-3,055 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 14,125 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

एशिया के बेस्ट वर्कप्लेस 2026: भारत का दबदबा कायम, टॉप-100 में 34 भारतीय कंपनियां

फ्लिपकार्ट, इंफोसिस समेत कई भारतीय कंपनियों का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

दुनियाभर की कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए कौन सा कार्यस्थल सबसे बेहतर है, इसका पता लगाने के लिए ग्रेट प्लेस टू वर्क ने एशिया के सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों की नई लिस्ट जारी की है। यह रैंकिंग कर्मचारियों की राय और उनके अनुभवों के आधार पर तैयार की गई है, जिसमें भारत ने अपना जबरदस्त प्रदर्शन किया है। इस लिस्ट में शामिल टॉप-100 बड़ी कंपनियों में 34 भारतीय कंपनियों ने जगह बनाई है, जो देश की मजबूत कार्य संस्कृति का प्रमाण है।

ग्रेट प्लेस टू वर्क की यह प्रतिष्ठित लिस्ट एशिया और मिडिल ईस्ट के लगभग 89 लाख कर्मचारियों के अनुभवों को शामिल करते हुए तैयार की गई है। कर्मचारियों से कंपनी में भरोसे, नेतृत्व, काम के माहौल, नए विचारों को बढ़ावा, कंपनी के मूल्यों और उनके कुल अनुभव के बारे में पूछा गया था। इस अध्ययन में कंपनियों के आकार या कमाई की बजाय कर्मचारियों के वास्तविक अनुभव को ही मूल्यांकन का आधार बनाया गया है।

बड़ी कंपनियों की श्रेणी में वैश्विक स्तर पर जिन 10 कंपनियों को सर्वश्रेष्ठ माना गया है, उनमें हिलटन, मैरियोट इंटरनेशनल, सिस्को, एब्वी, डीएचएल, इंटरकॉन्टिनेंटल होटल्स ग्रुप, माइक्रो टेक्नोलॉजी, टीपी, एसेंचर और कैपेला का नाम शामिल है। इस पूरी रैंकिंग में भारत का प्रदर्शन बेहद मजबूत रहा है। बड़ी कंपनियों की टॉप-100 लिस्ट में 34 कंपनियां भारत की हैं। इनमें फ्लिपकार्ट ग्रुप, इंफोसिस, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, रिलायंस रिटेल, बजाज फाइनेंस, मैक्स हेल्थकेयर, उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक, जेनसर टेक्नोलॉजीज, एक्सपीरियन, एडलवीज लाइफ और एचपी इंक जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा, छोटी और मध्यम कंपनियों की लिस्ट में एनआईए इंस्टीट्यूशंस, वहदम इंडिया, चैलेट होटल्स, सेरेंटिका रिन्यूबल इंडिया, किम्बल और एलएमएस (लॉर्ड महावीरा सर्विसेज इंडिया) सहित 6 भारतीय कंपनियों ने भी अपनी जगह बनाई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि लिस्ट में शामिल लगभग 93 फीसदी कर्मचारियों ने अपनी कंपनी को काम करने के लिए एक बेहतरीन जगह बताया।

रांची में 80.60 लाख की कथित धोखाधड़ी और जालसाजी में छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र में 80.60 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला सामने आया है। डॉ. दिवेश कुमार भगत के लिखित आवेदन पर पुलिस ने निखिल कुमार, उसकी पत्नी बबीता गुप्ता सहित छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 316(2), 318(4) और 61(2) के तहत कार्रवाई की गई है।

प्राथमिकी के अनुसार, डॉ. दिवेश कुमार भगत ने आरोप लगाया है कि उनके रिश्तेदार निखिल कुमार और उसकी पत्नी बबीता गुप्ता ने व्यवसाय बढ़ाने के नाम पर उनसे और उनकी पत्नी शालिनी भगत से आर्थिक सहयोग मांगा था। पारिवारिक संबंधों पर भरोसा करते हुए उन्होंने बबीता गुप्ता के फर्म और संबंधित लोगों को कुल 41 लाख 60 हजार रुपये दिए।

शिकायतकर्ता के मुताबिक, इसमें 30 लाख रुपये आरटीजीएस के माध्यम से अलग-अलग बैंक खातों से आयुष इंटरप्राइजेज के खाते में भेजे गए, जबकि 11 लाख 60 हजार रुपये अलग-अलग तारीखों में नकद दिए गए। आरोप है कि रकम वापस मांगने पर आरोपित पक्ष लगातार टालमटोल करता रहा। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि रुपये लौटाने के बजाय उन्हें कथित तौर पर धमकी दी गई और पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों का भय दिखाकर मुकदमे में फंसाने की बात कही गई।

शिकायत में हजारीबाग स्थित न्यू होम्स के टोप्पीदी केशव टावर से जुड़ा एक अन्य मामला भी दर्ज कराया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, निखिल कुमार, जिसे एमएम न्यू होम का संचालक बताया गया है, ने फ्लैट-भवन निर्माण के नाम पर शिकायतकर्ता से 39 लाख रुपये लिए थे। आरोप है कि इसके बदले ग्राउंड फ्लोर पर 2600 वर्गफीट व्यावसायिक जगह, दूसरे तल पर 1540 वर्गफीट आवासीय जगह और पार्किंग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया था। प्राथमिकी में पार्किंग संख्या 01, 05, 06 और 07 का उल्लेख है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि प्रोजेक्ट में अड़चन का हवाला देकर लंबे समय तक उन्हें टालते रहे और वादा पूरा नहीं किया गया।

मामले में जालसाजी का आरोप भी लगाया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्हें 21 जनवरी 2014 की तारीख वाला एक कथित फर्जी अलॉटमेंट लेटर दिया गया था। इसके बाद निखिल कुमार ने अन्य आरोपितों के साथ मिलकर पावर ऑफ अटॉर्नी और दूसरे दस्तावेजों के माध्यम से संपत्ति से संबंधित लेनदेन किए। प्राथमिकी में गोपाल प्रसाद गुप्ता, पदम लाल गुप्ता, रेनू गुप्ता और संजीत कुमार सिंह को भी सह-आरोपित बनाया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संपत्ति से संबंधित दस्तावेजों और आवंटन की प्रक्रिया में भी अनियमितता की गई।

शिकायतकर्ता ने 11 अप्रैल 2023 को किए गए एक एग्रीमेंट का भी उल्लेख किया है। आरोप है कि पूर्व में हुए समझौते और इकरारनामा के बावजूद बाद में संपत्ति को लेकर अलग व्यवस्था की गई तथा उन्हें फ्लैट और अन्य संपत्ति देने का आश्वासन दिया गया। प्राथमिकी में दस्तावेजों और संपत्ति के आवंटन को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं।

मामला दर्ज होने के बाद कोतवाली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सब-इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार राय को मामले का अनुसंधान अधिकारी बनाया गया है।

प्रेस क्लब मीडिया कप फुटबॉल: दूसरे दिन दामोदर, कोयल, शंख और कारो विजयी, दामोदर सेमीफाइनल में पहुंचा

बिभा संवाददाता

रांची: राजधानी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित प्रेस क्लब मीडिया कप फुटबॉल टूनार्मेंट के दूसरे दिन खेले गए रोमांचक मुकाबलों में दामोदर, कोयल, शंख और कारो की टीमों ने अपने-अपने मैच जीतकर पूरे अंक हासिल किए। लगातार दो मुकाबले जीतकर दामोदर की टीम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि टीम अजय अपने दोनों मैच हारकर टूनार्मेंट से बाहर हो गई है।

रविवार को खेले गए पहले मुकाबले में दामोदर ने गंगा को 1-0 से शिकस्त दी। शानदार खेल के लिए आरजे अरविंद को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मैच में कोयल ने अमानत को कड़े संघर्ष के बाद 1-0 से पराजित किया। टीम की ओर से एकमात्र निर्णायक गोल दागने वाले कृष्ण कुमार शर्मा मैन ऑफ द मैच बने।

दिन के तीसरे मुकाबले में शंख ने अजय को 1-0 से हराया, जिसमें बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शंख के रंजीत कुमार को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। वहीं, दिन के चौथे और अंतिम मुकाबले में कारो ने भैरवी को 1-0 से मात दी। कारो के लिए विजयी गोल करने वाले निर्भय को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

मैदान में खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए रांची प्रेस क्लब की प्रबंध समिति के सदस्यों के साथ-साथ बड़ी संख्या में शहर के वरिष्ठ पत्रकार और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

ईसीआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ के तत्वावधान में 'ऑल इंडिया ऑन द स्पॉट निबंध प्रतियोगिता' आयोजित

हाजीपुर(बिभा): पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन (ईसीआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ) की अध्यक्षा मेघना गर्ग के नेतृत्व में रविवार को ऑल इंडिया ऑन द स्पॉट निबंध प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता हाजीपुर मुख्यालय स्थित दो परीक्षा केंद्रों तथा महेंद्रूघाट, पटना स्थित एक परीक्षा केंद्र पर एक साथ संपन्न हुई। प्रतियोगिता में पूर्व मध्य रेल के कर्मचारियों के लगभग 200 बच्चों ने पूरे उत्साह और रचनात्मकता के साथ भाग लिया। इस अवसर पर संगठन की उपाध्यक्षा रंजना कुमार, कोषाध्यक्ष पूनम श्रीवास्तव तथा कार्यकारिणी सदस्य रश्मि प्रियदर्शी, हनी वर्मा, श्रुति पांडे और विनीता प्रसाद प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए महिला कल्याण संगठन की ओर से सभी प्रतिभागी बच्चों को उपहार स्वरूप मिल्टन टिफिन बॉक्स, चॉकलेट, बिस्किट, चिप्स और फ्रूटी प्रदान किए गए। संगठन के पदाधिकारियों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन ने आयोजित की निबंध प्रतियोगिता

प्रयागराज(बिभा): उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (मुख्यालय) के तत्वावधान में रविवार, 13 सितंबर 2026 को रेलवे अधिकारी क्लब, सूबेदारगंज में अखिल भारतीय ऑन-द-स्पॉट निबंध प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। रेलवे महिला कल्याण केंद्रीय संगठन, नई दिल्ली के निदेर्शानुसार आयोजित इस प्रतियोगिता में मुख्यालय में कार्यरत अराजपत्रित रेल कर्मचारियों के बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी रचनात्मक लेखन क्षमता का परिचय दिया। बच्चों की उम्र और बौद्धिक क्षमता को ध्यान में रखते हुए इस प्रतियोगिता को तीन अलग-अलग आयु वर्गों में आयोजित किया गया था। इनमें पहला समूह 6 से 9 वर्ष, दूसरा समूह 10 से 12 वर्ष तथा तीसरा समूह 13 से 15 वर्ष के बच्चों के लिए निर्धारित किया गया था। तीनों वर्गों में बच्चों ने विषय पर तत्काल विचार व्यक्त करते हुए उत्साहपूर्वक अपने निबंध लिखे। कार्यक्रम के दौरान संगठन की अध्यक्ष श्रीमती हीमा सिंह एवं सचिव श्रीमती साधना कुमार ने बच्चों के बीच पहुंचकर उनका मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर श्वेता सिन्हा, रजनी चंद्रायन, श्रीमती राखी द्विवेदी, भावना सिंह और तनु शर्मा उपस्थित रहीं। संगठन की पदाधिकारियों ने बच्चों के इस बौद्धिक प्रयास की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रेल कर्मचारियों के बच्चों के लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित, तीन वर्गों में 139 बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

धनबाद(बिभा): पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल के तत्वावधान में रविवार, 13 सितंबर 2026 को केंद्रीय विद्यालय संख्या-1, धनबाद में रेल कर्मचारियों के बच्चों के लिए एक भव्य निबंध प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के कुल 139 बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी रचनात्मक लेखन क्षमता का परिचय दिया। बच्चों की बौद्धिक क्षमता और आयु के अनुरूप प्रतियोगिता को तीन अलग-अलग समूहों में विभाजित किया गया था। पहले समूह (6 से 9 वर्ष) के नन्हे प्रतिभागियों के लिए स्वस्थ भोजन अथवा पौष्टिक आहार तथा मेरे कक्षा अध्यापक अथवा मेरी कक्षा अध्यापिका विषय तय किए गए थे। दूसरे समूह (10 से 12 वर्ष) के बच्चों ने मनोरंजन गतिविधियों का महत्व तथा संयुक्त परिवार अथवा एकल परिवार जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। वहीं तीसरे समूह (13 से 15 वर्ष) के किशोर प्रतिभागियों के लिए देश की बढ़ती जनसंख्या—वरदान या अभिशाप तथा पीढ़ी जैसे समसामयिक एवं विश्लेषणात्मक विषय निर्धारित किए गए थे। इस अवसर पर संगठन की अध्यक्षा प्रिया मिश्र ने प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचकर प्रतिभागी बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए संगठन की ओर से सभी प्रतिभागियों को आकर्षक उपहार भी भेंट किए गए। कार्यक्रम में संगठन की उपाध्यक्षा अल्पना झा, मृणालिनी, शैलि सहित अन्य सदस्याएं प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। पदाधिकारियों ने बच्चों की मौलिक सोच, रचनात्मक अभिव्यक्ति और भाषा कौशल की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी ऐसी ज्ञानवर्धक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में निरंतर बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

दुर्गा पूजा को लेकर भूमि पूजन संपन्न: कोलकाता के कारीगर बनाएंगे भव्य पंडाल, चारों दिन बंटेगा महाभोग

बिभा संवाददाता

रांची: शारदीय नवरात्र एवं दुर्गा पूजा के उपलक्ष्य में रविवार को पूरे विधि-विधान और धूमधाम के साथ भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। मंदिर के पुरोहित श्री काशी नाथ पांडे ने पूजा-अर्चना संपन्न कराई। इस धार्मिक अनुष्ठान में समिति के संरक्षक सुरेश प्रसाद साहू ने अपनी धर्मपत्नी के साथ यजमान की भूमिका निभाई। उनके साथ स्थानीय पार्षद सह समिति के अध्यक्ष संतोष कुमार सोनी, प्रधान महासचिव पंकज प्रसाद, कोषाध्यक्ष अनूप कुमार बर्मन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भूमि पूजन के बाद समिति के अध्यक्ष संतोष कुमार सोनी ने बताया कि पूजा की तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी गई हैं। कोलकाता के अनुभवी कारीगरों द्वारा एक विशाल, भव्य और आकर्षक पंडाल का निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा पूरे परिसर में आकर्षक और नयनाभिराम विद्युत सज्जा का काम भी बंगाल के विशेष कारीगरों द्वारा किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि महासप्तमी, महाअष्टमी, महानवमी और विजयादशमी—चारों दिन श्रद्धालुओं के बीच महाभोग का वितरण किया जाएगा तथा सभी दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। इसके साथ ही परिसर में मेला लगाने की योजना पर भी विचार किया जा रहा है।

समिति द्वारा श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों की सुविधा के लिए पूजा स्थल पर ही एक कैंप कार्यालय खोला गया है। यहां समाज के लोग समिति से संपर्क कर किसी भी प्रकार का सुझाव या सहयोग दे सकते हैं और स्वेच्छा से आयोजन समिति से जुड़ सकते हैं। इस अवसर पर संरक्षक रविन्द्र लाल, सन्तोष कुमार सिन्हा, पवन रंजन खत्री, सतीश कुमार वर्मा, सुनील प्रसाद, शिवदास वर्मा, स्वामी दिव्यानंद महाराज, वरीय उपाध्यक्ष अनिल कुमार सोनी, डॉ. प्रेम कुमार सोनी, सन्तोष सोनी, उपाध्यक्ष रणजीत सोनी, दिलीप कुमार साव, त्रिभुवन प्रसाद, महासचिव अश्विनी कुमार (अधिवक्ता), सह कोषाध्यक्ष ज्वाला प्रसाद सोनी, सचिव पवन कुमार बर्मन और सागर वर्मा सहित समाज के कई प्रबुद्ध लोग उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार दंपती को कुचला, दोनों की मौत

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के सोनाहातू थाना क्षेत्र के बारेंदा टोला देवानसारणा के समीप रविवार को तेज रफ्तार और अनियंत्रित हाइवा ने बाइक सवार पति-पत्नी को कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान पश्चिम बंगाल के झालदा थाना क्षेत्र के कुशी पापड़ाहुडुम गांव निवासी रमेश महतो और उनकी 42 वर्षीय पत्नी सिंधु वाला देवी के रूप में हुई है। महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल रमेश महतो ने अस्पताल ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, सिंधु वाला देवी बारेंदा कुल्याणटांड़ स्थित अपनी दीदी के घर आयोजित तीन नहान कार्यक्रम में शामिल होने आई थीं। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह अपने पति के साथ मोटरसाइकिल से वापस गांव लौट रही थीं। इसी दौरान देवानसारणा के पास पीछे से आ रहे हाइवा (जेएच10 डीबी 5777) ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर गए और हाइवा की चपेट में आ गए।

हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन और स्थानीय ग्रामीण मौके पर जुट गए। आक्रोशित लोगों ने दोनों शवों को सड़क पर रखकर सिल्ली-रांगामाटी मुख्य मार्ग जाम कर दिया। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह बाधित रहा। ग्रामीण पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने और दुर्घटना के आरोपित हाइवा चालक को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे। सूचना मिलने पर सोनहातू थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाकर स्थिति शांत कराई। करीब छह घंटे बाद सड़क जाम हटाया जा सका।

रेलकर्मियों की तत्परता से परिजनों से मिले बिछड़े तीन बच्चे

बिहान भारत

प्रयागराज: रेल यात्रियों की सुरक्षा और मानवीय संवेदना का एक सराहनीय उदाहरण प्रयागराज मंडल में देखने को मिला। डीडीयू (पंडित दीनदयाल उपाध्याय) स्टेशन पर अपने माता-पिता से बिछड़कर दूसरी ट्रेन में सवार हुए तीन मासूम बच्चों को रेलकर्मियों की त्वरित सूझबूझ और तत्परता से सकुशल उनकी मां के सुपुर्द कर दिया गया। बच्चों को उनके परिवार से मिलाने के लिए बिना ठहराव वाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस को विशेष रूप से प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर रुकवाया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, आंध्र प्रदेश का एक परिवार काशी दर्शन के लिए आया हुआ था। 13 सितंबर 2026 को यह परिवार डीडीयू स्टेशन से गाड़ी संख्या 12321 मुंबई मेल पकड़कर मुंबई जाने की तैयारी में था। इसी दौरान स्टेशन पर भारी भीड़ के बीच तीनों बच्चे गलती से अपने माता-पिता से बिछड़ गए और प्लेटफॉर्म पर खड़ी गाड़ी संख्या 22805 भुवनेश्वरझआनंद विहार सुपरफास्ट एक्सप्रेस में चढ़ गए।

ट्रेन रवाना होने के बाद एस-6 कोच में ड्यूटी पर तैनात मुख्य टिकट निरीक्षक (सीटीआई) देव प्रकाश वर्मा की नजर रोते-बिलखते बच्चों पर पड़ी। उन्होंने संवेदनशीलता दिखाते हुए बच्चों से पूछताछ की और वस्तुस्थिति समझकर तत्काल मंडल कार्यालय स्थित कमर्शियल कंट्रोल में ड्यूटी पर तैनात मिथिलेश कुमार को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मिथिलेश कुमार ने फौरन उच्चाधिकारियों और प्रयागराज छिवकी स्टेशन के कर्मचारियों से समन्वय स्थापित किया। चूंकि भुवनेश्वरझआनंद विहार सुपरफास्ट एक्सप्रेस का प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर नियमित ठहराव नहीं है, इसके बावजूद मानवीय आधार पर ट्रेन को विशेष रूप से वहां रुकवाने की आपात व्यवस्था की गई।

इसके बाद, मुंबई मेल के प्रयागराज छिवकी स्टेशन पहुंचने पर रेलवे प्रशासन ने तीनों बच्चों को सुरक्षित उनकी मां की गोद में सौंप दिया। अपने बच्चों को सकुशल पाकर भावुक हुए परिवार ने रेलकर्मियों और रेलवे प्रशासन की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उनका आभार जताया। मंडल रेल प्रशासन ने मुख्य टिकट निरीक्षक देव प्रकाश वर्मा और कमर्शियल कंट्रोलर मिथिलेश कुमार के इस टीमवर्क और मानवीय कार्य की सराहना की है।

91वीं अखिल भारतीय रेलवे एथलेटिक्स चैम्पियनशिप संपन्न: मध्य रेलवे बना ओवरऑल चैम्पियन, दक्षिण रेलवे रहा उपविजेता

बिहान भारत

कोलकाता: रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) के तत्वावधान में पूर्व रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन (ईआरएसए) द्वारा आयोजित 91वीं अखिल भारतीय रेलवे एथलेटिक्स (पुरुष एवं महिला) चैम्पियनशिप 2026 का रविवार को साल्ट लेक स्थित स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) कॉम्प्लेक्स में भव्य समापन हुआ। तीन दिवसीय इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में मध्य रेलवे की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैम्पियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि दक्षिण रेलवे की टीम उपविजेता रही।

समापन समारोह की मुख्य अतिथि पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक सह एफ़अ की मुख्य संरक्षक गीतिका पांडेय ने विभिन्न स्पधाओं के विजेता और उपविजेता प्रतिभागियों एवं टीमों को पदक, कप और शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। 11 सितंबर से शुरू हुए इस महाकुंभ में भारतीय रेल के विभिन्न क्षेत्रीय रेलों, उत्पादन इकाइयों और रेलवे सुरक्षा बल की 24 टीमों के 412 से अधिक एथलीटों, प्रशिक्षकों और प्रबंधकों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में मध्य रेलवे चैम्पियन और उत्तर रेलवे उपविजेता बना, जबकि महिला वर्ग में दक्षिण पश्चिम रेलवे ने चैम्पियनशिप कप जीता और दक्षिण रेलवे उपविजेता रहा। व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए दक्षिण रेलवे के डेविड को सर्वश्रेष्ठ पुरुष एथलीट और दक्षिण रेलवे की ही भगवती भवानी को सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट घोषित किया गया। वहीं मेजबान पूर्व रेलवे के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल चार स्वर्ण पदक जीते, जिसमें लिली दास ने दो स्वर्ण, मौमिता मंडल ने एक स्वर्ण और ख्याति माथुर ने एक स्वर्ण पदक हासिल किया।

इस समापन समारोह में कई विख्यात खेल हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें पद्मश्री व अर्जुन पुरस्कार विजेता एल. बॉम्बायला देवी, द्रोणाचार्य व अर्जुन अवार्डी मोहम्मद अली कमर के अलावा अर्जुन पुरस्कार विजेता जोसेफ अब्राहम, जितेंद्र कुमार, जे. जे. शोभा, पप्पू यादव, सोमा बिस्वास, सरस्वती साहा तथा ओलंपियन भावना जाट और संजय राय शामिल थे। इस अवसर पर पूर्व रेलवे के अपर महाप्रबंधक शैलेन्द्र प्रताप सिंह, दक्षिण पूर्व रेलवे के अपर महाप्रबंधक मनीष जैन, ईआरएसए के अध्यक्ष नीरज वर्मा और सचिव कुमार अनिमेष सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा कि रेलवे युवा प्रतिभाओं को मंच देने और खेलों के समग्र विकास के लिए निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रहा है।

भारतीय रेल का अगस्त 2026 में रिकॉर्ड प्रदर्शन: माल ढुलाई 5.4% बढ़ी, 14 अमृत भारत ट्रेनें नियमित और 5 नए गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल शुरू

बिहान भारत

नई दिल्ली: भारतीय रेल ने अगस्त 2026 में यात्री परिवहन और माल ढुलाई दोनों मोर्चों पर शानदार प्रगति दर्ज की है। त्योहारों के मौसम में यात्रियों की सुगम आवाजाही और उद्योगों के लिए किफायती लॉजिस्टिक्स सुनिश्चित करते हुए रेलवे ने राजस्व और परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है। इस दौरान 14 अमृत भारत सेवाओं को नियमित किया गया, 5 नए गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल चालू किए गए और 67 करोड़ से अधिक यात्रियों ने सुरक्षित सफर किया।

माल ढुलाई में 5.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी, राजस्व 6.27% बढ़ा

भारतीय रेल ने अगस्त 2026 में 137.9 मिलियन टन माल की ढुलाई की, जो अगस्त 2025 (130.9 मिलियन टन) के मुकाबले 5.4 प्रतिशत अधिक है। माल ढुलाई से प्राप्त राजस्व में भी वर्ष-दर-वर्ष 6.27 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

प्रमुख वस्तुओं की बात करें तो लौह अयस्क की ढुलाई में 12.1%, क्लिंकर में 10.4%, घरेलू कंटेनर में 9.2%, कोयले में 6%, तैयार इस्पात में 4.9%, खनिज तेल में 3.1% और उर्वरक में 1.6% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह वृद्धि देश के विनिर्माण और औद्योगिक सेक्टर में मजबूत मांग तथा सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला को दशार्ती है।

5 नए गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) से लॉजिस्टिक्स को रफ्तार

औद्योगिक इकाइयों तक अंतिम छोर की कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए अगस्त माह में पांच नए गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल शुरू किए गए। इसके साथ ही देश भर में कुल सक्रिय जीसीटी की संख्या बढ़कर 149 हो गई है। नए टर्मिनल गुजरात (शिवलखा), तमिलनाडु (नल्ली), उत्तर प्रदेश (शक्तिनगर), मध्य प्रदेश (देवराग्राम) और ओडिशा (ब्रजराजनगर) में स्थापित किए गए हैं। इन टर्मिनलों से औद्योगिक माल की तेजी से निकासी होगी और लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी।

14 अमृत भारत ट्रेनें हुई नियमित, सेवाओं की कुल संख्या 86 पहुंची

आम यात्रियों को किफायती और आरामदायक लंबी दूरी का सफर मुहैया कराने के उद्देश्य से 14 अमृत भारत विशेष ट्रेनों को नियमित सेवाओं में बदल दिया गया है। इसके साथ ही अमृत भारत सेवाओं की कुल संख्या बढ़कर 86 हो गई है। इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं:

सूबेदारगंज झ लोकमान्य तिलक टर्मिनस, गोरखपुर झ बांद्रा टर्मिनस, गोरखपुर झ दिल्ली जंक्शन, अहमदाबाद झ भागलपुर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस झ प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज जंक्शन झ उधना जंक्शन, धनबाद झ कोयंबटूर। इन सेवाओं से उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और झारखंड के प्रमुख औद्योगिक, शैक्षणिक और व्यावसायिक केंद्रों के बीच सीधा और सस्ता संपर्क स्थापित हुआ है।

यात्रियों की संख्या में इजाफा, त्योहारों में 144 रक्षाबंधन स्पेशल फेरे

अगस्त 2026 के दौरान भारतीय रेल से कुल 67.27 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की, जो पिछले साल इसी अवधि के 64.43 करोड़ से अधिक है। उपनगरीय (लोकल) ट्रेनों में 9.02 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और कुल 38.01 करोड़ दैनिक यात्रियों ने सफर किया।

इसके अतिरिक्त, रक्षाबंधन के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए 25 से 31 अगस्त के बीच 144 स्पेशल फेरों का परिचालन किया गया, जबकि बीते वर्ष यह संख्या मात्र 48 थी। रेलवे के इन कदमों से नियमित ट्रेनों पर दबाव कम हुआ और त्योहारों में घर जाने वाले आम यात्रियों को बड़ी राहत मिली।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाष: 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com